खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 11 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-11

ROOPESH KUMAR SOMANI
NILESH SOMANI

SNR

Since 2015

TALLY TRAINING INSTITUTE

(AUTHORISED TALLY TRAINING INSTITUTE)

Tally Education

www.snrtallysolutions.com

SNR

snrsomaniassociates@gmail.com

TallyPrime

Tally Certification with Tally Essential
Tally Certification with GST Simulation

+91 76608 57155

15-1-503/B,2nd Floor, Near Rajdhani Hotel,Ashok Market, Feelkhana,Hyderabad-12

www.snrtallysolutions.com

snrsomaniassociates@gmail.com

हरे कृष्णा

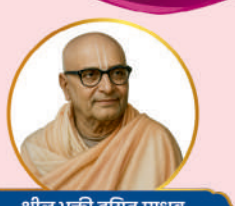

श्रील भक्ती दयित माधव गोस्वामी महाराज

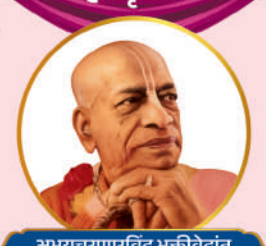

अभयचरणारविंद भक्तीवेदांत स्वामी प्रभुपाद

श्रील भक्ती वैभवपुरी गोस्वामी महाराज

कथा वाचक :
पू. त्रिदण्डी स्वामी भक्ति भूषण
श्री बोधायन महाराजजी
श्री वृन्दावन धाम

श्रीमद्भागवत कथा
2026

आज रविवार दि.11 जनवरी 2026
समयः मध्याह्न 12 बजे से

शुभ स्थल : श्री राधाकृष्ण धाम श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना, बेगमबाजार, हैदराबाद

पावन स्मृति

गोलोकवासी श्री जेठमलजी एवं श्रीमती रामकंवरी देवी तिवारी (बलुन्दा वाला)

आज कथा प्रसंग

रविवार 11 जनवरी 2026
सुदामा चरित्र, चैतन्य महाप्रभु लीला,
भागवत पूजन, कथा विश्राम, स्वागत सम्मान समारोह

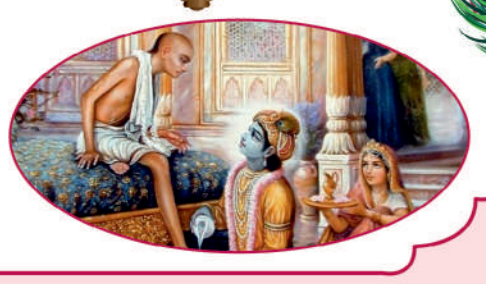

विनीत : मोतीलाल विष्णुगोपाल तिवारी (बलुन्दा वाला)

निवेदक

रामानंद, भगवानदास, जगदीश, मोतीलाल, विष्णुगोपाल, पवन, श्याम, द्वारकाप्रसाद, रामकिशोर, गजानंद, रामनारायण, कार्तिक, रोहित,वासुदेव (नितीन), हरिनारायण, अमन, देवांश एवं समस्त तिवारी परिवार बलुन्दा वाला।

सतगुरु इन्टरप्राइजेस
बेगम बजार, फोनः 9246174077

श्रीनाथ एजन्सीस (Wholesale Tea)
फीलखाना, फोनः 9849079015

नेपाली कांग्रेस में विभाजन रोकने के लिए नेताओं के बीच गतिरोध जारी

काठमांडू,10 जनवरी (एजेंसियां)।

नेपाली कांग्रेस में विभाजन को रोकने को लेकर पार्टी के नेताओं के बीच दो दिन से जारी बातचीत का फिलहाल किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है। हालांकि विभिन्न पक्षों के बीच आंतरिक मतभेदों को सुलझाने को लेकर बातचीत जारी है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार शुक्रवार पूरे दिन और शनिवार सुबह से दोनों पक्षों के दूसरे-स्तर के नेताओं के बीच संवाद हो रहा है, लेकिन अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है।

नेपाली कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, यह संवादहीनता की स्थिति तो नहीं है, लेकिन समाधान भी अभी निकल नहीं पाया है। नेता के मुताबिक, देउवा पक्ष विशेष महाधिवेशन को स्थगित किए जाने के बाद ही आगे बातचीत करने के रुख पर है, जबकि इतर (असंतुष्ट) पक्ष केवल विशेष महाधिवेशन पर ही अड़ा हुआ है। तथा दोनों पक्ष अपने-अपने रुख से टस-से-मस नहीं हो रहे हैं।

इसी बीच शुक्रवार शाम को गुरु घिमिरे, देवराज चालिसे समेत अन्य नेताओं ने शेखर कोइराला के साथ भी चर्चा की। शेखर कोइराला ने पहले ही पार्टी सभापति शेरबहादुर देउवा से मिलकर समाधान के लिए पहल करने का आग्रह कर चुके हैं। इस दौरान यह भी खुलासा हुआ है कि पुस महीने के दूसरे सप्ताह के आसपास निर्वाचन आयोग में एक निवेदन दायर किया गया था, जिसमें केंद्रीय समिति को विशेष महाधिवेशन बुलाने का निर्देश देने की मांग की गई है।

पार्टी विधान के अनुसार यदि 40 प्रतिशत महाधिवेशन प्रतिनिधि विशेष महाधिवेशन की मांग करते हैं तो उसे बुलाना अनिवार्य होता है। निवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि 54 प्रतिशत प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर पहले ही जुटाए जा चुके हैं और आवश्यक कार्रवाई के लिए आयोग से अनुरोध किया गया है।

पार्टी अध्यक्ष देउवा पक्ष ने इस कदम को पार्टी को विभाजित करने के प्रयास के रूप में देखा है। वहीं, निर्वाचन आयोग ने कहा है कि वह कांग्रेस के भीतर बढ़ते विवाद पर करीबी नजर बनाए हुए है। शुक्रवार की प्रेस ब्रीफिंग में आयोग के प्रवक्ता एवं सहसचिव नारायणप्रसाद भट्टराई ने कहा कि कांग्रेस का महाधिवेशन विवाद पार्टी का आंतरिक विषय है।

उन्होंने कहा, आंतरिक मामलों में अधिक हस्तक्षेप न करने की नीति के कारण अभी तक हमने कोई ठोस धारणा नहीं बनाई है। राजनीतिक दलों की गतिविधियों पर नजर रखना आयोग की जिम्मेदारी है। हमें जानकारी तो है, लेकिन यह दल के भीतर लोकतंत्र का विषय होने के कारण आयोग ने फिलहाल इसमें प्रवेश नहीं किया है।

भृकुटीमंडप में 11-12 जनवरी को तय विशेष महाधिवेशन के लिए देशभर से प्रतिनिधियों के काठमांडू पहुंचने का क्रम जारी है। पीछे न हटने के मूड में दिख रहे महामंत्रीद्वय गगन थापा और विश्वप्रकाश शर्मा, हस्ताक्षर करने वालों से 500 से अधिक प्रतिनिधियों को उतारने के दावे के साथ तेज़ी से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

एआई टूल्स के जितने फायदे है उतने ही खतरे भी, रखे सावधानी

सैन फ्रांसिस्को। वर्तमान समय में आफिस के काम से लेकर डेली रूटीन तक, लोग चैटजीपीटी, ग्रोक, जेमिनी

जैसे एआई टूल्स की मदद से अपने कई काम आसान बना रहे हैं। हालांकि, जितने ज्यादा इनके फायदे हैं, उतनी ही सावधानी बरतना भी जरूरी हो जाता है। एआई चैटबाट्स का गलत इस्तेमाल न सिर्फ आपको गलत जानकारी दे सकता है, बल्कि आपकी प्राइवेसी के लिए भी खतरा बन सकता है। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एआई सिस्टम टेक्स्ट प्रोसेस करने के लिए डिजाइन किए गए हैं, न कि आपकी पर्सनल या गोपनीय जानकारी को सुरक्षित रखने के लिए। ऐसे में कभी भी चैटबाट्स के साथ बैंक डिटेल्स, आधार नंबर, पासवर्ड, पर्सनल डाक्यूमेंट्स या आफिस से जुड़ी कान्फिडेंशियल जानकारी शेयर नहीं करनी चाहिए। भले ही कई प्लेटफार्म यह दावा करते हों कि वे बातचीत को याद नहीं रखते, फिर भी इनपुट डेटा को क्वालिटी और सिक्योरिटी के उद्देश्य से स्टोर या रिव्यू किया जा सकता है। संवेदनशील फाइलों या निजी डेटा का एआई से विश्लेषण करवाना प्राइवेसी रिस्क को बढ़ाता है और जानकारी के दुरुपयोग या लीक होने की आशंका पैदा करता है। इसके साथ ही, एआई चैटबाट्स को डाक्टर या मेडिकल एक्सपर्ट समझने की भूल नहीं करनी चाहिए। चैटजीपीटी या जेमीनी जैसे प्लेटफार्म मेडिकल टर्म्स समझा सकते हैं या लक्षणों की सामान्य जानकारी दे सकते हैं, लेकिन वे बीमारी का सही डायग्नोसिस या ट्रीटमेंट प्लान तय नहीं कर सकते।

मैं शांतिदूत... मैंने भारत-पाक युद्ध रुकवाया, शांति के नोबेले के लिए मुझसे बड़ा हकदार कोई नहीं: ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अपनी भूमिका को

लेकर बड़ा दावा करते हुए भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित परमाणु युद्ध को रुकवाने का श्रेय खुद को दिया है। कहा मैं ही दुनिया का शांतिदूत हूं। ट्रंप ने अपनी उपलब्धियों का बखान करते हुए न केवल स्वयं को नोबेल शांति पुरस्कार का सबसे बड़ा हकदार बताया, बल्कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के हवाले से दावा किया कि ट्रंप के हस्तक्षेप की वजह से करोड़ों लोगों की जान बची। उन्होंने कहा कि पिछले साल मई 2025 में जब दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच युद्ध जैसे भीषण हालात बन गए थे, तब उन्होंने रैपिड आर्डर के जरिए इस टकराव को खत्म कराया था। ट्रंप ने एक सार्वजनिक संबोधन के दौरान कहा कि लोग उन्हें पसंद करें या न करें, लेकिन उन्होंने दुनिया के आठ बड़े युद्धों को सुलझाने में सफलता प्राप्त की है, जिनमें से कुछ संघर्ष पिछले 36 वर्षों से जारी थे। भारत और पाकिस्तान के तनावपूर्ण संबंधों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने दावा किया कि उस समय हवा में आठ लड़ाकू विमान गिराए जा चुके थे और दोनों देश परमाणु हमले की कगार पर खड़े थे। उन्होंने जोर देते हुए कहा, इतिहास में मुझे नहीं लगता कि कोई और मुझसे ज्यादा नोबेल पुरस्कार का हकदार है। हर उस युद्ध के लिए पुरस्कार मिलना चाहिए जिसे आपने रुकवाया हो। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान सार्वजनिक तौर पर यह स्वीकार किया था कि राष्ट्रपति ट्रंप की सक्रियता के कारण ही एक करोड़ से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकी। हालांकि, भारत सरकार ने ट्रंप के इन दावों को हमेशा की तरह सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली का आधिकारिक रुख पूरी तरह स्पष्ट है कि सीमा पर युद्धविराम का फैसला भारत और पाकिस्तान के बीच सीधी सैन्य बातचीत और डीजीएमओ स्तर की वार्ताओं का परिणाम था, न कि किसी तीसरे पक्ष के दबाव का।

ट्रंप का प्रस्तावित 500 प्रतिशत टैरिफ.....क्या दुनिया को दो भागों में बांट देगा

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में प्रस्तावित 500 प्रतिशत टैरिफ विधेयक केवल एक

आर्थिक निर्णय नहीं है, यह वैश्विक व्यवस्था को चुनौती देने वाली राजनीतिक घोषणा है। यह विधेयक संसद में पेश होने जा रहा है और इसी तथ्य ने अफवाह से निकालकर खुली चेतावनी में बदल दिया है। 500 प्रतिशत टैरिफ का अर्थ व्यापार संतुलन नहीं, बल्कि पूरे व्यापार का गला घोंटना है। यह मुक्त बाज़ार, डब्ल्यूटीओ नियमों और अंतरराष्ट्रीय समझौतों पर सीधा प्रहार है। अमेरिका यह स्पष्ट कर रहा है कि अब वह साझेदारी नहीं, आज्ञाकारिता चाहता है। वहीं भारत जैसे देशों को निशाने पर लेना संयोग नहीं है। भारत आज केवल उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन का विकल्प बन गया है। यही आत्मनिर्भर भारत ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति को असुविधाजनक लग रहा है। यह टैरिफ विधेयक दरअसल एक संदेश है जो अमेरिकी शर्तों पर नहीं चलेगा, उस आर्थिक सजा भुगतानी होगी। लेकिन ट्रंप की यह नीति जितनी भारत के लिए चुनौती है, उससे कहीं अधिक अमेरिका के लिए आत्मघाती साबित हो सकती है। भारतीय फार्मा और आईटी सेवाओं पर निर्भर अमेरिकी उद्योग, महँगाई की मार झेलता उपभोक्ता और पहले से दबाव में डालर—सब ट्रंप के फैसले की कीमत चुकाएँगे।

अयातुल्ला खामेनेई की ट्रंप को खरी-खरी, अमेरिका ने कहा प्रदर्शनकारियों को मारा तो दखल देंगे, पहलवी ने की अपील

तेहरान,10 जनवरी (एजेंसियां)।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अहंकारी शासक सत्ता के शिखर पर पहुंचते हैं तभी उनका पतन शुरू होता है। उन्होंने मोहम्मद रजा पहलवी का उल्लेख करते हुए कहा कि उन जैसे अहंकारी शासकों ने भी अपने घमंड की चरम सीमा पर पहुंच कर पतन देखा था और ट्रंप का भी यही हश्र होगा। उधर, ईरान के पूर्व शाह के निर्वासित बेटे रजा पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से ईरान में दखल देने के लिए तैयार रहने की अपील की है। ईरान में अराजकता के बीच ट्रंप ने कहा है कि वहां के हालात पर करीब से नजर रखी जा रही है। ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई ने सोशल प्लेटफार्म एक्स पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि दुनिया के तनाशाहों और घमंडी शासकों का अंत तब हुआ जब वे अपने घमंड के चरम पर थे, तुम्हारा भी पतन होगा। उन्होंने तेहरान और अन्य शहरों में हुई तोड़फोड़ की कड़ी निंदा करते हुए इसके लिए प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग अमेरिकी राष्ट्रपति को खुश करने के लिए अपने ही देश को नुकसान पहुंचा रहे हैं। इससे पहले पूर्व शाह के निर्वासित बेटे रजा पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को ईरान में हस्तक्षेप के लिए तैयार रहने की अपील करते हुए उनसे समर्थन मांगा है। उन्होंने एक्स पोस्ट के जरिए कहा है कि ईरान के लोग विरोध प्रदर्शन के लिए सड़कों पर उतरेंगे, यह समय बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने ट्रंप से कहा कि उनकी खामेनेई के आपराधिक शासन के प्रति धमकी ने सरकार के गुंडों को दूर रखा है और यह समय बहुत अहम है। इस पूरे घटनाक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति ने एकबार फिर ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों को मारा गया तो अमेरिका दखल देगा और वहीं हमला करेगा, जहां सबसे ज्यादा दर्द होगा।उन्होंने कहा कि अमेरिका पूरी स्थिति पर गहरी नजर रख रहा है। खराब अर्थव्यवस्था, आसमान छूती महंगाई और गिरती मुद्रा के खिलाफ ईरान के लोगों का प्रदर्शन पूरे देश में फैल गया है।ईरान के शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। खामेनेई शासन के खिलाफ यह विरोध प्रदर्शन देश के सभी 31 प्रांतों में फैल चुका है।

ईरान: सुरक्षाबलों ने 217 प्रदर्शनकारियों को गोलियों से भूना, तेहरान के डाक्टर ने किया दावा

तेहरान। ईरान में इस्लामी शासन के खिलाफ जारी विरोध प्रदर्शनों ने अब एक बेहद हिंसक और विकराल रूप ले लिया है। देश के विभिन्न हिस्सों से आ रही खबरें सुरक्षाबलों द्वारा किए जा रहे भयानक दमन की ओर इशारा कर रही हैं। राजधानी तेहरान के एक डाक्टर ने अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर सनसनीखेज दावा किया है कि शहर के केवल छह अस्पतालों में ही कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की गई है। डाक्टर के अनुसार, मरने वालों में से अधिकांश की जान सीधे तौर पर की गई गोलीबारी के कारण गई है। यदि मौतों का यह आंकड़ा सही है, तो यह ईरान के आधुनिक इतिहास में नागरिक विरोध पर सरकार के सबसे क्रूर प्रहारों में से एक है। ये विरोध प्रदर्शन पिछले साल 28 दिसंबर को आर्थिक बदहाली और महंगाई के खिलाफ शुरू हुए थे, लेकिन देखते ही देखते ये पूरे ईरान के सभी 31 प्रांतों में फैल गए। अब जनता केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि दशकों पुराने इस्लामी शासन को उखाड़ फेंकने की मांग कर रही है। प्रदर्शनों के दौरान आजादी और तानाशाह मुर्दाबाद जैसे नारों से ईरान की सड़कें गूंज रही हैं। मशीनगनों से की गई फायरिंग, अस्पतालों से हटाए गए शव तेहरान के डाक्टर ने बताया कि जैसे-जैसे प्रदर्शन तेज हुए, सुरक्षाबलों ने संयम खो दिया और कई इलाकों में प्रदर्शनकारियों पर सीधे गोलियां चलानी शुरू कर दीं। उनके दावे के मुताबिक, उत्तरी तेहरान के एक पुलिस स्टेशन के बाहर मशीनगन से की गई अंधाधुंध फायरिंग में कई लोग मौके पर ही ढेर हो गए, जिनमें से कम से कम 30 लोगों को गोलियां लगी थीं।

पिछले साल 28 दिसंबर को देश की मुद्रा रियाल के रिकार्ड निचले स्तर पर पहुंचने के बाद तेहरान के मुख्य बाजारों में शुरू हुए इस प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई और व्यापक इंटरनेट प्रतिबंध के बावजूद तेहरान, मशहद और अन्य प्रमुख शहरों में हजारों की संख्या में लोग सड़कों पर उतर रहे हैं।इसमें काफी संख्या में पूर्व राजशाही समर्थक प्रदर्शनकारी भी हैं जो रजा पहलवी के समर्थन में नारेबाजी कर रहे हैं।

झुंड में हमला करने वाले ड्रोन को होगा सफाया, चीन ने तैयार किया हरिकेन 3000 गोलाबारूद से नहीं बिजली से चलेगा हथियार

बीजिंग,10 जनवरी (एजेंसियां)।

समय के साथ दुनिया में युद्ध का स्वरूप भी बदल गया है। जहां पहले लड़ाइयां जमीन पर होती थीं, वहीं अब आधुनिक युद्ध में ड्रोन सबसे बड़ा खतरा बन चुके हैं। छोटे, तेज और झुंड में हमला करने वाले ये ड्रोन टैंकों, एयरबेस और शहरों तक को निशाना बनाते हैं। इसके जवाब में हर देश इसतरह का एयर डिफेंस सिस्टम बनाने में लगा है, जो कम खर्च में इन ड्रोन झुंडों का सफाया कर सके। परंपरागत मिसाइल और तोप आधारित सिस्टम महंगे हैं और बड़े पैमाने पर ड्रोन नष्ट करना चुनौतीपूर्ण है। इस कमी को देखकर चीन ने एक ऐसा समाधान निकाला है, जिसने दुनिया को चौंका दिया है। चीनी सरकारी रक्षा कंपनी नोरिन्को ने हरिकेन 3000 नामक हाई-पावर माइक्रोवेव (एपपीएम) हथियार विकसित किया है। यह कोई सामान्य मिसाइल या तोप नहीं है, बल्कि इलेक्ट्रानिक सिस्टम पर हमला करने वाला एक अत्याधुनिक हथियार है। ट्रक पर लगे सिस्टम से निकली माइक्रोवेव किरणें दुश्मन के ड्रोन के कंट्रोल और सर्किट को नुकसान पहुंचाती हैं। इसके चलते ड्रोन हवा में ही बर्बाद हो जाते हैं। नोरिन्को के अनुसार, यह हथियार 3 किलोमीटर तक छोटे और हल्के ड्रोन को नष्ट करने में सक्षम है, और यह पूरे झुंड को एक साथ रोक सकता है। हरिकेन 3000 का पहला प्रदर्शन 2024 में झुहाई एयर शो में हुआ था, जबकि सितंबर 2025 में चीन की सैन्य परेड में सार्वजनिक रूप से पेश किया। इस हथियार का संचालन अत्याधुनिक सेंसर और रडार सिस्टम से होता है। रडार उड़ते ड्रोन का पता लगाता है और इलेक्ट्रो-आप्टिकल सेंसर उन्हें लाक करता है। इसके बाद माइक्रोवेव किरणें ड्रोन के इलेक्ट्रानिक सिस्टम में प्रवेश कर निष्क्रिय कर देती हैं। इस प्रक्रिया में न विस्फोट होता है और न ही मलबा फैलता है, जिससे आसपास के क्षेत्रों में कोई नुकसान नहीं होता। विशेषज्ञों का कहना है कि हरिकेन 3000 का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इस चलाने के लिए गोलाबारूद की जरूरत नहीं होती। बिजली उपलब्ध रहने तक यह हथियार लगातार हमला कर सकता है। इसकी लागत भी पारंपरिक मिसाइलों के मुकाबले बहुत कम है। अमेरिका के पास भी ऐसा ही हथियार है, इस लियोनिडास कहते हैं, लेकिन इसकी रेंज केवल दो किलोमीटर है। चीन का दावा है कि हरिकेन 3000 इससे कहीं अधिक दूरी तक प्रभावी है।

क्या यूरोपीय देशों खासकर ब्रिटेन को तबाह करने को उतारु हुए पुतिन

मास्को। वर्तमान में यूरोपीय देशों से रूस का टकराव बढ़ रहा है। नए साल में प्लान रूस ने बना लिया है जिससे यूरोपीय देशों में हड़कंप मच गया है। खासतौर से ब्रिटेन की नींद उड़ी हुई है क्योंकि रूस अंडर वाटर अटैक करने को तैयार है। यूक्रेन ने रूसी क्रिसमस पर हमले करके अपने विध्वंसकारी इरादे बताए हैं। यूक्रेन अब हार नहीं मानेगा ना ही 1 इंच भी जमीन रूस को देगा क्योंकि नाटो देशों ने हथियारों का प्रोडक्शन बढ़ा दिया है। साथ ही सैनिक यूक्रेन भेज रहा हैं। वहीं ब्रिटेन ने युद्ध का ब्लूप्रिंट तैयार किया है जिससे रूस को युद्ध में उलझाया जा सके। यूक्रेन में विदेशी सैनिकों की तैनाती की जा रही है। रूसी बार्डर पर भी सैनिक लगाए जा रहे हैं। लेकिन रूस अब हाइब्रिड वार की तैयारी में है। इसके लिए दो स्तर पर प्लान बनाया गया है। इसमें ड्रोन वाल बनाई जा रही है। जिससे रूस की ड्रोन घुसपैठ को रोका जा सके। इसके लिए ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी मिलकर प्लान बना रहे हैं। रूस को अंदाजा हो चुका है कि सिर्फ यूक्रेन ही नहीं बल्कि पूरे यूरोप से टकराव बढ़ रहा है। एक ओर समंदर में इंटरनेट केबल काटेगा। इसके अलावा पावर सप्लाई केबल भी काटी जाएगी।

ट्रंप प्रशासन ने रूसी निर्भरता घटाने के लिए तैयार किया नया ढांचा, अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत

वाशिंगटन,10 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिका से आ रहे संकेतों के अनुसार, ट्रंप प्रशासन भारत को वेनेजुएला का कच्चा तेल खरीदने की अनुमति देने के लिए सैद्धांतिक रूप से तैयार हो गया है, लेकिन यह पूरी प्रक्रिया एक विशेष और नए अमेरिका-नियंत्रित ढांचे के अंतर्गत संचालित होगी। यह कूटनीतिक और आर्थिक कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अमेरिका लगातार भारत पर रूसी कच्चे तेल पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए दबाव बना रहा है। हाल ही में वेनेजुएला में हुए बड़े राजनीतिक बदलावों और अमेरिकी हस्तक्षेप के बाद दक्षिण अमेरिकी ऊर्जा बाजार के समीकरण पूरी तरह बदल गए हैं।

वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वाशिंगटन वेनेजुएला के तेल को वैश्विक बाजार में फिर से उतारने की योजना बना रहा है, जिसमें भारत एक महत्वपूर्ण खरीदार के रूप में उभरेगा। अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस्टोफर राइट ने स्पष्ट किया कि वेनेजुएला के तेल का प्रवाह फिर से शुरू होगा, लेकिन इसकी बिक्री पूरी तरह अमेरिकी सरकार की निगरानी में होगी। इस नई व्यवस्था के तहत, तेल की बिक्री से होने वाली आय वाशिंगटन द्वारा नियंत्रित खातों में जमा की जाएगी। राइट ने दो टूक शब्दों में कहा कि वैश्विक खरीदारों के पास केवल दो विकल्प

हैं—या तो वे अमेरिका के साथ मिलकर तेल का व्यापार करें या वेनेजुएला से तेल न खरीदें। अमेरिका इस नियंत्रण का उपयोग वेनेजुएला के पिछले शासन से जुड़ी अस्थिरता और आपराधिक गतिविधियों को जड़ से समाप्त करने के लिए एक लेवरेज के रूप में कर रहा है। यह महत्वपूर्ण घोषणा 3 जनवरी 2026 को वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी और उन्हें अमेरिकी बलों द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद आई है। मादुरो पर ड्रग्स और हथियारों की तस्करी के गंभीर आरोप हैं। इस घटनाक्रम के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की थी कि अमेरिका अब वेनेजुएला के तेल क्षेत्र का प्रबंधन संभालेगा और अमेरिकी कंपनियां वहां अरबों डालर का निवेश कर उत्पादन में वृद्धि करेंगी। काराकास और वाशिंगटन के बीच हुए ताज़ा समझौते के तहत, शुरुआत में लगभग 30-50 मिलियन बैरल कच्चा तेल, जिसकी कीमत करीब 2 अरब डालर है, वैश्विक बाजार में भेजा जाएगा। वेनेजुएला के पास वर्तमान में भंडारण टैंकों और जहाजों में लाखों बैरल तेल फंसा हुआ है, जिसे अब अमेरिकी नियंत्रण में बेचा जाएगा।

ट्रंप ने धमकी देते हुए कहा- ग्रीनलैंड पर हमने कुछ नहीं किया तो रूस या चीन कब्जा कर लेंगे

वाशिंगटन,10 जनवरी (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ग्रीनलैंड को लेकर अपने कड़े और आक्रामक तेवर दिखाए हैं। शनिवार को व्हाइट हाउस में तेल उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक के दौरान ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया कि अमेरिका इस आर्कटिक द्वीप पर निर्णायक कार्रवाई करने की योजना बना रहा है। उन्होंने बेहद सख्त लहजे में कहा कि अमेरिका ग्रीनलैंड पर अपना नियंत्रण स्थापित करेगा, चाहे इसके लिए उसे आसान तरीका अपनाना पड़े या कठिन। ट्रंप की इस चेतावनी ने न केवल डेनमार्क बल्कि पूरे यूरोपीय देशों के बीच हलचल तेज कर दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस कदम के पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा और भू-राजनीतिक स्थिरता को मुख्य आधार बनाया है। उनका मानना है कि यदि अमेरिका ने ग्रीनलैंड पर अपना प्रभाव या कब्जा स्थापित नहीं किया, तो रूस या चीन जल्द ही इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण द्वीप पर अपना

नियंत्रण जमा लेंगे। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका कभी भी यह बर्दाश्त नहीं करेगा कि रूस या चीन उसके इतने करीब पड़ोसी के रूप में स्थापित हों। उन्होंने जोर देते हुए कहा, हम ग्रीनलैंड पर कुछ बड़ा करने जा रहे हैं, चाहे उन्हें यह पसंद आए या नहीं। हम चाहते हैं कि चीजें शांतिपूर्ण और आसान तरीके से हल हों, लेकिन अगर ऐसा नहीं हुआ, तो हम कठिन रास्ता अपनाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

ज्ञात हो कि ग्रीनलैंड भौगोलिक दृष्टि से प्राकृतिक संसाधनों का खजाना है, विशेष रूप से दुर्लभ खनिज और तेल भंडार के मामले में यह क्षेत्र अत्यंत समृद्ध है। वर्तमान में यह डेनमार्क का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है, जहाँ लगभग 57,000 लोग निवास करते हैं। ट्रंप प्रशासन इस द्वीप के निवासियों को लुभाने के लिए कई तरह के प्रस्तावों पर विचार कर रहा है। इसमें ग्रीनलैंड के नागरिकों को प्रति व्यक्ति 10,000 से लेकर 1,00,000 डालर तक का नकद भुगतान करने की योजना भी शामिल है, ताकि वे डेनमार्क से अलग होकर अमेरिका के करीब आने का समर्थन करें। इसके अलावा, अमेरिका काम्पैक्ट आफ फ्री एसोसिएशन जैसे विकल्पों पर भी काम कर रहा है, जिसके तहत वह द्वीप को वित्तीय सहायता और सुरक्षा प्रदान करेगा और बदले में वहां अपनी सैन्य पहुंच सुनिश्चित करेगा। हालांकि, ट्रंप के इस रुख पर डेनमार्क ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। डेनमार्क के नेतृत्व ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि ग्रीनलैंड की क्षेत्रीय संप्रभुता पर कोई हमला होता है, तो उनके सैनिक सबसे पहले गोली चलाएंगे और सवाल बाद में पूछेंगे। यूरोपीय संघ के नेताओं ने भी एक साझा बयान जारी कर कहा है कि ग्रीनलैंड की किस्मत का फैसला केवल वहां के लोग और डेनमार्क ही कर सकते हैं। यह विवाद अब नाटो गठबंधन के भीतर भी एक बड़ी दरार पैदा कर सकता है, क्योंकि डेनमार्क खुद नाटो का एक सक्रिय सदस्य है। विशेषज्ञों का कहना है कि यद्यपि रूस और चीन आर्कटिक में अपनी गतिविधियां बढ़ा रहे हैं, लेकिन ग्रीनलैंड पर फिलहाल कोई प्रत्यक्ष सैन्य खतरा नहीं है। इसके बावजूद, ट्रंप का यह बयान अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में एक नया उबाल ले आया है। जहां अमेरिका इसे अपनी सुरक्षा के लिए अनिवार्य बता रहा है, वहीं दुनिया के अन्य देश इसे एक संप्रभु राष्ट्र की अखंडता में हस्तक्षेप के रूप में देख रहे हैं। आने वाले दिनों में यह मुद्दा वैश्विक मंचों पर और अधिक गरमा सकता है।

MINI SOO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 11 जनवरी, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-11

सुचित्रा-मेडचल एनएच-44

फ्लाईओवरों का निर्माण लटका

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नेशनल हाईवे-44 पर बन रहे फ्लाईओवरों को पूरा करने की समय-सीमा को तीसरी बार आगे बढ़ा दिया गया है। अब इन परियोजनाओं को जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। लगातार टल रही डेडलाइन से एनएच-44 पर यातायात की स्थिति और भी ज़्यादा खराब हो गई है। संशोधित समय-सारिणी के बावजूद काम धीमी रफ्तार से चल रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत डेरी फार्म, सुचित्रा, कोमपल्ली और मेडचल पर ट्रैफिक कंजेशन घटाने के लिए प्रस्तावित 6-लेन फ्लाईओवरों का निर्माण अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था और मूलतः जून 2024 तक पूरा होना था। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने ताज़ा अधिसूचना में तीसरी बार डेडलाइन बढ़ाने की बात कही है।

शुभ लाभ
ऐ भाई जरा देख के चलो..
नागरिकों की सिकंदराबाद-मेडचल रोड पर गड्ढों को चिट्ठी
IMPACT

पी. नागेश्वर राव, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई कामारेड्डी परियोजना इकाई ने बताया, धन की कमी, वर्कफोर्स की कमी और भारी बारिश के कारण काम सुस्त रफ्तार से चला। अब फिर काम शुरू हो गया है। 70 पिलर तैयार हो चुके हैं, शेष डेक स्लैब का काम जल्द शुरू होगा। आसपास के कालोनियों की रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) ने चार साल से ज़्यादा समय से अटके 6-लेन फ्लाईओवर

▶10पर

चलो सिकंदराबाद

आज बैठक, 17 को रैली, जनता ने कमर कसी

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सिकंदराबाद वासियों ने अलग नगर निगम और पृथक जिले की अपनी वर्षों पुरानी माँग को लेकर न केवल विशाल आंदोलन की रूप रेखा तैयार कर ली है, अपितु सभी व्यापारिक संगठनों, नागरिक संघों व राजनीतिक दलों को एक झंडे तले लाकर सरकार की मंशा/साजिश को बेनकाब करने की भी ठान ली है।

तेलंगाना सरकार के विस्तारित ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (GHMC) से नये नगर निगमों के गठन पर विचार करने के साथ ही, सिकंदराबाद की एक लंबे समय से चली आ रही माँग अब एक संगठित राजनीतिक अभियान में तब्दील हो गई है।

संकेत मिल रहे हैं कि सिकंदराबाद और आसपास के क्षेत्रों को प्रस्तावित मलकाजगिरी नगर निगम में मिलाया जा सकता है, जिसके खिलाफ राजनीतिक दलों, व्यापारिक संगठनों और नागरिक संस्थाओं ने एक साथ आकर एक स्वतंत्र सिकंदराबाद नगर निगम की माँग की है। उनका कहना है कि कोई भी अन्य कदम सिकंदराबाद की पहचान को मिटा देगा और नागरिक उपेक्षा को और बढ़ा देगा।

नेताओं का तर्क है कि सिकंदराबाद को मलकाजगिरी में मिलाने से 220 साल से अधिक पुराने इस शहर की पहचान खत्म हो जाएगी और लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए और दूर जाना पड़ेगा। उनका आरोप है कि ज़्ज़्च्उ के फंड का एक बड़ा हिस्सा पश्चिमी हैदराबाद की ओर मोड़ दिया गया है, जिससे सिकंदराबाद उपेक्षित रह गया है।

नागरिक आंदोलन को गति

इस माँग को गति देने के लिए सिकंदराबाद के नेताओं ने व्यापारी संगठनों और रिहायशी समूहों को एकजुट करना शुरू कर दिया है, जिससे यह मुद्दा एक बड़े नागरिक आंदोलन में तब्दील हो गया है। सिकंदराबाद कपड़ा व्यापारी संघ के अध्यक्ष प्रकाश अम्मानबोलू ने कहा, सिकंदराबाद 1956 तक एक अलग नगर निगम था, बाद में इसे हैदराबाद नगर निगम में मिला दिया गया। हम सरकार से माँग कर रहे हैं कि सिकंदराबाद को सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड क्षेत्र को भी मिलाकर एक अलग नगर निगम का दर्जा दिया जाए।

शुक्रवार को इस मुद्दे ने राजनीतिक रूप ले लिया जब सनतनगर के बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने लगभग 20 संगठनों के नेताओं के साथ एक बैठक की। उन्होंने आरोप लगाया कि वार्ड सीमांकन बिना किसी सलाह के ज़्ज़्च्उ अधिकारियों ने अपने कार्यालयों से तैयार कर लिया। उन्होंने कहा कि अगर सिकंदराबाद को मलकाजगिरी में मिला दिया गया तो इसकी पहचान खत्म हो जाएगी

17 जनवरी को विशाल रैली

तलसानी ने कहा, हम लोकतांत्रिक तरीके से चरणबद्ध कार्यक्रम करेंगे। 11 जनवरी को ले पैलेस रॉयल गार्डन में

शुभ लाभ
हमारा सिकंदराबाद
तलसानी ने की अलग मेयर की माँग
IMPACT

सभी राजनीतिक दलों, संगठनों और जातीय संगठनों की बैठक होगी, ताकि आगे की रणनीति तय की जा सके। 17 जनवरी को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से एमजी रोड पर स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा तक लगभग 10,000 लोगों की रैली निकाली जाएगी।

इस बैठक में पॉट मार्केट मारवाड़ी संघ, मोंडा मार्केट रिटेल वेजिटेबल एसोसिएशन, सिकंदराबाद कपड़ा व्यापारी संघ, बंगाली समाज, पेपर मर्चेंट्स एसोसिएशन, नायी ब्राह्मण संघ, रिकग्नाइज्ड स्कूल्स एसोसिएशन, स्वप्न लोक एसोसिएशन, सुभाष रोड रिटेल क्लाथ्स असोसिएशन, पॉट मार्केट गोल्ड एंड सिल्वर टेस्टिंग एसोसिएशन, आईडीएच कॉलोनी शॉपिंग कॉम्प्लेक्स एसोसिएशन और बोयनपल्ली वेजिटेबल एसोसिएशन जैसे संगठन शामिल हुए। साथ ही नायी ब्राह्मण, विश्वकर्मा, मेरू संगम और यादव संघ जैसे जातीय संगठन भी मौजूद थे। बीआरएस विधायक टी. पद्मा राव और मुथा गोपाल भी शामिल हुए।

कांग्रेस नेताओं ने इस माँग को पिछली सरकारों द्वारा अनदेखा किए जाने वाला मुद्दा बताया है। सिकंदराबाद कांग्रेस नेता नागुलूरी कृष्णा कुमार ने कहा कि उन्होंने 2015 में ही अलग नगर निगम और जिले की माँग उठाई थी, लेकिन तत्कालीन बीआरएस सरकार ने इसे अनदेखा कर दिया। उन्होंने कहा, हमें जानकारी मिली है कि विस्तारित GHMC को चार निगमों में

▶10पर

माहेश्वरी महाकुंभ में अमित शाह ने सराहा समाज का योगदान

घर माई मारवाड़ी बोलजो

जोधपुर, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को जोधपुर के पॉलिटेक्निक कॉलेज मैदान में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन और एक्सपो-2026 (माहेश्वरी महाकुंभ) में शामिल हुए और जनसभा को संबोधित किया। इसको लेकर माहेश्वरी समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत माहेश्वरी समाज की तारीफ और उसके गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए की।

माहेश्वरी समाज ने हर जगह एक मिसाल कायम की

अमित शाह ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने हमेशा देश के हर क्षेत्र में अपना योगदान दिया है। चाहे वह देश और विदेश में फैले माहेश्वरी रत्न हों, बड़े पदों पर पहुंचे लोगों की उपलब्धियां हों या अपने मूल समाज से जुड़े रहकर देश सेवा करना हो, माहेश्वरी समाज ने हर जगह एक मिसाल कायम की है। शाह ने कहा कि मुगलों और अंग्रेजों के समय में माहेश्वरी समाज ने हर बार देश और स्वतंत्रता के लिए योगदान दिया।

स्वतंत्रता संग्राम में माहेश्वरी समाज ने पूरी आर्थिक मदद की

स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी के अभियान के लिए भी माहेश्वरी समाज ने पूरी आर्थिक मदद की। आजादी के बाद देश को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाना था और उद्योग, व्यापार व टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। चाहे उत्पादन हो, ट्रेडिंग हो, मैन्युफैक्चरिंग हो या टेक्नोलॉजी, इस समाज ने हमेशा प्रगतिशीलता का परिचय दिया। शाह ने कहा कि मारवाड़ के लोग दुनिया के हर कोने में फैले हुए हैं। व्यवसाय और व्यापार के क्षेत्र में माहेश्वरी समाज ने देश और राजस्थान दोनों को पहचान दी। उन्होंने कहा कि समाज के आयोजन और महाकुंभ जैसी सभाएं भारत को मजबूत बनाने का काम करती हैं। जब हर समाज अपने गरीब और कमजोर सदस्यों की देखभाल खुद करता है, तो पूरा भारत आत्मनिर्भर और मजबूत बनता है। शाह ने जोर देते हुए कहा कि माहेश्वरी समाज ने कभी देश को विभाजित नहीं किया, बल्कि संगठन और शक्ति के माध्यम से समाज और देश की सेवा की है।

माहेश्वरी समाज के योगदान के सम्मान में डाक टिकट जारी

उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने माहेश्वरी समाज के योगदान के सम्मान में डाक टिकट भी जारी किया। यह समाज हमेशा सेवा, सहयोग और आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। आज के इस भव्य सम्मेलन में बिजनेस, बी2बी और बी2सी समझौते भी होंगे, जिससे देश के उत्पादन और आर्थिक क्षेत्र को फायदा मिलेगा।

शाह ने देश की आजादी की 75वीं वर्षगांठ का जिक्र करते हुए बताया कि युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम और देश की उपलब्धियों से परिचित कराना बेहद जरूरी है। शाह ने चार उद्देश्य बताए- युवाओं को 1857 से 1947 तक के स्वतंत्रता संग्राम से परिचित कराना, व्यापारियों में गर्व की भावना जगाना, देश की उपलब्धियों का ज्ञान फैलाना और 140 करोड़ भारतीयों के दिलों में भारत के विचारों को जागृत करना।

अपनी स्वभाषा और संस्कृति बच्चों में सिखाएं

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की आजादी की सदी के लिए संकल्प लिया है और 2047 में भारत दुनिया में हर क्षेत्र में सबसे बेहतर स्थिति में होगा। अमित शाह ने कहा कि 'अमृत काल' में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए तीन मुख्य चीजें जरूरी हैं। पहला, उत्पादन और उद्योग को बढ़ावा देना; दूसरा, स्वदेशी चीजों का उपयोग और उत्पादन करना और तीसरा, अपनी स्वभाषा और संस्कृति को बच्चों में सिखाना। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुएं ही आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में मदद करेंगी।

शाह ने कहा कि घर में अपने बच्चों के साथ मारवाड़ी और हिंदी में बात करनी चाहिए ताकि वे अपने इतिहास और संस्कृति से जुड़े रहें।

उन्होंने बताया कि 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने, तब भारत दुनिया की 11वीं अर्थव्यवस्था था और अब केवल 11 साल में चौथे नंबर पर पहुंच गया है। अगले साल की तैयारी के अनुसार भारत तीसरे नंबर पर भी पहुंच सकता है।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 25^0
न्यूनतम : 14^0

मोदी कैबिनेट में शामिल होंगी सुप्रिया सुले?

विजय वडेट्टीवार के बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल

मुंबई, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने शनिवार (10 जनवरी) को एक बयान देकर राज्य की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) द्वारा संयुक्त घोषणापत्र जारी करना इस बात का संकेत है कि दोनों गुट प्रभावी रूप से एक साथ आ गए हैं। वडेट्टीवार ने इस दौरान एनसीपी (शप) की नेता सुप्रिया सुले के केंद्र सरकार में संभावित रूप से शामिल होने की अटकलों का भी उल्लेख किया।

उन्होंने आरोप लगाया कि यह संभावित 'पुनर्मिलन' किसी वैचारिक सामंजस्य या पार्टी कार्यकर्ताओं की चिंता से प्रेरित नहीं, बल्कि सत्ता के आकर्षण का परिणाम प्रतीत होता है। वडेट्टीवार यह टिप्पणी महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और एनसीपी (शप) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले द्वारा पुणे नगर निगम चुनावों के लिए संयुक्त घोषणापत्र जारी किए जाने पर कर रहे थे। यह घटनाक्रम जुलाई 2023 में हुए पार्टी विभाजन के बाद दोनों गुटों के बीच बढ़ती नजदीकियों का संकेत माना जा रहा है। एनसीपी और एनसीपी (शप) के पुनर्मिलन को लेकर चल रही अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए वडेट्टीवार ने कहा कि असली सवाल यह है कि यह कदम विचारधारा और कार्यकर्ताओं के हित में उठाया गया है या केवल सत्ता की राजनीति के लिए। उन्होंने कहा कि यदि दोनों दलों के घोषणापत्र एक जैसे हैं, तो यह माना जा सकता है कि वे वास्तव में एकजुट हो चुके हैं।

वडेट्टीवार के अनुसार, राजनीतिक गलियारों में इस बात की व्यापक चर्चा है कि एनसीपी (शप) के नेता रोहित पवार को महाराष्ट्र मंत्रिमंडल में और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले को केंद्र सरकार के मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह चर्चा ही इस बात की ओर इशारा करती है कि राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं।

▶10पर

अल्मोंट-किड सिरप पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन (डीसीए) ने शनिवार को एक तत्काल सलाह जारी करते हुए अल्मोंट-किड सिरप के उपयोग को तुरंत रोकने की सलाह दी है। यह सिरप आमतौर पर बच्चों में एलर्जी, फीवर और अस्थमा के इलाज के लिए उपयोग किया जाता है। इस पर प्रतिबंध इसलिए लगाया गया है क्योंकि इसमें अत्यधिक विषैले पदार्थ एथिलीन ग्लाइकोल (ईजी) मिलाए जाने की पुष्टि हुई है। डीसीए की अधिसूचना में कहा गया है कि उन्हें केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), पूर्वी क्षेत्र, कोलकाता की ओर से एक प्रयोगशाला रिपोर्ट के आधार पर सतर्कता संदेश मिला है, जिसमें इस सिरप (LEVOCETIRIZINE DIHYDROCHLORIDE और MONTELUKAST SODIUM SYRUP) को मिलावटी घोषित किया गया है।

इस संदर्भ में, जनता को सख्त सलाह दी जाती है कि यदि उनके पास उपरोक्त सिरप है, तो वे इसका उपयोग तुरंत बंद करें और बिना देरी किए निकटतम ड्रग्स कंट्रोल प्राधिकरण को इसकी सूचना दें। डीसीए ने यह भी जोड़ा कि लोग इस संबंध में सीधे तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन को डीसीए तेलंगाना टोल-फ्री नंबर 1800-599-6969 पर भी सूचित कर सकते हैं।

कभी दो शब्द बोलने में भी कतराते थे ऋतिक रोशन, आज बॉलीवुड के हैं 'ग्रीक गॉड'

बॉलीवुड के 'ग्रीक गॉड' ऋतिक रोशन हिंदी सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाते हैं। डांस, एक्टिंग और दमदार लुक के चलते उन्होंने लाखों फैंस के दिलों पर राज किया है। लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि इस चमक-दमक के पीछे उनका एक लंबा संघर्ष छिपा है। ऋतिक बचपन में हकलाने की समस्या से जूझते थे। छोटे-छोटे शब्द बोलना उनके लिए इतना मुश्किल था कि वे अक्सर अपने आपको अकेले में बाथरूम या अलमारी में बंद कर लेते थे। लेकिन उन्होंने मेहनत और लगन से अपनी मुश्किलों को मात दी। ऋतिक रोशन का जन्म 10 जनवरी 1974 को मुंबई में हुआ था। वे एक फिल्मी परिवार से आते हैं। उनके पिता राकेश रोशन बॉलीवुड के मशहूर डायरेक्टर और निर्माता हैं, जबकि उनकी मां पिंकी रोशन गृहिणी हैं। उनके दादा रोशनलाल नागरथ संगीतकार थे और उनके चाचा राजेश रोशन भी संगीत में सक्रिय रहे। ऐसे परिवार में पैदा होने के बावजूद ऋतिक का बचपन आसान नहीं था।

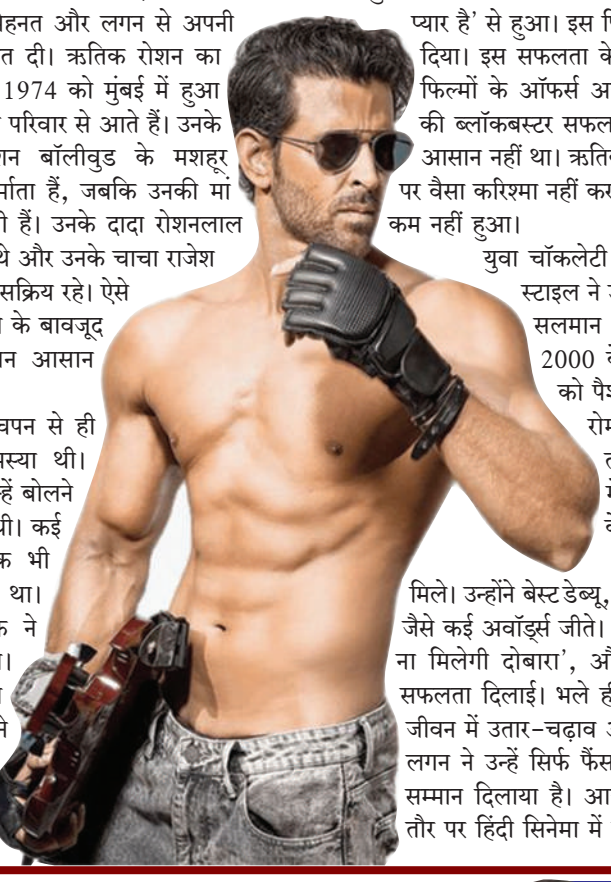

ऋतिक को बचपन से ही हकलाने की समस्या थी। स्कूल के समय उन्हें बोलने में मुश्किल होती थी। कई बार उनका मजाक भी बनाया जाता था। लेकिन ऋतिक ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी इस कमजोरी को दूर करने के लिए रोजाना अखबार पढ़ने की आदत डाली। हिंदी, अंग्रेजी और उर्दू अखबार पढ़कर उन्होंने धीरे-धीरे बोलने की क्षमता बढ़ाई। इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और वह हकलाने की बीमारी पर काबू पाने में सफल हुए।

ऋतिक ने 10 साल की उम्र में ही चाइल्ड एक्टर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। वे रजनीकांत की फिल्म 'भगवान दादा' में नजर आए। उस समय वे छोटे थे, लेकिन बड़े सितारों के साथ काम करने का अनुभव उन्हें सीखने का मौका देता रहा।

बॉलीवुड में ऋतिक का असली डेब्यू 2000 में फिल्म 'कहो ना... प्यार है' से हुआ। इस फिल्म ने उन्हें रातों रात स्टार बना दिया। इस सफलता के बाद ऋतिक के पास लगातार फिल्मों के ऑफर्स आने लगे। हालांकि पहली फिल्म की ब्लॉकबस्टर सफलता को बनाए रखना उनके लिए आसान नहीं था। ऋतिक की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर वैसा करिश्मा नहीं कर सकीं, लेकिन उनका क्रेज कभी कम नहीं हुआ।

युवा चॉकलेटी चेहरे, दमदार बॉडी, डांस और स्टाइल ने उन्हें यूथ आइकन बना दिया था। सलमान खान के बाद ऋतिक रोशन ने 2000 के दशक में युवाओं में फिटनेस को पैशन तक पहुंचा दिया था। उन्होंने रोमांटिक, एक्शन और ड्रामा, हर तरह के किरदार निभाए। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें दर्शकों के बीच अलग पहचान दिलाई।

ऋतिक को कई पुरस्कार भी मिले। उन्होंने बेस्ट डेब्यू, बेस्ट एक्टर, और बेस्ट डांसर जैसे कई अवॉर्ड्स जीते। उनकी 'धूम 2', 'कृष', 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा', और 'सुपर 30' जैसी फिल्मों ने सफलता दिलाई। भले ही ऋतिक के करियर और निजी जीवन में उतार-चढ़ाव आए, लेकिन उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में भी सम्मान दिलाया है। आज वे एक परिपक्व कलाकार के तौर पर हिंदी सिनेमा में स्थापित हो चुके हैं।

83वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स में प्रेजेंटर बनीं प्रियंका चोपड़ा

83 वें गोल्डन ग्लोब अवॉर्ड्स 2026 के लिए प्रेजेंटर्स की लिस्ट घोषित हो गई है। इसमें भारतीय ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनास का नाम भी शामिल है। प्रियंका चोपड़ा, हॉलीवुड अभिनेत्री जूलिया रॉबर्ट्स, अभिनेता जॉर्ज क्लूनी और मिला कुनिस के साथ स्टेज पर अवॉर्ड्स प्रेजेंट करेंगी। प्रियंका लंबे समय बाद इस प्रतिष्ठित मंच पर नजर आएंगी। प्रेजेंटर्स की इस स्टार-स्टडेड लिस्ट में कई बड़े नाम हैं। गोल्डन ग्लोब ने ऑफिशियल 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट कर शामिल होने वाले सितारों के बारे में जानकारी दी। इनमें आयो एडेबिरी, चार्ली, क्रिस पाइन, कोलमैन डोमिंगो, डकोटा फैनिंग, हेली स्टेनफेल्ड, अमांडा सेफ्राइड, मेलिसा मैककार्थी, माइली साइरस, ऑरलैंडो ब्लूम, स्नूप डॉग, वांडा साइक्स, जो कीरी, कीगन-माइकल की, क्वीन लतीफा और जॉन बेटमैन जैसे सितारे शामिल हैं।

इसके अलावा मैकॉले कल्किन, पामेला एंडरसन, ललिसा, ल्यूक ग्रिम्स, मार्लन वेन्स, मिन्नी ड्राइवर, रेजिना हॉल, सीन हेस, विल अर्नेट और जो क्राविट्ज भी अवॉर्ड्स पेश करेंगे।

इस भव्य समारोह की होस्टिंग एक बार फिर कमीडियन निक्की ग्लेजर करेंगी, जिन्हें पिछले साल दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इवेंट डिक क्लार्क प्रोडक्शंस प्रोड्यूस करेगा। यह अवॉर्ड शो रविवार को शाम 5 बजे यानी भारत में सोमवार सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा। अमेरिका में इसे सीबीएस चैनल पर लाइव टेलीकास्ट किया जाएगा और पैरामाउंट प्लस पर स्ट्रीमिंग उपलब्ध होगी।

गोल्डन ग्लोब्स फिल्म और टेलीविजन की दुनिया के सबसे बड़े अवॉर्ड्स में से एक हैं। हालांकि, यह कोई पहली बार नहीं है जब प्रियंका चोपड़ा किसी अवॉर्ड शो को होस्ट या प्रेजेंट करने जा रही हैं। साल 2013 में उन्होंने फिल्मफेयर अवॉर्ड्स शो को होस्ट किया था, जिसमें उनके साथ अभिनेता शाहरुख खान भी मंच पर थे। इसके अलावा, प्रियंका अकादमी पुरस्कार समेत कई इवेंट की मेजबानी कर चुकी हैं।

नायरा बनर्जी ने बताया, कैसे एक वीडियो कॉल ने बदल दी उनकी फिल्मी दुनिया

अभिनेत्री नायरा बनर्जी अपनी आने वाली फिल्म 'वन टू चा चा चा' को लेकर काफी चर्चाओं में है। यह फिल्म कॉमेडी, अफरातफरी और किरदारों से भरपूर मनोरंजन का जबरदस्त पैकेज है। इस फिल्म में अभिनेता आशुतोष राणा लीड रोल में हैं। नायरा बनर्जी ने अपनी फिल्म, अनुभव और अभिनय सफर के बारे में खुलकर बात की। आईएएनएस से बात करते हुए नायरा बनर्जी ने कहा, फिल्म की कहानी सुनते ही मैंने तुरंत इसका हिस्सा बनने की ठान ली थी। निर्देशक और लेखक अभिषेक ने मुझे वीडियो कॉल के जरिए पूरी कहानी सुनाई। उस समय मैं दुबई में थी, उन्होंने करीब दो घंटे तक कहानी इतनी ऊर्जा, भाव और उत्साह के साथ सुनाई कि मेरे होश उड़ गए। मुझे कहानी की हर बारीकी और भावना को समझाया। उसी वक्त मैंने तय कर लिया कि मुझे यह फिल्म करनी है। फिल्म के कास्ट के बारे में नायरा बनर्जी ने कहा, ''जब मैंने जानना चाहा कि कौन-कौन इसमें काम कर रहा है, तो मेरे लिए सबसे ज्यादा चौंकाने वाला नाम आशुतोष राणा था, जो 'चाचा' के रोल में थे। मैंने उन्हें हमेशा गंभीर और सशक्त किरदारों में देखा है; ऐसे में इस नई भूमिका में उन्हें देखना बिल्कुल नया और ताजगी भरा अनुभव लगा।'' उन्होंने कहा, ''मुकेश तिवारी, अभिमन्यु सिंह, आनंद जोशी, ललित प्रभाकर और हर्ष मायर जैसे अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना चुनौतीपूर्ण लेकिन सीखने वाला रहा। मेरे ज्यादातर सीन अभिमन्यु सिंह और आशुतोष राणा के साथ थे, जिनके सामने अपनी एक्टिंग बनाए रखना आसान नहीं था।''नायरा बनर्जी ने अपने किरदार की खासियत के बारे में बताते हुए कहा, ''शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे डांस करने का मौका मिला। मेरा डांस शेड्यूल कई दिनों तक चला। फिल्म का यह गाना 'इश्क ढिशूम' अब ट्रेंड कर रहा है और लोगों को बहुत पसंद आ रहा है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसका ऐसा जबरदस्त रिस्पॉन्स मिलेगा।''

भोजपुरी गाना कमर 28 रिलीज

आकांक्षा पुरी बोलीं- बेहद खास है लिरिक्स

अभिनेत्री और सिंगर आकांक्षा पुरी का लेटेस्ट भोजपुरी सिंगल 'कमर 28' गुरुवार को म्यूजिक लेबल टी-सीरीज के तहत रिलीज हो चुका है। इस गाने में आकांक्षा भोजपुरी सिंगर नीलकमल सिंह के साथ नजर आ रही हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। गाने को लेकर आकांक्षा बेहद उत्साहित हैं, जिसे जाहिर करते हुए उन्होंने बताया कि 'कमर 28' उनके लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा, यह गाना विशेष रूप से मुझे ध्यान में रखकर लिखा गया है। यही कारण है कि यह मेरे इतने करीब और बेहद खास है। लिरिक्स अपना सा और पर्सनल फील देते हैं। गाने की लिरिक्स धीरज बाबुआन ने लिखी है, जबकि म्यूजिक एडीआर आनंद का है। आकांक्षा और नीलकमल की जोड़ी हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। दर्शकों को उनकी केमिस्ट्री पसंद आ रही है। नीलकमल के साथ अपने रिश्ते पर आकांक्षा ने खुलकर बात की।

उन्होंने बताया, हमारे बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है और हम दोनों के बीच दोस्ती का खूबसूरत रिश्ता है। नीलकमल बहुत क्रिएटिव हैं और उनके साथ शूटिंग करना मजेदार लगता है। हम आउटफिट्स, हेयरस्टाइल से लेकर कलर थीम्स तक सब कुछ पहले से प्लान करते हैं, जिससे शूटिंग और भी रोमांचक हो जाती है। मुझे उनका इन्वॉल्वमेंट और डेडीकेशन बहुत पसंद है। उनके साथ काम करके उत्साहित हूं। 'कमर 28' के बाद आकांक्षा के अगले चार महीनों में चार और गाने रिलीज होने वाले हैं। आकांक्षा पुरी ने मुख्य रूप से म्यूजिक वीडियोज और गानों के जरिए भोजपुरी इंडस्ट्री में काफी लोकप्रियता हासिल की है। वह पवन सिंह के साथ 'तुझे ना देखूं तो चैन' जैसे गाने में नजर आ चुकी हैं। वहीं, खेसारी लाल यादव के साथ उनकी जोड़ी सुपरहिट रही है, खेसारी के साथ आकांक्षा 'लटक जईब', 'बदनाम तहरा से', 'सरसों के तेलवा', 'लोहा गरम' और 'अहिरान' में काम कर चुकी हैं। ये गाने लाखों व्यूज बटोर चुके हैं।वीडियो सॉन्ग के बाद आकांक्षा भोजपुरी फिल्मों में भी डेब्यू कर रही हैं। वह खेसारी लाल के साथ फिल्म 'अग्निपरीक्षा' में नजर आएंगी।

14 को दो शुभ संयोग में मनाई जाएगी मकर संक्रांति

हिंदू धर्म में मकर संक्रांति पर्व का विशेष महत्व है। जब सूर्य धनु राशि से निकलकर मकर राशि में प्रवेश करते हैं, तब मकर संक्रांति मनाई जाती है। नए साल का सबसे पहला पर्व मकर सक्रांति होता है। मकर संक्रांति हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि ग्रहों के राजा सूर्य 14 जनवरी को दोपहर में 3:13 मिनट पर मकर राशि में गोचर करेंगे। ऐसे में मकर संक्रांति 14 जनवरी 2026 को मनाई जाएगी। इस दिन महापुण्य काल दोपहर 3:13 मिनट से शाम 4:58 मिनट तक रहेगा। मकर संक्रांति का महा पुण्य काल 1 घंटा 45 मिनट का होगा। भारत के अलग-अलग राज्यों में मकर संक्रांति को विभिन्न नामों से जाना जाता है। मकर संक्रांति को गुजरात में उत्तरायण, पूर्वी उत्तर प्रदेश में खिचड़ी और दक्षिण भारत में इस दिन को पोंगल के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति का पर्व सूर्य के राशि परिवर्तन के मौके पर मनाया जाता है। धनुर्मास की संक्रांति समाप्त होते ही मकर राशि में सूर्य प्रवेश करते हैं, अलग-अलग प्रकारों से शास्त्रीय महत्व वाले दान पुण्य का अनुक्रम आरंभ हो जाता है।

मकर संक्रांति महापर्व काल के दौरान चावल, मूंग की दाल, काली तिल्ली, गुड, ताम्र कलश, स्वर्ण का दाना, ऊनी वस्त्र आदि का दान करने से सूर्य की अनुकूलता पितरों की कृपा भगवान नारायण की कृपा साथ ही महालक्ष्मी की प्रसन्नता देने वाला सुकर्मा योग भी सहयोग करेगा, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि इन योगों में संबंधित वस्तुओं का दान पितरों को तृप्त करता है जन्म कुंडली के नकारात्मक प्रभाव को भी दूर करता है और धन-धान्य की वृद्धि करता है।

शुभ संयोग

संक्रांति के दिन दो शुभ योग बनने वाले हैं। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग सुबह 07:15 बजे से शुरू होगा, जो अगले दिन तड़के 03:03 बजे तक रहेगा। वहीं, अमृत सिद्धि योग भी सुबह 07:15 बजे से 15 जनवरी को सुबह 03:03 बजे तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग में किया गया स्नान और दान पुण्य फलदायी होगा।

मकर संक्रांति शुभ मुहूर्त

मकर संक्रांति का पुण्य काल 2 घंटे 32 मिनट तक रहेगा। उस दिन पुण्य काल दोपहर में 3:13 मिनट पर शुरू होगा और शाम को 5:45 मिनट तक मान्य होगा। मकर संक्रांति के दिन स्नान और दान का बहुत महत्व माना जाता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त प्रात:काल में 05:27 बजे से 06:21 बजे तक है। मकर संक्रांति पर महा पुण्य काल में स्नान करना शुभ माना जाता है।

माता गायत्री की आराधना

मकर संक्रांति को तिल संक्रांति के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन का सनातन धर्म में विशेष महत्व है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण हो जाते हैं और देवताओं का प्रात:काल भी शुरू होता है। सत्यव्रत भीष्म ने भी बाणों की शैय्या पर रहकर मृत्यु के लिए मकर संक्रांति की प्रतीक्षा की थी। मान्यता है कि उत्तरायण सूर्य में मृत्यु होने के बाद मोक्ष मिलने की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इसी दिन से प्रयाग में कल्पवास भी शुरू होता है। धर्म ग्रंथों में माता गायत्री की उपासना के लिए इससे अच्छा और कोई समय नहीं बताया है।

दान करने से शुभ फल की प्राप्ति

तिल, गुड़ और कपड़ों का दान करने से अशुभ ग्रहों का बुरा असर कम होगा। गरीब और असहाय लोगों को गर्म कपड़े का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इस माह में लाल और पीले रंग के वस्त्र धारण करने से भाग्य में वृद्धि होती है। माह के रविवार के दिन तांबे के बर्तन में जल भर कर उसमें गुड़, लाल चंदन से सूर्य को अर्ध्य देने से पद सम्मान में वृद्धि होने के साथ शरीर में सकारात्मक शक्तियों का विकास होता है। साथ ही आध्यात्मिक शक्तियों का भी विकास होता है।

सूर्य की आराधना मंगलकारी

हिंदू पंचांग के अनुसार हर माह का अपना महत्व रहा है। पौष माह हिंदू पंचांग के अनुसार 10वां महीना होता है। इसी माह में मकर संक्रांति का पर्व भी मनाया जाता है। ज्योतिष के अनुसार पौष मास की पूर्णिमा पर चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में रहता है जिसके कारण ठंड अधिक बढ़ने के साथ इस मास को पौष अर्थात पूस माह भी कहा जाता है। यही माह भगवान सूर्य और विष्णु की उपासना के लिए श्रेयकर होता है। पौष माह में भगवान सूर्य की उपासना करने से आयु व ओज में वृद्धि होने के साथ स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। सूर्य की उपासना का महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

मोक्ष और बैकुंठ की प्राप्ति

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, जो व्यक्ति सूर्य के उत्तरायण होने पर अपने शरीर का त्याग करता है, उसे जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति मिल जाती है और वह सीधे 'बैकुंठ धाम' को प्राप्त होता है। भीष्म पितामह जानते थे कि दक्षिणायन में देह त्यागने से जीव को पुनर्जन्म लेना पड़ सकता है। इसीलिए, पूर्ण मोक्ष की प्राप्ति और आध्यात्मिक शुद्धि के उद्देश्य से उन्होंने सूर्य के देवलोक (उत्तर दिशा) की ओर उन्मुख होने तक प्रतीक्षा की।

सूर्य के उत्तरायण का महत्व

हिंदू शास्त्रों के अनुसार, एक वर्ष को दो प्रमुख भागों में विभाजित किया गया है: उत्तरायण और दक्षिणायन। मकर संक्रांति के दिन जब सूर्य धनु राशि का त्याग कर मकर राशि में प्रवेश करता है, तो इसे सूर्य का उत्तरायण होना कहा जाता है। धार्मिक दृष्टिकोण से सूर्य का उत्तरायण काल 'देवताओं का दिन' माना जाता है, जबकि दक्षिणायन को 'देवताओं की रात्रि' कहा जाता है।

मकर संक्रांति से एक दिन पहले कम हो जाता है कुंड का पानी

रहस्यों से भरा है मंदार पर्वत पर मौजूद मधुसूदन मंदिर

हिंदू धर्म में मंदार पर्वत का जिक्र बार-बार हुआ है। माना जाता है कि यही भगवान विष्णु का विश्राम स्थल रहा और यहीं पर समुद्र मंथन हुआ था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ये पर्वत कहां है और समुद्र मंथन के बाद मंदार पर्वत का क्या हुआ था? बिहार के बांका में आज भी वो मंदार पर्वत मौजूद है, जिसका इस्तेमाल समुद्र मंथन के दौरान किया गया था। उस मंथन में अमृत के साथ विष भी निकला था। भागलपुर शहर से 50 किलोमीटर दूर स्थित 800 फीट ऊंची ग्रेनाइट की पहाड़ी, मंदार पर्वत, एक मनोरम दृश्य प्रस्तुत करती है और इसका संबंध अमृत मंथन की पौराणिक कथा से है। किंवदंती के अनुसार, देवताओं ने इस पहाड़ी का उपयोग अमृत प्राप्त करने के लिए समुद्र मंथन करने में किया था। पौराणिक कथाओं में देवताओं द्वारा किए गए समुद्र मंथन के दौरान जिन-जिन बातों का जिक्र हुआ था, उसका रहस्य और साक्ष्य आज भी मौजूद हैं।

पर्वत पर 10 मीटर से ज्यादा लंबे और मोटी रेखा के निशान है, जिन्हें वासुकी नाग का चिन्ह माना जाता है। मंथन के दौरान वासुकी नाग को मंदार पर्वत से लपेट कर मंथन किया गया था और उसके निशान आज भी मौजूद हैं। इसी पहाड़ी पर भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित मधुसूदन नाम का मंदिर भी मौजूद है, जो बहुत पुराना है। मंदिर के गर्भगृह में श्रीकृष्ण की काले पत्थर से बनी छोटी सी प्रतिमा स्थापित है। माना जाता है कि मधु नामक राक्षस का वध करने के बाद भगवान श्रीकृष्ण मंदार पर्वत पर विश्राम करने के लिए रुके थे, जिसके बाद इस मंदिर की स्थापना की गई।

मकर संक्रांति के मौके पर मंदिर में भव्य मेले का आयोजन होता है, जहां लाखों की संख्या में भक्त पहुंचते हैं। प्रशासन खुद भव्य मेले की व्यवस्था करता है और सुरक्षा से लेकर रंग-रोगन का कार्य करवाता है। मकर संक्रांति के दिन मंदिर के बाहर मौजूद पापहरणी कुंड में भक्त स्नान भी करते हैं। इस कुंड की खास बात ये है कि मकर संक्रांति से एक रात पहले इसमें पानी का स्तर बहुत कम हो जाता है और कुंड में मौजूद शंख दिखने लगता है, लेकिन अगले ही दिन पानी का स्तर बढ़ जाता है। ये नजारा साल में सिर्फ एक बार मकर संक्रांति पर ही देखने को मिलता है।

मधुसूदन मंदिर में हर साल भगवान मधुसूदन की रथ यात्रा निकाली जाती है, जिसमें भगवान श्री कृष्ण के लिए रथ तैयार किया जाता है। रथ खींचने के लिए उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक भक्तों को मंदार पर्वत पर स्थित पर देखा जाता है।

हजार स्तभों वाले मंदिर में एक छत के नीचे मौजूद हैं भगवान विष्णु, शिव और सूर्य

देश के अलग-अलग राज्यों में रहस्य और भक्ति से भरे कई मंदिर हैं, जहां भक्त अपने आराध्य के लिए मीलों चलकर आते हैं और उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। भगवान शिव और भगवान विष्णु को दक्षिण भारत में सबसे ज्यादा पूजा जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक मंदिर ऐसा है, जहां भगवान शिव और भगवान विष्णु के साथ एक ही गर्भगृह में भगवान सूर्य भी विराजमान हैं? मकर संक्रांति (पोंगल) के मौके पर भक्त तीनों देवों के दर्शन के लिए आते हैं। तेलंगाना राज्य के हनमकोंडा में हजार स्तभों वाला मंदिर मौजूद है, जिसे रुद्रेश्वर स्वामी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर को हजार स्तभों वाला मंदिर इसलिए कहा जाता है क्योंकि मंदिर स्तभों पर ही टिका है और मंदिर को सपोर्ट देने के लिए कोई दीवार नहीं है। मंदिर की बनावट ऐसी है कि कुछ स्तभों को सीधे तौर पर देखा जा सकता है, लेकिन कुछ स्तंभ एक दूसरे से

इस कदर चिपके हुए हैं कि उन्होंने लंबी दीवार का रूप ले लिया है। मंदिर की हालत बहुत जर्जर थी, लेकिन सरकार के अधीन आते ही मंदिर की मरम्मत का काम जारी है और अब मंदिर को भक्तों के लिए खोल दिया गया है।

स्टार शेप की वास्तुकला में निर्मित, हजार स्तंभ मंदिर एक लोकप्रिय तीर्थस्थल है जहां लगभग हर दिन 1000 से अधिक श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। मंदिर में काले बेसाल्ट पत्थर से बनी एक विशाल नंदी प्रतिमा भी है। मंदिर में स्थित तीनों गर्भगृहों को सामूहिक रूप से त्रिकूटलयम के नाम से जाना जाता है। गर्भगृह में भगवान शिव और भगवान विष्णु के साथ भगवान सूर्य भी विराजमान हैं। ये देश का पहला मंदिर है, जहां ब्रह्मांड को चलाने वाली तीन बड़ी शक्तियों को एक ही छत के नीचे देखा गया है।

भगवान सूर्य की प्रतिमा होने की वजह से मकर संक्रांति (पोंगल) पर भक्त सूर्य देव का आशीर्वाद लेने आते हैं। मंदिर में मकर संक्रांति (पोंगल) के अलावा, महा शिवरात्रि, कुंकुमा पूजा, कार्तिक पूर्णिमा, उगादी, नागुला चविती, गणेश चतुर्थी, बोनालु महोत्सव और बथुकम्मा महोत्सव भी धूमधाम से सेलिब्रेट किए जाते हैं।

12वीं शताब्दी में मंदिर का निर्माण रुद्र देव ने किया था। मंदिर में रुद्र देव के गृह देवता की प्रतिमा भी मौजूद है, जिसकी वजह से मंदिर को रुद्रेश्वर स्वामी मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर चालुक्य मंदिरों की स्थापत्य शैली में निर्मित है। मंदिर के प्रांगण में मौजूद हाथी और विशाल नंदी महाराज की प्रतिमा को विशाल बेसाल्ट पत्थर से जाकर बनाया गया है। प्रतिमा पर बारीक नक्काशी भी देखने को मिलती है, जो नंदी महाराज की शोभा को बढ़ाती है।

जानिए आज का शुभ मुहूर्त, राहुकाल और विशेष योग

हर दिन नई तिथि और मुहूर्त के साथ आता है और हिंदू सनातन धर्म में मुहूर्त और विशेष तिथि का बहुत महत्व है। बिना तिथि और शुभ मुहूर्त के कोई नया कार्य नहीं किया जाता। 11 जनवरी का दिन शुभ रहने वाला है क्योंकि 11 जनवरी, वार रविवार को भद्रा का साया नहीं रहेगा, लेकिन कुछ समय के लिए राहुकाल रहेगा। तिथि की बात करें तो 11 जनवरी के दिन सुबह 10 बजकर 20 मिनट तक अष्टमी रहेगी, उसके बाद नवमी लग जाएगी। तो चलिए 11 जनवरी के शुभ और अशुभ मुहूर्त के बारे में विस्तार से जानते हैं। शुभ मुहूर्त की बात करें तो अभिजित मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 8 मिनट से लेकर 12 बजकर 50 मिनट तक रहेगा। गोधूलि मुहूर्त शाम 5 बजकर 50 मिनट से लेकर 6 बजकर 8 मिनट तक रहेगा। अमृत काल मुहूर्त सुबह 11 बजकर 8 मिनट से लेकर दोपहर 12 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। 11 जनवरी को विजय मुहूर्त नहीं लगने वाला है, जबकि ब्रह्म मुहूर्त सुबह 5 बजकर 27 मिनट से लेकर 6 बजकर 21 मिनट तक रहेगा।

अशुभ मुहूर्त की बात करें तो राहुकाल शाम 4 बजकर 24 मिनट से लेकर 5 बजकर 43 मिनट तक रहेगा। गुलिक काल दोपहर 3 बजकर 6 मिनट से लेकर 4 बजकर 24 मिनट तक रहेगा, जबकि यमगण्ड काल दोपहर 12 बजकर 29 मिनट से लेकर 1 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। दुर्मुहूर्त शाम 4 बजकर 19 मिनट से लेकर 5 बजकर 1 मिनट तक रहेगा। आडल योग 11 जनवरी को दिन में 2 बार लगने वाला है। पहला मुहूर्त सुबह 7 बजकर 15 मिनट से लेकर 8 बजकर 42 मिनट तक रहेगा, जबकि दूसरा मुहूर्त शाम 6 बजकर 12 मिनट से लेकर सुबह 7 बजकर 15 मिनट (जनवरी 12) तक रहेगा।

बात अगर रविवार की करें तो सूर्योदय सुबह 7 बजकर 15 मिनट पर होगा, जबकि सूर्यास्त शाम 5 बजकर 43 मिनट पर होगा, जबकि चन्द्रोदय सुबह 1 बजकर 48 मिनट (12 जनवरी) पर होगा और अगले दिन दोपहर 12 बजकर 4 मिनट तक रहेगा। रविवार के दिन दिशाशूल पश्चिम दिशा में रहेगा। 11 जनवरी को कोई मासिक त्योहार नहीं है।

चंद्रमा-गुरु बना रहें नवम पंचम राजयोग, इन राशियों को सफलता के साथ करियर में मिलेगा ऊंचा पद

आज यानी 11 जनवरी, रविवार के दिन चंद्रमा और गुरु का नवम पंचम योग बन रहा है। इस दौरान चंद्रमा तुला में और गुरु धनु में होकर एक दूसरे से नवम पंचम होंगे। वैदिक ज्योतिष में इसे अत्यंत शुभ राजयोग माना जाता है। इस योग से करियर में बड़ी सफलता मिलती है, धन लाभ के अवसर प्राप्त होते हैं और मान-सम्मान बढ़ता है। इसके शुभ प्रभाव से मेष, सिंह और मकर सहित कई राशियों को आर्थिक लाभ, व्यापार में तरक्की और नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है।

मेष राशि –कार्यक्षेत्र में आपके पक्ष में कुछ परिवर्तन हो सकते हैं। इससे व्यथित होकर साथियों का मूड कुछ खराब हो सकता है। आज का दिन परोपकार में व्यतीत होगा। किन्तु आप अपने सद्व्यवहार से माहौल को सामान्य बनाने में कामयाब रहेंगे। रात्रि में प्रियजन के स्वास्थ्य खराब होने के कारण कुछ परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

वृष राशि –आज का दिन पारिवारिक जनों के साथ सुखद बीतेगा। भाग्यवश दोपहर तक हर्षवर्धक शुभ समाचार भी मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। सायंकाल के समय चिर प्रतीक्षित अतिथि के आगमन का हर्ष हो सकता है। रात्रि में किसी मांगलिक कार्य में सम्मिलित होने से आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन राशि –पिता के आशीर्वाद तथा उच्चाधिकारियों की कृपा से किसी बहुमूल्य वस्तु अथवा संपत्ति की प्राप्ति की अभिलाषा आज पूरी होगी। व्यस्तता अधिक रहेगी, व्यर्थ व्यय से बचें। सायंकाल से लेकर रात्रिपर्यन्त शीघ्रगामी वाहनों के प्रयोग से सावधानी बरतें। प्रिय एवं महान पुरुषों के दर्शन से मनोबल बढ़ेगा। पत्नी पक्ष से भी वांछित सिद्धि हो सकती है।

कर्क राशि –राशि स्वामी की उत्तम स्थिति एवं राशि पर बृहस्पति का द्वादश होकर परिभ्रमण अकस्मात बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष की स्थिति को सुदृढ़ करेगा। व्यावसायिक योजनाओं को गति मिलेगी। राज्य मान प्रतिष्ठा की वृद्धि होगी। शीघ्रता व भावुकता में लिया गया निर्णय आगे चलकर पश्चाताप का कारण बन सकता है। सायंकाल से देर रात तक देव दर्शन का लाभ लें।

सिंह राशि –राजनीतिक क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के प्रति दायित्व पूर्ति भी होगी। प्रतिस्पर्धा के क्षेत्र में आगे बढ़ेंगे, रुका हुआ कार्य भी सम्पन्न होगा। पाचन क्रिया मंद तथा नेत्र विकार संभव है। सायंकाल से लेकर रात्रि का समय प्रियजनों के दर्शन हास्य परिहास में व्यतीत होगा। खानपान का

विशेष ध्यान नियंत्रण रखें।

कन्या राशि –आज कर्मोद्योग में तत्परता से लाभ होगा। स्वजनों से सुख, पारिवारिक मंगल कार्यों की खुशी होगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा। विपरीत परिस्थिति उत्पन्न होने पर क्रोध पर काबू रखें। घर गृहस्थ की समस्या सुलझ जायेगी। राजकीय मदद भी मिलेगी। सूर्यास्त के समय अचानक लाभ होने के योग हैं।

तुला राशि –आज शिक्षा व प्रतियोगिता के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि के योग हैं। आय के नए स्रोत बनेंगे और वाक्पटुता आपको विशेष सम्मान दिलाएगी। भागदौड़ विशेष रहने के कारण मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सावधान रहें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य पर्याप्त मात्रा में मिलेगा। यात्रा, देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद रहेगी।

वृश्चिक राशि –आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत होकर धन, सम्मान, यश, कीर्ति की वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सिद्ध होगा-प्रियजनों से भेंट होगी। वाणी पर संयम न रखने से विपरीत परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। सायंकाल प्रियजनों से भेंट एवं रात्रि में सैर सपाटे मौज मस्ती का अवसर प्राप्त होगा।

धनु राशि –आज गृहोपयोगी वस्तुओं पर धन का खर्चा होगा। सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि होगी। अधीनस्थ कर्मचारी या किसी सम्बन्धी के कारण तनाव बढ़ सकता है। रुपये पैसे के लेन-देन में सावधानी बरतें, धन फंस सकता है। दिन में राज्य कार्य कोर्ट कचहरी के चक्कर काटने पड़ सकते हैं जिसमें अन्ततः आपकी विजय हो जाएगी। आपके विरूद्ध षड़यंत्र विफल हो जाएंगे।

मकर राशि –आज व्यावसायिक क्षेत्र में मन के अनुकूल लाभ होने का हर्ष होगा। आर्थिक स्थिति अधिक सुदृढ़ होगी। व्यवसाय परिवर्तन की योजना बन रही है। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता और पारिवारिक उत्तरदायित्व पूर्ण होंगे। सायंकाल में धार्मिक स्थानों की यात्रा का प्रसंग प्रबल होकर स्थगित होगा। वाहन प्रयोग में सावधानी बरतें, वाहन अकस्मात खराब हो जाने से खर्च बढ़ सकता है।

कुंभ राशि –राशि स्वामी शनि की द्वितीय स्थिति के कारण पत्नी को अकस्मात् शरीर कष्ट होने से भागदौड़ व अधिक खर्चे की स्थिति आ सकती है। किसी संपत्ति के क्रय विक्रय के समय उसके पूर्व संपत्ति के सारे वैधानिक पहलुओं पर गंभीरता से विचार कर लें। सायंकाल के समय पत्नी के स्वास्थ्य में सुधार हो जाएगा-पूर्ण स्वस्थ होने में समय लगेगा।

मीन राशि –वैवाहिक जीवन आनन्द दायक बीतेगा। आज पास व दूर की सकारणीय यात्रा भी हो सकती है। बिजनेस में बढ़ती प्रोग्रेस से काफी खुशी होगी। विद्यार्थियों को मानसिक बौद्धिक भार से छुटकारा मिलेगा। सायंकाल के समय घूमने फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। आपका दिमाग भी रिलेक्स होगा। माता-पिता की सलाह-आशीर्वाद उपयोगी सिद्ध होगी।

सेकुलरिज्म का ठेका चलाने वालों के मुँह पर चिपक गया फेविकोल : योगी

प्रयागराज,10 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को माघ मेले में आयोजित जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी के 726वें प्राकट्य महोत्सव में शिरकत की और अपने विचार रखे। गोरक्षपीठाधीश्वर और सीएम योगी ने सेकुलरिज्म के नाम पर ठेका चलाने वालों पर प्रहार करते हुए बांटने वालों से बचने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा कि जाति और मत-संप्रदाय के आधार पर विभाजन हमारे लिए उसी प्रकार से सर्वनाश का कारण बन जाएगा, जैसे आज बांग्लादेश के अंदर देख रहे हैं। वहां की घटना पर कोई बोल नहीं रहा है। सेकुलरिज्म के नाम पर ठेका लेकर चलने वालों की दुकानें हिंदू समाज और सनातन धर्म को तोड़ने की ताकत लगाती हैं, लेकिन बांग्लादेश की घटना पर उनके मुंह पर जैसे फेविकोल व टेप चिपक गया है। बांग्लादेश की घटना पर कोई कैंडल मार्च तक नहीं निकाला जा रहा। यह हमारे लिए चेतावनी भी है। सीएम योगी ने चेताया कि जो लोग आज भी समाज को बांट रहे हैं, वे कभी हितैषी नहीं होंगे। सत्ता में रहने पर यह लोग परिवार के बाहर नहीं सोच पाते थे। यह फिर तमाम नारे देंगे, लेकिन इन्हें जब भी मौका मिलेगा तो वही करेंगे, जो पहले किया था। पहचान का संकट, अराजकता, सनातन धर्म पर प्रहार और दंगों की आड़ में फिर हर व्यक्ति को झुलसाएंगे। हमें इसकी पुनरावृत्ति नहीं होने देनी चाहिए। डबल इंजन सरकार सनातन आस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए सदैव खड़ी है। बांटने, तोड़ने वाले और कमजोर करने वाले लोगों को कभी पनपने न दें। हम सभी इस संकल्प के साथ बढ़ेंगे तो आने वाला समय सनातन धर्म का है। जिस तरह राम मंदिर पर ध्वज लहरा रहा है, उसी तरह दुनिया के अंदर सनातन का झंडा फहराता रहेगा और तब, बांग्लादेश में कमजोर व दलित हिंदू को काटने का कोई दुस्साहस नहीं कर पाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज की पावन धरा को कभी महर्षि भारद्वाज, महर्षि वाल्मीकि व अन्य पूज्य ऋषियों व महर्षियों ने अपने तप व साधना से सनातन धर्म के केंद्र के रूप में विकसित किया था। त्रिवेणी की इस पावन धरा पर 726 वर्ष पूर्व भक्ति शिरोमणि भगवान रामानंदाचार्य प्रकट हुए थे।

प्रयागराज की पावन धरा, भगवान वेणी माधव की अपार कृपा से, भगवान अक्षयवट के सानिध्य में, त्रिवेणी का वह रूप जिसे हम मां गंगा, मां यमुना व मां सरस्वती के रूप में स्मरण करते हैं, देश-दुनिया से श्रद्धालु यहां आकर संगम में डुबकी लगाते हैं। यहां धर्म, न्याय और ज्ञान भी है। तीनों को लेकर देश भर के अलग-अलग जिज्ञासु इस पावन धरा पर उपस्थित होते हैं।सीएम योगी ने कहा कि सतुआ बाबा ने सबको जोड़ दिया। भगवान रामानंदाचार्य की पावन जयंती प्रयागराज में हो रही है। पौष पूर्णिमा इस वर्ष 3 जनवरी को पड़ गई, तो सभी इस आयोजन से जुड़ गए। सीएम ने सभी संतों का आह्वान किया कि आप बातचीत कीजिए। दारागंज में जिस परिवार-स्थल पर रामानंदाचार्य जी प्रकट हुए थे, वहां उनका स्मारक व मंदिर बने, सरकार उसमें सहयोग करेगी। रामानंदाचार्य जी महाराज ने बंटे समाज को जोड़ने का कार्य किया था। उनकी प्रेरणा को जीवन का मंत्र बनाएं।उन्होंने जगद्गुरु रामानंदाचार्य का जिक्र करते हुए कहा कि कोई अचानक महान नहीं बनता। महानता के लिए दिव्य गुणों को आत्मसात करने का सामर्थ्य, दृढ़ इच्छाशक्ति और दृष्टि भी होनी चाहिए। सामान्य मनुष्य केवल अपने व परिवार के लिए सोचता है, उसकी दुनिया परिवार तक सीमित रहती है, लेकिन ईश्वरीय गुणों से भरपूर महामानव की दृष्टि दिव्य, कल्याण व धर्म के प्रति जागरूक करने की होती है। उनके भाव स्वयं और स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि परमार्थ के लिए होते हैं। इस धराधाम पर यही कार्य जगद्गुरु रामानंदाचार्य भगवान ने किया था।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 726 वर्ष पूर्व कालखंड ऐसा था, जब आक्रमणकारी सनातन धर्म को रौंदना चाहते थे। विदेशी आक्रांताओं द्वारा समाज को तोड़ने, जाति के नाम पर बांटने, अनेक वादों के आधार पर सामाजिक ताने-बाने को छिन्न-भन्न करने की साजिश हो रही थी। उस समय मत-संप्रदायों को एकजुट करने का आह्वान रामानंदाचार्य जी ने किया था। उन्होंने कहा कि सभी जन ईश्वर के चरणों में शरणागत के सदैव अधिकारी हैं। मत-संप्रदाय के आधार पर मत बंटो। भगवान रामानंदाचार्य ने समाज को जोड़ने के लिए अलग अलग जातियों से द्वादश शिष्य (अनंताचार्य जी, कबीर दास जी, सदुरु रविदास जी, सदगुरु पीपा जी, सुरसुरानंद जी, सुखानंद जी, नरहर्यानंद जी, योगानंद जी, भावानंद जी, धन्ना जी, सैन जी व गैलवानंद जी महाराज) बनाए। रामानंद परंपरा से निकलीं अलग-अलग धाराएं आज भी समाज को जोड़ती हैं। इस मंच पर अनेक परंपरा के संतों की उपस्थिति सनातन धर्म की एकता का उद्घोष कर रही है। सीएम ने रविदासी संप्रदाय, कबीर दास समेत विभिन्न परंपराओं के संतों की उपासना भाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जगद्गुरु रामानंदाचार्य जी महाराज ने उपासना विधि (सगुण व निर्गुण) के शिष्य दिए। उन्होंने बंटे समाज को जोड़ने का उद्घोष किया था।

सीएम योगी ने कहा कि संत समाज को जोड़ने के लिए पूरी युक्ति करता है, जब संत समाज एक मंच पर जाकर उद्घोष करता है तो परिणाम भी आता है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण पूज्य संतों की साधना, एकता का परिणाम है, जिसे मूर्त रूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिया। 1952 में पहला आम चुनाव हुआ, तबसे देश ने कई प्रधानमंत्री देखे। सभी ने देश के विकास में योगदान दिया, लेकिन अयोध्या की मूल आत्मा को सम्मान मिलना चाहिए और फिर से रामलला विराजमान होने चाहिए, इस भाव को मूर्त रूप देकर मोदी जी ने भारत की परंपरा को गौरवान्वित किया। मोदी जी पहले पीएम हैं, जिन्होंने राम मंदिर का दर्शन किया।

राम मंदिर परिसर में नमाज पढ़ने की कोशिश : हिरासत में लिया गया संदिग्ध, पुलिस कर रही पूछताछ

अयोध्या,10 जनवरी (एजेंसियां)। राम जन्मभूमि परिसर में शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब संदिग्ध मंदिर परिसर में घुसकर नमाज पढ़ने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया । पुलिस उसे राम जन्मभूमि पुलिस स्टेशन ले जाकर पूछताछ कर रही है। संदिग्ध की पहचान अहमद शेख (50) के रूप में हुई। इसके साथ ही पुलिस ने अयोध्या के कई कश्मीरी शॉल विक्रेताओं को भी हिरासत में लिया है। एक शॉल विक्रेता का कहना है कि वह पिछले 6 साल से यहां शॉल बेचने के लिए आता है। वह अकेला नहीं है, बल्कि कई लोग हैं जो इस मौसम में शॉल बेचने के लिए आते हैं। पुलिस पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है। राम मंदिर परिसर के 15 किलोमीटर के दायरे में नॉन-वेज बेचने पर प्रतिबंध लगाया गया है। यह प्रतिबंध राम मंदिर के आसपास और पंचकोशी परिक्रमा मार्ग पर लगाया गया है। इस फैसले का अयोध्या के साधू-संतों के साथ नेताओं ने भी स्वागत किया है।

कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय ने भी अयोध्या राम मंदिर और पंचकोशी परिक्रमा मार्ग में नॉनवेज की बिक्री पर रोक को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, बिल्कुल रुकना चाहिए। जहां भी धार्मिक क्षेत्र हैं, वहां नॉनवेज बिक्री पर प्रतिबंध होना चाहिए।

देवेशाचार्य महाराज ने कहा, यह बहुत संतोष की बात है कि अयोध्या में अब नॉन-वेज खाने की बिक्री और डिलीवरी पर बैन लगा दिया गया है। हम कई वर्षों से ये मांग कर रहे थे। अयोध्या भगवान राम की नगरी और आध्यात्मिकता का केंद्र है, जहां दुनियाभर से भक्त आते हैं। अयोध्या प्रशासन ने शुक्रवार को राम मंदिर के 15 किलोमीटर के दायरे में नॉन-वेज खाने की डिलीवरी पर बैन लगाया है। अधिकारियों ने बताया कि यह फैसला बार-बार मिल रही शिकायतों के बाद किया गया। अधिकारियों ने यह भी बताया कि अयोध्या में कुछ होटल और होमस्टे मेहमानों को नॉन-वेज खाना और शराब परोस रहे थे।

असम आईईडी मामले में एनआईए की बड़ी कार्रवाई दो और आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने असम के 2024 स्वतंत्रता दिवस पर आईईडी बरामदगी मामले में दो और आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। यह चार्जशीट गुवाहाटी स्थित एनआईए की विशेष अदालत में दाखिल की गई। इस कार्रवाई के बाद इस केस की चार्जशीट में आरोपियों की कुल संख्या अब पांच हो गई है। इससे पहले एनआईए ने जून 2025 में तीन अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। एनआईए की ओर से जिन दो नए आरोपियों को चार्जशीट में शामिल किया गया है, उनके नाम भार्गब गोगोई और सुमु गोगोई हैं। दोनों असम के डिब्रूगढ़ जिले के रहने वाले हैं। एनआईए ने इन दोनों को जून 2025 में गिरफ्तार किया था। इन पर भारतीय दंड संहिता, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धार-ाओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

ममता बनर्जी 72 घंटे में कोयला तस्करी के आरोप साबित करें या मानहानि का केस लड़ें : भाजपा

कोलकाता,10 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल भाजपा के दो वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी और प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ चट्टोपाध्याय ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चुनौती दी कि वे कोयला तस्करी मामले में उनकी संलिप्तता के आरोपों को तय समय के अंदर साबित करें, नहीं तो मानहानि केस का सामना करें। सुवेंदु अधिकारी के वकील ने पहले ही मुख्यमंत्री ममता को मानहानि का नोटिस भेजा है। नोटिस में सीएम ममता से 72 घंटे के भीतर सभी सबूत देने या सिविल और क्रिमिनल दोनों तरह की मानहानि की कार्यवाही का सामना करने के लिए कहा गया है।

दूसरी ओर, चट्टोपाध्याय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो मैसेज जारी कर मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वे या तो उचित समय के अंदर आरोपों को साबित करें या मानहानि की कार्यवाही का सामना करें।पश्चिम बंगाल में बीजेपी के राज्य महासचिव जगन्नाथ चट्टोपाध्याय को हाल ही में घोषित पार्टी की नई राज्य समिति में राज्य उपाध्यक्ष के पद पर प्रमोट किया गया है।दरअसल मुख्यमंत्री ममता ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी के मामलों से मिला पैसा चट्टोपाध्याय या अधिकारी के जरिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तक पहुंचा।चट्टोपाध्याय ने यह भी बताया कि 2016 से 2020 तक पश्चिम बंगाल में कोयला तस्करी के चरम समय के दौरान वह पत्रकार थे। उन्होंने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले पत्रकारिता छोड़कर भाजपा जॉइन की थी।चट्टोपाध्याय ने अपने वीडियो मैसेज में कहा, 2016 से 2020 तक मैंने एक पत्रकार के तौर पर पश्चिम बंगाल में कथित कोयला तस्करी घोटाले पर कई रिपोर्ट की थीं। मेरे पास अभी भी मेरी न्यूज रिपोर्ट के सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स हैं।अब तक एक भाजपा नेता के तौर पर मैंने राजनीति में आने से पहले एक पत्रकार के तौर पर इकट्ठा किए गए डॉक्यूमेंट्स को कभी सार्वजनिक नहीं किया है, लेकिन अब क्योंकि मेरी पर्सनल इमेज खराब हुई है, तो अगर जरूरत पड़ी, तो मैं उन डॉक्यूमेंट्स को सार्वजनिक कर दूंगा।

युद्ध शवों के लिए नहीं, दुश्मन की इच्छाशक्ति तोड़ने के लिए लड़े जाते हैं : डोभाल

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)। नई दिल्ली में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग के उद्घाटन अवसर पर राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का वक्तव्य केवल युद्ध की परिभाषा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने राष्ट्रीय इच्छाशक्ति, मनोबल और नेतृत्व की केंद्रीय भूमिका को रेखांकित किया। उनका बयान ऐसे समय आया है, जब वैश्विक स्तर पर युद्ध और संघर्ष केवल हथियारों की ताकत नहीं, बल्कि मानसिक और रणनीतिक दबाव का प्रतीक बन चुके हैं। डोभाल ने स्पष्ट किया कि युद्ध किसी मनोरोगी मानसिकता से नहीं लड़े जाते, जहां दुश्मन के शव या तबाही देखकर संतोष लिया जाए। उनके अनुसार, युद्ध का असली उद्देश्य दुश्मन की इच्छाशक्ति को तोड़ना होता है, ताकि वह हमारी शर्तों पर झुकने को मजबूर हो। यह कथन आधुनिक युद्ध सिद्धांतों के अनुरूप है, जहां मनोवैज्ञानिक दबाव, रणनीतिक बढ़त और नैरेटिव कंट्रोल निर्णायक भूमिका निभाते हैं। उनका यह तर्क कि संसाधन और हथियार होने के बावजूद अगर किसी देश का मनोबल कमजोर है, तो वह शक्ति निरर्थक हो जाती है-सीधे तौर पर नेतृत्व की अहमियत को सामने लाता है। डोभाल ने मौजूदा नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि बीते दस वर्षों में देश ने जिस तरह से अपनी स्थिति बदली है, वह मजबूत नेतृत्व और स्पष्ट राष्ट्रीय दृष्टि का परिणाम है। यह टिप्पणी राजनीतिक संकेत भी देती है, जहां सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और वैश्विक छवि को मौजूदा शासन की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया गया।

इतिहास के संदर्भ में डोभाल ने भारत के संघर्षपूर्ण अतीत को याद करते हुए युवाओं से आत्ममंथन की अपील की। उनका कहना था कि स्वतंत्रता सहज रूप से नहीं मिली, बल्कि बलिदान, अपमान और अत्याचारों की लंबी श्रृंखला के बाद हासिल हुई। इस ऐतिहासिक स्मृति को उन्होंने आज के युवाओं के लिए एक नैतिक और भावनात्मक चुनौती के रूप में पेश किया।

'बदला' शब्द के प्रयोग ने उनके भाषण को सबसे ज्यादा बहस योग्य बना दिया। हालांकि उन्होंने इसे हिंसा या आक्रामकता के रूप में नहीं, बल्कि राष्ट्रीय पुनरुत्थान की भावना के रूप में परिभाषित किया-अर्थात् भारत को उसकी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और वैचारिक ऊंचाई पर वापस ले जाना। यह विचारधारा सुरक्षा विमर्श को सांस्कृतिक आत्मबोध से जोड़ती है।

डोभाल का यह भी कहना कि भारत की सभ्यता मूलतः अहिंसक और गैर-आक्रामक रही है, लेकिन सुरक्षा खतरों को समय रहते समझने में चूक हुई-एक आत्मालोचनात्मक स्वीकारोक्ति है। इससे संकेत मिलता है कि भविष्य की रणनीति में केवल नैतिक श्रेष्ठता नहीं, बल्कि व्यावहारिक सतर्कता भी आवश्यक है।

समग्र रूप से देखा जाए तो अजीत डोभाल का भाषण युद्ध, नेतृत्व, इतिहास और युवा शक्ति को एक साझा नैरेटिव में पिरोता है। यह संदेश युवाओं को केवल प्रेरित करने का नहीं, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और इच्छाशक्ति की जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास भी है। वहीं, 12 जनवरी को प्रधानमंत्री द्वारा 3,000 युवाओं से संवाद की घोषणा इस विमर्श को राजनीतिक और वैचारिक विस्तार देती है, जहां 'विकसित भारत' की अवधारणा को अगली पीढ़ी से जोड़ने की रणनीति साफ दिखाई देती है।

सरकार गांव के द्वार केवल दिखावा, जयराम सरकार का जनमंच था समाधान का भरोसेमंद मंच : भाजपा

शिमला,10 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कांग्रेस सरकार के सरकार गांव के द्वार कार्यक्रम पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने भाजपा सरकार के जनमंच मॉडल की केवल नकल की है, लेकिन उसकी आत्मा, संवेदनशीलता और परिणाम पूरी तरह गायब हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नाम बदलकर जनता को गुमराह करना चाहती है, जबकि जमीनी सच्चाई यह है कि लोगों की समस्याओं का समाधान आज भी शून्य है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में जयराम ठाकुर के नेतृत्व वाली पूर्व भाजपा सरकार (2017-2022) के दौरान जनमंच सुशासन का मजबूत स्तंभ रहा। जनमंच केवल मंच नहीं था, बल्कि जनता की समस्याओं के मौके पर समाधान का प्रभावी माध्यम था। इसके विपरीत कांग्रेस का कार्यक्रम सिर्फ भाषण, फोटो और प्रचार तक सीमित है। उन्होंने आंकड़ों के साथ कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि जनमंच कार्यक्रमों में करीब 45,726 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 43,821 शिकायतों का समाधान किया गया-यानी लगभग 95 प्रतिशत निवारण दर। यह भाजपा सरकार की प्रशासनिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही को दर्शाता है। जनमंच पर लगभग 5.34 करोड़ खर्च कर दूर-दराज के क्षेत्रों के लोगों को जिला मुख्यालयों के चक्कर से राहत दी गई।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जनमंच के माध्यम से 34,875 से अधिक प्रमाण पत्र मौके पर ही जारी किए गए और 336 स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुए। यह सुशासन का वास्तविक उदाहरण था। इसके उलट कांग्रेस सरकार के कार्यक्रमों से न तो प्रमाण पत्र मिल रहे हैं, न समस्याओं का समाधान, न ही जनता को भरोसा। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि कांग्रेस सरकार भाजपा के मॉडल को चुराकर अपनी विफलताओं को छिपाना चाहती है, लेकिन जनता सब समझ रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस आज भी चाहती है कि प्रशासनिक प्रक्रियाएं लंबी रहें ताकि जनता परेशान रहे। भाजपा जनता के साथ खड़ी थी, है और रहेगी, जबकि कांग्रेस की राजनीति केवल दिखावे और छलावे पर टिकी है।

भारत में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाना क्यों है बेहद जरूरी?

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क पर चलते समय हम अक्सर सुरक्षा नियमों को नजरअंदाज कर देते हैं। जल्दी पहुंचने के लिए तेज रफ्तार में गाड़ी चलाना हो या बिना हेलमेट के सड़क पर निकल जाना, हम सोचते हैं कि क्या ही हो जाएगा? लेकिन सच्चाई इससे काफी अलग है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं हर साल लाखों लोगों की जान ले रही हैं। यही वजह है कि हर साल 11 से 17 जनवरी के बीच राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है। यह सिर्फ एक औपचारिक अभियान नहीं है, बल्कि लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति सचेत करने और नियमों का पालन करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। आंकड़ों पर ध्यान दें तो केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के अनुसार, साल 2024 में भारत में सड़क दुर्घटनाओं में 2.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। कुल मिलाकर 177,000 से ज्यादा लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवा चुके हैं, यानी प्रतिदिन लगभग 485 लोग। यह सिर्फ संख्या नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज और परिवारों के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत है। दुनिया के मुकाबले भारत की स्थिति चिंताजनक है। विश्व सड़क सांख्यिकी 2024 के अनुसार, प्रति लाख जनसंख्या मौत की दर चीन में 4.3 और अमेरिका में 12.76 है, जबकि भारत में यह 11.89 है। इसका मतलब यह है कि दुनिया के बड़े देशों की तुलना में भारत में सड़क हादसों से मौतों का प्रतिशत काफी ज्यादा है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह का महत्व बस यही नहीं है कि लोग जागरूक हों। इस दौरान कई अभियान चलाए जाते हैं, जो सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर फोकस करते हैं। उदाहरण के लिए, शराब पीकर गाड़ी न चलाना सबसे जरूरी संदेश है। शराब के नशे में वाहन चलाना सबसे बड़ा खतरा है और इसी कारण इस सप्ताह इस पर विशेष जोर दिया जाता है।साथ ही, सीट बेल्ट का उपयोग भी बार-बार याद दिलाया जाता है। कई लोग सोचते हैं कि बस थोड़ी दूरी ही तो जाना है, सीट बेल्ट की जरूरत नहीं है, लेकिन छोटी टक्कर में भी सीट बेल्ट कई जानें बचा सकती है। वहीं, दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट पहनना अनिवार्य बताया जाता है, क्योंकि यह सिर पर चोट लगने से बचाता है और गंभीर दुर्घटनाओं में जीवन बचा सकता है।तेज रफ्तार से बचना भी अभियान का अहम हिस्सा है। सड़क पर तेज गति मौत की दहलीज पर चलने जैसा है। कभी-कभी लोग मिनटों की बचत के लिए अपनी और दूसरों की जान खतरे में डाल देते हैं। इसके अलावा, यातायात नियमों का पालन करना भी बहुत जरूरी है। रेड लाइट का इंतजार करना, जेबरा क्रॉसिंग का इस्तेमाल करना और ओवरटेक नियमों का पालन करना छोटी लेकिन जीव-नरक्षक आदतें हैं।सड़क सुरक्षा सिर्फ सरकार या पुलिस का काम नहीं है। यह हर नागरिक की जिम्मेदारी है। अगर हम खुद सुरक्षित रहेंगे, नियमों का पालन करेंगे और दूसरों की सुरक्षा का ध्यान रखेंगे तो दुर्घटनाओं की संख्या में कमी संभव है। सड़क दुर्घटना सिर्फ मृतकों की बात नहीं है। घायल होने वाले लोग सालों तक दर्द और परेशानी झेलते हैं और उनके परिवार पर भी भारी आर्थिक और मानसिक बोझ पड़ता है।

शिमला में टनल निर्माण से बढ़ा भू-जोखिम आधी रात में घर छोड़ने को मजबूर हुए लोग

शिमला,10 जनवरी (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में बुनियादी ढांचा विकास एक बार फिर सुरक्षा और स्थिरता के सवालों के घेरे में आ गया है। भट्टाकुफर से संजौली के बीच फोरलेन टनल निर्माण के दौरान चलौंठी क्षेत्र में शुक्रवार देर रात हालात उस वक्त बिगड़ गए, जब एक छह मंजिला रिहायशी इमारत में अचानक बड़ी दरारें उभर आईं। संभावित खतरे को देखते हुए प्रशासन ने रात करीब 10 बजे इमारत को तत्काल खाली कराने का फैसला लिया। इस इमारत में रह रहे करीब 10 परिवारों को कड़ाके की ठंड में बच्चों और बुजुर्गों के साथ सड़क पर आना पड़ा। कुछ ही देर बाद पास के एक होटल और अन्य मकानों में भी दरारें दिखाई देने लगीं, जिसके बाद होटल को भी खाली कराया गया। इससे वहां ठहरे पर्यटक भी आधी रात को सड़कों पर आ गए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने संजौली-ढली बाईपास पर ट्रैफिक रोक दिया और इलाके में पुलिस बल तैनात किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते तीन दिनों से मकानों में हल्की दरारें दिखने लगी थीं, जिसकी सूचना निर्माण कंपनी और प्रशासन को दी गई थी। हालांकि उस समय इमारतों को सुरक्षित बताया गया। शुक्रवार शाम को दरारें तेजी से बढ़ीं, जिससे खतरा साफ नजर आने लगा और देर रात आपात कार्रवाई करनी पड़ी। यह पूरा घटनाक्रम टनल निर्माण के दौरान हो रही ब्लास्टिंग और भारी मशीनों से पैदा हो रहे वाइब्रेशन पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

प्रशासन के अनुसार प्रभावित परिवारों को रात में ही सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया, लेकिन स्थानीय लोगों का आरोप है कि शुरुआती घंटों में ठहरने की कोई ठोस व्यवस्था नहीं थी। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग देर रात तक ठंड में सड़क पर बैठे रहे और कुछ लोगों को आग जलाकर रात गुजारनी पड़ी। इससे प्रशासनिक तैयारियों और आपदा प्रबंधन पर भी सवाल उठे हैं।

चलौंठी की घटना ने भट्टाकुफर हादसे की यादें फिर ताजा कर दी हैं, जहां टनल और फोरलेन निर्माण के दौरान गलत कटिंग से सड़क धंस गई थी और एक बहुमंजिला इमारत मानसून में गिर गई थी। उस मामले में भी प्रभावित परिवारों के मुआवजे और पुनर्वास को लेकर विवाद बना हुआ है। ऐसे में बिना बारिश के मकानों में दरारें आना इलाके की भू-स्थिरता को लेकर गंभीर चिंता का संकेत माना जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ी इलाकों में बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के दौरान तकनीकी निगरानी और भूगर्भीय अध्ययन की अनदेखी भविष्य में बड़े हादसों को न्योता दे सकती है। स्थानीय लोगों की मांग है कि टनल निर्माण की तत्काल तकनीकी जांच हो, ब्लास्टिंग पर रोक लगे और घरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि विकास के नाम पर जान-माल का जोखिम न बढ़े।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें , सुहागन स्त्रियों को फल और मिष्ठान देवें । आय के स्रोतों में वृद्धि में होगी, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। सकारात्मक सोच व आत्मविश्वास कार्यों में सफलता दिलाएगा। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा । परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों–मित्रों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे आपके अंदर एक नई ऊर्जा आएगी। सेहत का लेकर सावधानी बरतें। छात्रों के लिए समय कठिन परिश्रम वाला रहेगा परन्तु सफलता मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज सुबह कर दर्शन करें सूर्य नमस्कार करें आरोग्यता और शुभता मिलेगी । बुजुर्गों के आशीर्वाद से व्यापार अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति बनेगी। नौकरी में तरक्की के योग रहेंगे। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन अपनी योग्यता और क्षमताओं का भरपूर लाभ उठायेंगे। आय के स्रोत बढ़ेंगे और आ–कस्मिक धनलाभ की संभावना रहेगी। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा। शाम के वक्त चीटियों को शक्कर डालें ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज थोडी मुश्किलें आ सकती हैं परन्तु चिंता करने की आवश्यकता नही हैं ईष्टदेव का ध्यान करें और ब्राह्मण को शक्कर का दान करें । अनावश्यक खर्च बढ़ने से चिंतित रहेंगे, जिससे क्रोध की अधिकता रहेगी। बिना सोचे किसी कार्य की शुरुआत न करें, अन्यथा नुकसान की संभावना रहेगी। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रुझान बढ़ेगा। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। परिवार मे सन्तोष का माहौल रहेगा ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आर्थिक लाभ बनता हुआ दिख रहा हैं कारोबार में स्थिति अनुकूल रहेगी । आय के स्रोत बढ़ाने के प्रयास सफल होंगे। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन कड़ी मेहनत से कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। पुराने मित्रों से सुखद मिलन होगा। संतान के लिए कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेना पड़ सकता है। परिवार के साथ कुछ अच्छे पलों का आनंद उठा सकते हैं। सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। दाम्पत्य जीवन सुखमय बनाने के लिए संयम की आवश्यकता हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज शरीर मे थकान ज्यादा रहेगी ध्यान और योग दिनचर्या मे शामिल करें । व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और धनलाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्च की भी अधिकता रहेगी। सहयोगी कार्य में व्यवधान उत्पन्न कर सकते हैं, इसलिए संभलकर रहने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता और भागदौड़ की स्थिति रहेगी। किसी से विवाद होने की परिस्थिति मे अपने क्रोध पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक हैं ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कारोबार के लिए तो दिन अच्छा हैं घरेलू उलझनें रहेगी , बडे बुजुर्गों से मध्यस्था कराने से बाते सुलझ जांएगी आप को परिश्रम करना पडेगा तभी काम मनोकुल होगा , लेकिन अनावश्यक खर्च बढ़ने से आर्थिक स्थिति प्रतिकूल हो सकती है। लेन–देन में सावधानी बरतें। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। दोस्तों से व्यवहार अच्छा रहेगा । नंदी महाराज को दलीया और गुड खिलाए , तुलसी का पौधा सींचे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन और माहौल दोनों बढीया हैं कामकाज में कमी रहेगी दूसरे स्रोत से धनलाभ की स्थिति रहेगी। व्यापारिक यात्रा के योग रहेंगे, जो लाभद–ायक रहेगी। विद्यार्थियों को अधिक परिश्रम करना होगा। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने में रुचि ले सकते हैं। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। बेरोजगारी दूर होगी । चहलकदमी करें शरीर तंदरुस्त रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज परिश्रम ज्यादा करना कार्यक्षेत्र में मुश्किलें पैदा होंगी छोटी–छोटी परेशानियां आ सकती हैं, लेकिन अपने प्रयासों और कड़ी मेहनत से कार्यों में सफल होंगे, जिससे मनोबल बढ़ेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जरूरी कार्य समय पर पूरे होंगे। सामाजिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा। स्वास्थ्य की अनदेखी न करें। मित्रों से मुलाकात प्रसन्नता देगी। आपका पारिवारिक जीवन थोड़ा संघर्षमय रह सकता है। यात्रा का योग बन रहा हैं दूध का दान करके यात्रा आरंभ करें ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा । प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश लाभदायक रहेगा। बुजुर्गों के आशीर्वाद से कार्यों में सफलता मिलेगी और सुख–समृद्धि में वृद्धि होगी। परिवार का माहौल आनंदमय रहेगा। काम की अधिकता से थकान का अनुभव कर सकते हैं। क्रोध पर नियंत्रण रखें। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल हो सकते है शापिंग पर खर्चा होगा सुख सुविधाओं पर व्यय अधिक होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन बहतर सुविधाओं वाला रहेगा । किसी नये कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। बेरोजगारों को नौकरी के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मंगल कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन या किसी तरह की संपत्ति भी खरीदने के योग बन रहे हैं। घरेलू जीवन में प्रतिकूलता का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में किसी सदस्य से अनबन हो सकती है। संबंधों में मधुरता बनाए रखने के लिए संयम रखना आवश्यक है। शाम को दूध का सेवन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज सुबह मंदिर दर्शन करें कार्यसिद्धि होगी विरोधी शान्त रहेंगे व्यापार में धन प्राप्ति के योग हैं। कारोबार में काम की अधिकता रहेगी लेकिन कठिन परिश्रम से कार्यों में सफलता मिल सकती है। परिवार के किसी उत्सव में खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में वाद–विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए समझदारी का परिचय देते हुए परिवार समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करें। शिवपार्वती का पूजन करें दाम्पत्यजीवन सुखमय रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज समय उलझनों मे बितेगा अनजान व्यक्ति पर भरोसा नही करें। अपनी मेहनत पर विश्वास करें और आगे बढ़ते रहें। अपने प्रयासों से कार्यों में सफलता मिलेगी। जीमन–जायदाद के सौदे करने से पहले बुजुर्गों की सलाह अवश्य लें। किसी नवीन कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। धर्म–कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और दाम्पत्य जीवन खुशहाल रहेगा। मित्रों के साथ यात्रा का समय बन रहा हैं संबंध मे मधुरता रहेगी स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 जनवरी 2026 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : माघ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी प्रातः 10:23 तक
नक्षत्र : चित्रा सायं 06:12 तक
योग : सुकर्मा सायं 05:26 तक
करण : कौलव प्रातः 10:23 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 06:48, सूर्यास्त 05:59 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:44, सूर्यास्त 06:10 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 06:01 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:38, सूर्यास्त 05:52 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : उत्तराषाढा में रवि प्रातः 08:35 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

माहेश्वरी महाकुंभ की सुर्खी बना गोल्ड ड्राप

अतीत का सम्मान करो और भविष्य का निर्माण करो: महावीर लोहिया

जोधपुर, 10 जनवरी, (शुभ लाभ ब्यूरो)।

व्यवसाय माहेश्वरी परिवारों की पहचान रहा है। पीढ़ियों से माहेश्वरी समाज ने ईमानदारी, परिश्रम, दूरदर्शिता और नैतिक मूल्यों के साथ व्यापार को न केवल अपनाया है, बल्कि उसे समाज सेवा का माध्यम भी बनाया है।

माहेश्वरी परिवारों में व्यवसाय केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि संस्कारों, विश्वास और उत्तरदायित्व की विरासत है, जिसने समाज और राष्ट्र के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। हैदराबाद आधारित गोल्ड ड्राप आयल (लोहिया ग्रुप) के प्रमुख श्री महावीर लोहिया ने जोधपुर, राजस्थान में चल रहे माहेश्वरी महाकुंभ में ये ओजस्वी विचार व्यक्त किये। अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि देश के गृहमंत्री अमित शाह, लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आदि गणमान्य लोग मंचासीन थे।

श्री महावीर लोहिया ने पूछा कि आखिर क्या कारण है कि पीढ़ियों के साथ–साथ पारिवारिक व्यवसाय कमजोर पड़ता चला जाता है? यह प्रश्न आज केवल किसी एक परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि हमारे पूरे समाज से जुड़ा हुआ है। अक्सर देखा गया है कि पारिवारिक व्यवसाय की नींव बहुत मजबूत होती है, लेकिन जैसे–जैसे समय आगे बढ़ता है, वही व्यवसाय अपनी चमक खोने लगता है। इसका पहला बड़ा कारण यह होता है कि व्यापार एक व्यक्ति पर निर्भर रह जाता है, किसी व्यवस्थित सिस्टम पर नहीं। संस्थापक की दूरदृष्टि से व्यापार चलता है, लेकिन अगली पीढ़ी के लिए स्पष्ट ढांचा और जिम्मेदारियाँ तय नहीं की जातीं।दूसरा कारण यह है कि समय के साथ बदलाव को स्वीकार नहीं किया जाता। यह मान लिया जाता कि जो तरीका पहले काम कर रहा था, वही हमेशा काम करेगा, जबकि बाज़ार, ग्राहक और उनकी अपेक्षाएँ लगातार बदलती रहती हैं। जो व्यवसाय समय के साथ खुद को नहीं बदलता, वह पीछे रह जाता है।

तीसरा बड़ा कारण है व्यावसायिकता की कमी । पारिवारिक रिश्तों की भावनाएँ कई बार सही और गलत के बीच का फर्क धुंधला कर देती हैं, जिससे निर्णय भावनाओं के आधार पर लिए जाते हैं, तथ्यों और जानकारी के आधार पर नहीं।इसके अलावा, अगली पीढ़ी को समय पर जिम्मेदारी न देना, उत्तराधिकार की स्पष्ट योजना न होना और बच्चों में व्यापार के प्रति रुचि विकसित न कर पाना भी पारिवारिक व्यवसाय को कमजोर कर देता है। जब नई पीढ़ी व्यापार को पुराना या बोझ समझने लगती है, तो विरासत टूटने लगती है।यह बात मैं अपने निजी अनुभव से कह रहा हूँ, यदि सही सोच

और संस्कार हों, तो विरासत पीढ़ियों तक मजबूत बनी रह सकती है, क्यूंकि लोहिया परिवार अपनी तीसरी पीढ़ी के साथ तैयार है, व्यवसाय के शिखर पर अपना परचम लहराने के लिए। लोहिया परिवार की यात्रा राजस्थान के एक छोटे से गाँव से शुरू होती है। मेरे पूजनीय पिताजी श्री कन्हैयालाल लोहियाजी ने बचपन में अभाव देखे, लेकिन उन्होंने यह निश्चय किया कि शिक्षा और मेहनत के बल पर वह परिस्थितियों को बदलेंगे। हर दिन कई किलोमीटर पैदल चलकर पढ़ाई करना, फिर हैदराबाद की उस्मानिया यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग करना और नौकरी के दौरान समाज के लिए कुछ बेहतर करने का विचार–यही उनकी सोच की नींव थी।एक ऑयल मिल में काम करते समय उन्होंने महसूस किया कि लोगों को मिलने वाला तेल न तो शुद्ध है और न ही स्वास्थ्य के लिए ठीक। यहीं से यह संकल्प जन्मा कि लोगों को शुद्ध और सुरक्षित तेल देना है। एक छोटी–सी दुकान से तेल क्रशिंग शुरू हुई, साइकिल पर घर–घर जाकर तेल बेचा गया, गुणवत्ता को लगातार बेहतर किया गया और अंततः गोल्ड ड्रॉप ब्रांड का जन्म हुआ।

ब्रांड के साथ–साथ परिवार को भी आगे बढ़ने का अवसर मिला। पिताजी ने व्यापार को केवल अपने हाथ में नहीं रखा, बल्कि धीरे–धीरे जिम्मेदारियाँ सौंपीं, सिस्टम बनाया और हमें सीखने का अवसर दिया।

यही कारण है कि आज लोहिया ग्रुप की तीसरी पीढ़ी पूरी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व की भूमिका निभा रही है।अब प्रश्न यह है कि ऐसी पारिवारिक विरासत को पीढ़ियों तक कैसे मजबूत रखा जाए?सबसे पहला सिद्धांत है स्पष्ट सुशासन । परिवार और प्रबंधन के बीच भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ तय होनी चाहिए। वरिष्ठ पीढ़ी को मार्गदर्शक की भूमिका निभानी चाहिए और अगली पीढ़ी को संचालन की जिम्मेदारी देनी चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर बाहरी प्रोफेशनल्स को भी शामिल करना चाहिए, ताकि निर्णय सही दिशा में लिए जा सकें।दूसरा सिद्धांत है टेक्नोलॉजी को अपनाना। आज टेक्नोलॉजी कोई विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है।

डेटा आधारित निर्णय, ऑटोमेशन और पारदर्शी सिस्टम व्यापार को मजबूत बनाते हैं। परंपरा हमारी पहचान है, लेकिन टेक्नोलॉजी हमारा भविष्य तय करती है।तीसरा सिद्धांत है नवाचार और विस्तार । मुख्य व्यवसाय से जुड़े नए अवसरों को पहचानना, नए उत्पाद और नए मॉडल अपनाना जरूरी है। लोहिया ग्रुप ने तेल से आगे बढ़कर बिस्किट्स, पाम प्लांटेशन, इथेनॉल और अन्य क्षेत्रों में कदम रखा, ताकि व्यापार भी बढ़े और देश व समाज को भी लाभ मिले।चौथा और सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है अगली पीढ़ी को साथ लेकर चलना । बच्चों को बचपन से ही व्यापार से जोड़ना, चर्चाओं में शामिल करना और जिम्मेदारी देना जरूरी है।

इसमें मातृशक्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। हमारे परिवार में महिलाओं की राय को हमेशा महत्व दिया गया, और आज हमारी बेटी स्वयं एक व्यवसाय का नेतृत्व कर रही है।अंत में, मैं यही कहना चाहूँगा किमूल्य कभी नहीं बदलने चाहिए, लेकिन रणनीतियाँ समय के साथ लचीली होनी चाहिए।लोहिया ग्रुप का यही विश्वास है– 'अतीत का सम्मान करो और भविष्य का निर्माण करो।जब पारिवारिक व्यवसाय आत्मनिर्भर होता है, तो समाज सशक्त होता है, और समाज सशक्त होता है, तो देश आत्मनिर्भर बनता है।

जोधपुर में चल रहे माहेश्वरी महाकुंभ में भाग लेते हुए निजामाबाद के श्रीवल्लभ सारडा, श्रीराम जाजू, गोपीकिशन इन्नानी, ओमनारायण अट्टल, नंदकिशोर सारडा, गोवर्धन साबू, नंदकिशोर डालिया, अशोक कुमार लाखोटिया, नंदकिशोर झवर व अन्य।

1400 नवनियुक्त पुलिसकर्मियों सहित 3500 लोगों ने पाया पौष बड़ा प्रसाद

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

राजधानी के घाटगेट स्थित पुलिस दूरसंचार लाइन में शनिवार, 10 जनवरी को श्रद्धा और उल्लास का अनूठा नजारा देखने को मिला। यहाँ स्थित संचारेश्वर महादेव मंदिर में विशाल पौष बड़ा (भोजन प्रसादी) महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस महकमे के आला अधिकारियों से लेकर नवनियुक्त जवानों तक ने एक ही पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की। यह भव्य धार्मिक आयोजन पुलिस दूरसंचार आवासीय परिसर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सामूहिक सहयोग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम एवं तकनीकी वी.के. सिंह, निदेशक दौलतराम अटल और पुलिस अधीक्षक डॉ. हेमराज मीणा सहित अन्य उच्चाधिकारियों का कुशल मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। नवनियुक्त 1400 कांस्टेबलों के लिए यादगार दिन

आज का दिन पुलिस दूरसंचार विभाग के लिए दोहरी खुशी का

अवसर रहा। एक ओर जहाँ गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा कांस्टेबल भर्ती परीक्षा–2025 के अंतर्गत नियुक्ति पत्र वितरित किए गए, वहीं दूसरी ओर इन पुलिस दूरसंचार में नवनियुक्त 1400 कांस्टेबलों ने सेवा की शुरुआत धार्मिक आशीर्वाद के साथ की। नियुक्ति पत्र पाकर सीधे प्रसादी कार्यक्रम में पहुंचे इन युवाओं में भारी उत्साह देखा गया।

कार्यक्रम में केवल विभाग के कर्मचारी ही नहीं, बल्कि आवासीय परिसर में निवासरत उनके परिवारजन और आम नागरिक भी शामिल हुए।

नो योर आर्मी प्रदर्शनी, रोबोटिक म्यूल – आधुनिक युद्धक्षेत्र का नया गेम चेंजर

जयपुर, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

78वें सेना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों के अन्तर्गत भवानी निकेतन शिक्षा समिति परिसर में चार दिवसीय 'नो योर आर्मी' प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। प्रदर्शनी में सेना के आधुनिक उपकरणों और हथियारों को प्रदर्शित किया गया है। इस प्रदर्शनी में भारतीय सेना के शौर्य की अनेक गाथाओं को

प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी में भारतीय सेना के आधुनिक हथियारों, तकनीक और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण से लैस सैन्य बल को देखकर हर भारतीय का दिल जोश और उत्साह से भर गया। इस दौरान भारतीय सेना का अनुशासन, समर्पण और देश के प्रति अटूट निष्ठा भी देखने को मिली।

प्रदर्शनी में चार पैरों वाले रोबोट की क्षमताओं को आमजन ने देखा यह दिखने में किसी मेटल डॉग जैसा लगता है जो दुर्गम पहाड़ों, घने जंगलों या रेगिस्तान की तपती रेत और युद्ध के मैदान जैसी प्रतिकुल परिस्थितियों में सैनिकों का साथी बनता है। सैनिकों की सबसे बड़ी चुनौती उनके सामान का वजन और दुर्गम रास्ता होती है। लेकिन अब, भारतीय सेना में एक नया 'साथी' शामिल हो रहा है, जिसके न फेफड़े थकते हैं और न ही पैर डगमगाते हैं।

घर खरीदारों से धोखाधड़ी के मामले में ईडी की कार्रवाई

एडेल लैंडमार्क्स की 585 करोड़ की संपत्तियां अटैच

गुरुग्राम, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुरुग्राम जोनल ऑफिस ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत 9 जनवरी को एक अस्थायी कुर्की का आदेश जारी किया है, जिसमें मेसर्स एडेल लैंडमार्क्स लिमिटेड (पहले मेसर्स एरा लैंडमार्क्स लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) और इसके प्रमोटर हेम सिंह भड़ाना एवं सुमित भड़ाना से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में लगभग 585.46 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया गया है। अस्थायी रूप से अटैच की गई संपत्तियों में हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और बहादुरगढ़ के साथ–साथ उत्तर प्रदेश के मेरठ और गाजियाबाद में स्थित लगभग 340 एकड़ के विभिन्न प्लॉट और जमीन के टुकड़े शामिल हैं। ये संपत्तियां मेसर्स एडेल लैंडमार्क्स लिमिटेड और इसकी सहयोगी कंपनियों के स्वामित्व में हैं। ईडी ने हरियाणा पुलिस, दिल्ली पुलिस और इकोनॉमिक ऑफेंस विंग (ईओडब्ल्यू), दिल्ली द्वारा दर्ज की गई 74 एफआईआर/चार्जशीट के आधार पर जांच शुरू की। एफआईआर में लगाए गए आरोपों के अनुसार, मेसर्स एडेल लैंडमार्क्स लिमिटेड, इसके प्रमोटरों और सहयोगी कंपनियों ने कई घर खरीदारों को वादा किए गए फ्लैट और यूनिट समय पर नहीं देकर धोखा दिया, जबकि इसमें 12 से 19 साल की देरी हुई।

ईडी की जांच में पता चला कि मेसर्स एडेल लैंडमार्क्स लिमिटेड ने हरियाणा के गुरुग्राम, फरीदाबाद और पलवल में कई आवासीय ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट शुरू किए थे और आठ प्रोजेक्टों–कॉस्मोकोर्ट, कॉस्मोसिटी–ख, कॉस्मोसिटी–खखख, स्काईविले, रेडवुड रेजिडेंसी, एरा ग्रीन वर्ल्ड, एरा डिवाइन कोर्ट और एडेल डिवाइन कोर्ट–में 4,771 ग्राहकों से एडवांस बुकिंग के तौर पर लगभग 1,075 करोड़ रुपए जमा किए थे। ये प्रोजेक्ट जो 2006–2012 में शुरू किए गए थे, आज तक अधूरे हैं।

केंद्र सरकार गरीबों के अधिकार छीनने पर आमादा : सैलजा

सिरसा, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर मनरेगा को कमजोर करने का गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार कांग्रेस शासनकाल में गरीबों को मिले संवैधानिक और कानूनी अधिकारों को एक–एक कर खत्म करने की साजिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मनरेगा का केवल नाम नहीं बदला गया है, बल्कि उसकी आत्मा विशेषकर महात्मा गांधी की आत्मा को समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेगी। सांसद सैलजा शनिवार को सिरसा स्थित कांग्रेस भवन में पत्रकारों से बातचीत कर रही थीं। इससे पूर्व उन्होंने फतेहाबाद के होटल गंगा में भी पत्रकारवार्ता को संबोधित किया और मनरेगा को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर कई गंभीर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि मनरेगा के माध्यम से कांग्रेस ने गरीबों को न्यूनतम मजदूरी की कानूनी गारंटी दी थी, लेकिन केंद्र सरकार नियमों और प्रक्रियाओं में बदलाव कर इस गारंटी को खत्म करने का ताना–बाना बुन रही है। यह पूरी तरह गरीब–विरोधी सोच का परिणाम है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मनरेगा कमजोर हुई तो इसका सीधा असर ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और महिलाओं पर पड़ेगा, जिसे कांग्रेस कभी स्वीकार नहीं करेगी। कुमारी सैलजा ने बताया कि केंद्र सरकार के मनरेगा विरोधी फैसलों के खिलाफ कांग्रेस देशव्यापी आंदोलन कर रही है। इसी क्रम में 11 जनवरी को हरियाणा के सभी जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस पार्टी द्वारा जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ हरियाणा स्टडीज द्वारा तैयार पहली जिला मानव विकास रिपोर्ट जारी की

सोनीपत, 10 जनवरी (एजेंसियां)।

हरियाणा में साक्ष्य–आधारित नीति निर्माण को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राज्य की पहली जिला मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआर) जारी की। यह रिपोर्ट सोनीपत मानव विकास रिपोर्ट 2026 के नाम से प्रकाशित की गई है। यह रिपोर्ट ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के अंतर्गत जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ हरियाणा स्टडीज़ (जेआईएचएस) द्वारा तैयार की गई है। यह पहल हरियाणा में जिला–स्तरीय विकास योजना को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर मानी जा रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ हरियाणा स्टडीज़ के प्रयासों की सराहना की और पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के विकास के लिए उच्च शिक्षा, अनुसंधान, नीति निर्माण और सुशासन की

अहम भूमिका है। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत–2047 के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में इस प्रकार की शोध–आधारित पहलों को अत्यंत आवश्यक बताया।

जिंदल इंस्टीट्यूट ऑफ हरियाणा स्टडीज द्वारा शुरू की गई जिला एचडीआर पहल समयानुकूल और परिवर्तनकारी है। इसका उद्देश्य सूक्ष्म और आंकड़ा–आधारित विश्लेषण के माध्यम से हरियाणा के लोगों की वास्तविक जीवन स्थितियों को सामने लाना है। विश्व स्तर पर जिला मानव विकास रिपोर्टों को मानव विकास में असमानताओं और प्रगति को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण माना जाता है, लेकिन अब तक हरियाणा में इस तरह का कोई व्यवस्थित जिला–स्तरीय आकलन उपलब्ध नहीं था।

यह पहल इस महत्वपूर्ण कमी को पूरा करती है और ऐसे सूक्ष्म निष्कर्ष प्रस्तुत करती है, जिनके आधार पर राज्य में लक्षित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो सकेंगे। इस प्रयास की प्रासंगिकता वर्तमान समय की चुनौतियों से भी जुड़ी है, विशेष रूप से पर्यावरणीय दबाव के संदर्भ में। पड़ोसी राज्य पंजाब के साथ–साथ हरियाणा भी दिल्ली–एनसीआर क्षेत्र में वायु प्रदूषण को लेकर बढ़ती जांच और चिंता का सामना कर रहा है। वायु और जल गुणवत्ता में गिरावट का सीधा असर जन स्वास्थ्य, उत्पादकता और जीवन की समग्र गुणवत्ता पर पड़ता है।

हीरे के लिए राजा-महाराजाओं से लेकर आम आदमी तक में गजब का आकर्षण रहा है। किसी ने इन्हें सितारों का अंश कहा, तो किसी ने देवताओं के आंसू। भारतीय हीरों की दुनिया भर में धाक थी, पर आज देश के कई बेशकीमती हीरे गुमनामी के अंधेरों में खो चुके हैं...

भगवान का आंसू है हीरा!

डायमंड का अर्थ

डायमंड ग्रीक शब्द 'एडमस' से बना है, जिसका मतलब है- 'जिसे जीता न जा सके।'

यहां मिलते हैं हीरे

अधिकतर हीरे ज्वालामुखी चट्टानों, जिन्हें किम्बरलाइट कहते हैं, में पाए जाते हैं या समुद्र में। हीरा खोजने के लिए हर साल 3 से 5 मिलियन टन चट्टानों को विस्फोट से उड़ाया जाता है।

हीरा सफेद ही नहीं होता

हीरे सफेद ही नहीं होते। अशुद्धियों के कारण इसका शेड नीला, लाल, संतरी, पीला, हरा व काला होता है। हरा हीरा सबसे दुर्लभ है।

सबसे कठोर

आप सब जानते हैं कि हीरा रासायनिक रूप से कार्बन का शुद्धतम रूप है। यह पृथ्वी पर पाए जाने वाले कुदरती पदार्थों में सबसे कठोर है। यदि इसे ओवन में 763 डिग्री सैल्सियस पर गर्म किया जाए, तो यह गायब हो जाएगा। यहां तक कि इसकी राख भी नहीं बचेगी, सिर्फ़ थोड़ासा कार्बन डाइऑक्साइड ही रिलीज होगा।

हीरों में भारत की धाक

18वीं शताब्दी में साउथ अफ्रीका और ब्राजील में हीरों की खानों का पता चलने से पहले तक दुनिया भर में भारत की गोलकुंडा खान से निकले हीरों की धाक थी।

सबसे भारी भारतीय हीरा

भारत का सबसे वजनी हीरा है- ग्रेट मुगल। गोलकुंडा की खान से 1650 में जब यह हीरा निकला, तो इसका वज़न 787 कैरेट था। यानी कोहिनूर से क़रीब छह गुना भारी। कहा तो यह भी जाता है कि कोहिनूर भी ग्रेट मुग़ल का ही एक अंश है। इसकी तुलना इरानियन क्राउन में जड़े बेशकीमती दरिया-ए-नूर हीरे से भी की जाती है। 1665 में फ्रांस के जवाहरातों के व्यापारी ने इसे सबसे बड़ा रोजकट हीरा बताया था। नादिरशाह के खजाने की शान यह हीरा आज समय की खराद पर घिसकर 280 कैरेट का हो चुका है। यह हीरा आज कहां है किसी को पता नहीं।

लापता भारतीय हीरे

धरती की कोख से लेकर बादशाहों के ताज और फिर वहां से गुमनामी के अंधेरों तक की भारतीय हीरों की कहानी बड़ी दिलचस्प है। लंबे समय से गुमनाम अहमदाबाद डायमंड बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई में ग्वालियर के राजा विक्रमजीत को हराकर हासिल किया था। तब 71 कैरेट के इस हीरे को दुनिया के 14 बेशकीमती हीरों में शुमार किया जाता था। हल्की गुलाबी रंग की आभा वाले 32.2 कैरेट के आगरा डायमंड को हीरों की ग्रेडिंग करने वाली दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित संस्थान जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ऑफ अमेरिका ने वीएस-2 ग्रेड दिया है। इस दुर्लभ हीरे को आखिरी बार 1990 में लंदन के क्रिस्ले ऑक्सन हाउस की नीलामी में देखा गया था। तब हांगकांग की शीबा कॉर्पोरेशन ने इसे फोन से लगाई गई बोली में क़रीब 34 करोड़ रुपए (6.9 मिलियन डॉलर) में खरीदा था। तभी से यह बेशकीमती हीरा लापता है। इसी तरह नाशपाती के आकार वाले 78.8 कैरेट के अवध की बेगम हजरत महल के अहमदाबाद डायमंड को 1995 में क्रिस्ले में 4.3 मिलियन डॉलर यानी करीब 20 करोड़ 75 लाख रुपए में नीलाम किया गया था। यह हीरा भी विदेश में है। 1702 के आसपास द रिजेंट डायमंड गोलकुंडा की खान से निकला। तब इसका वजन 410 कैरेट था। मद्रास के तत्कालीन गवर्नर विलियम पिट के हाथों से होता हुआ द रिजेंट फ्रांसीसी क्रांति के बाद नेपोलियन के पास पहुंचा। नेपोलियन को यह हीरा इतना पसंद आया कि उसने इसे अपनी तलवार की मूठ में जड़वा दिया। अब 140 कैरेट का हो चुका यह हीरा पैरिस के लेवोरे म्यूजियम में रखा गया है। 90.8 कैरेट के ब्रोलिटी को कोहिनूर से भी पुराना बताया जाता है। 12वीं शताब्दी में फ्रांस की महारानी ने इसे खरीदा। कई सालों तक गुमनाम रहने के बाद यह हीरा 1950 में सामने आया। जब न्यूयॉर्क के ज्यूलर हेनरी विंस्टन ने इसे भारत के किसी राजा से खरीदा। लगभग 18वीं शताब्दी के 200 कैरेट के ओरलोव हीरे को सालों पहले मैसूर के मंदिर की एक मूर्ति की आंख से फ्रांस के व्यापारी ने चुराया था। बताया जाता है कि आज यह हीरा रूस के रोमनोव वंश के ऐतिहासिक ताज में जड़े साढ़े आठ सौ हीरे-जवाहरातों में से एक है।

हीरों के कायल बादशाह

बादशाहों में हीरों का बहुत क्रेज था। बाबर और अकबर आगरा डायमंड को अपनी पगड़ी में बांधकर रखते थे। हीरे के जादुई असर के कुछ बादशाह तो इतने कायल थे कि वे लड़ाई के मैदानों तक में इन्हें साथ लेकर चलते थे।

सारी दुनिया का खाना

ब्रिटेन की महारानी के ताज में जड़े कोहिनूर के बारे में कभी दो बातें बड़ी मशहूर थीं। कोहिनूर के बारे में कहा जाता था कि इसे बेचकर सारी दुनिया को ढाई दिन तक खाना खिलाया जा सकता था। दूसरा इसे सौभाग्य का प्रतीक भी माना जाता था। मान्यता थी कि जिस किसी के पास भी कोहिनूर होगा, उसके साम्राज्य का सूरज कभी अस्त नहीं होगा। कोहिनूर की यही खासियत इसके कई बादशाहों के हाथ से होकर देश से बाहर जाने की वजह बन गई।

सबसे बड़ा हीरा

दुनिया का सबसे बड़ा हीरा कुलिनन है। यह दक्षिण अफ्रीका में 1905 में पाया गया था। तराशने से पहले इसका वजन 3,106.75 कैरेट था। इसे अफ्रीका के ग्रेट स्टार में तराशा गया। तराशने के बाद इसका वज़न 530.2 कैरेट है। अफ्रीका में पाए गए इससे छोटे हीरे का वजान 317.40 और 104 कैरेट है। ये हीरे अब ब्रिटेन के ताज की शोभा बढ़ा रहे हैं। दस्तावेजों के अनुसार दुनिया का सबसे बड़ा पॉलिश्ड हीरा 1986 में दक्षिण अफ्रीका की खान से निकाला गया। इसका नाम है अननेम्ड ब्राउन। इसका वजन 545 कैरेट है, जबकि तराशने से पहले इसका वजन 700 कैरेट था। अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की टीम ने इसे तराशने में तीन साल का समय लगाया। एक अन्य हीरा जिसे तराशने में भी तीन साल का समय लगा था और वह ब्रिटिश क्राउन में जड़ा है, वह है सेनटेनरी डायमंड। इसका वजन 273.85 कैरेट है।

सिंथेटिक डायमंड

19वीं सदी के अंत में स्कॉटलैंड के विज्ञानी जेम्स बैलेंटाइन ने लीथियम को बोन ऑयल और पैराफिन के साथ मिक्स करके इसे लोहे की ट्यूब्स में सील कर दिया और इसे उच्च तापमान पर गर्म किया। उसने दावा किया कि वे पत्थर हीरे हैं। कई साल बाद उनके डायमंड होने की पुष्टि हुई, हालांकि ये सिंथेटिक डायमंड थे।

मजेदार तथ्य

सगाई में हीरे की अंगूठी

● सगाई पर हीरे की अंगूठी देने की परम्परा 1477 में शुरू हुई, जब आस्ट्रिया के आर्चड्यूक मैक्सीमिलियन ने बरंगडी की मैरी को हीरे की अंगूठी दी।

चीन में अनोखी परंपरा

● हावर्ड यूनिवर्सिटी के भौतिक विज्ञानी पीटर लू और उनके साथियों ने पाया कि करीब 4500 साल पहले प्राचीन चीनी शव को दफनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले आनुष्ठिक कुल्हाड़ी में हीरे का इस्तेमाल करते थे।

अरब के लोगों की मान्यता

● अरब के लोगों में मान्यता थी कि बाई भुजा पर हीरा बांधने से शत्रु पर जीत हासिल होती है।

हीरा, हीरे को काटता है

● 15वीं सदी के दौरान खोज की गई कि हीरे को केवल हीरे से ही काटा जा सकता है। अगर आप इस पर हथौड़े से चोट करते हैं, तो इसके टुकड़े टुकड़े हो जाते हैं।

आभूषण लायक कम हैं हीरे

● डायमंड काफी संख्या में पाए जाते हैं, लेकिन केवल 20 फीसदी ही आभूषणों में इस्तेमाल होने लायक बन पाते हैं। अन्य 80 फीसदी इंडस्ट्री में इस्तेमाल हो जाते हैं।

आप भी कर सकते हैं खुदाई

● सार्वजनिक रूप से जनता के लिए खुली एकमात्र खान अर्कंसास में है। 'द क्रेटर ऑफ डायमंड्स स्टेट पार्क' में निश्चित शुल्क चुकाकर कोई भी पर्यटक खुदाई कर सकता है।

सबसे बड़ा उपभोक्ता

● यद्यपि अमरीका में दुनियाभर का मात्र एक फीसदी रत्न उत्पादन होता है, पर अमरीका सबसे बड़ा हीरा उपभोक्ता देश है। हीरों का सबसे ज्यादा उत्पादन ऑस्ट्रेलिया में होता है।

भारत का नहीं कोई सानी

● दुनिया भर में दस में से नौ हीरे भारत में पॉलिश किए जाते हैं। भारत में हीरा उद्योग देश की जीडीपी में बड़ा योगदान डालता है।

दिमाग की बत्ती

हीटर से कमरा गर्म हो जाता है, कैसे ?

गर्मी, ठंडी तथा गर्म दोनों तरह की वस्तुओं में से गुज़र सकती है। कमरे में लगा हीटर पहले अपने नजदीक की हवा को गर्म करता है और फिर उसके आसपास की हवा को। गर्म होकर हवा हल्की हो जाती है और ऊपर की ओर उठती है। तब उसका स्थान लेने के लिए ठंडी हवा आ जाती है, जो भारी होती है। फिर यह हवा भी गर्म होकर ऊपर उठ जाती है। जब गर्म हवा ऊपर उठकर ठंडी हवा के संपर्क में आती है, तो यह उसे भी गर्म कर देती है। इस तरह से गर्म हवा ठंडी हो जाती है और नीचे आना शुरू कर देती है। और इस तरह यह गर्म हवा, ठंडी हवा, गर्म हवा का च कर चलता रहता है। हवा के नीचे से ऊपर और ऊपर से नीचे जाने के इस चक्कर को कन्वैक्टर करंट कहा जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- दुनिया में 500 से अधिक सक्रिय ज्वालामुखी हैं।
- करीब 20 फीसदी ज्वालामुखी पानी के नीचे हैं।
- 1882 में जावन के नजदीक क्राकाटोआ में फूटे ज्वालामुखी का शोर सबसे अधिक माना जाता है। इसकी आवाज 5000 किलोमीटर दूर ऑस्ट्रेलिया में भी सुनी गई थी।

- 1783 में आईसलैंड में फूटे लाकी ज्वालामुखी का लावा 65 किलोमीटर तक फैल गया था, जो अब तक सबसे लंबा है।
- ऑस्ट्रेलिया एकमात्र ऐसा महाद्वीप है, जिसमें कोई सक्रिय ज्वालामुखी नहीं है।
- हर साल करीब 20-30 ज्वालामुखी फूटते हैं, पर इनमें से अधिकतर समुद्र के नीचे होते हैं।
- ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा 1200 डिग्री सैंटीग्रेट तक गर्म हो सकता है।

न सच, न झूठ

स्कॉटलैंड के जंगलों में घूमते हुए रॉब को जंगल की परियों ने पकड़ लिया और उसे बंदी बना लिया। परियों की रानी ने अपना फैसला सुनाते हुए रॉब से कहा, 'तुम अपने बारे में केवल एक ही बात कह सकते हो, उसी के आधार पर हम फैसला करेंगे कि तुम्हें किस तरह मौत दी जाए। जो स्टेटमेंट तुम दोगे, अगर वह गलत हुई, तो तुम्हें पानी में उबाला जाएगा और यदि वह सही होगी, तो तुम्हें गर्म तेल में फ्राई किया जाएगा।' रॉब को दोनों विकल्प पसंद नहीं आए। इसलिए उसने ऐसी स्टेटमेंट दी, जिसने उसे मुश्किल हालात में से बाहर निकाल दिया। क्या आप बता सकते हैं कि रॉब ने क्या जवाब दिया था?

उत्तर: रॉब ने कहा, 'तुम मुझे पानी में उबालोगे।' यह जवाब सुनकर परियां दुविधा में पड़ गईं। अब यदि वे उसे पानी में उबालती हैं, तो उसकी स्टेटमेंट सही साबित होगी, जिसका अर्थ है कि उसे तेल में तला जाएगा। वे उसे तेल में तभी तल सकते हैं, जब उसकी फाइनल

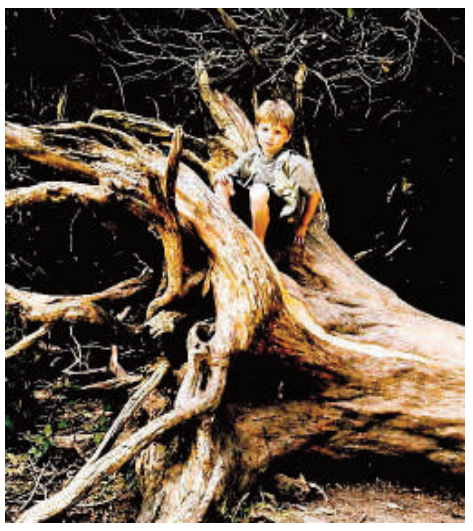

स्टेटमेंट सही हो, लेकिन अगर वे ऐसा करते हैं, तो रॉब की स्टेटमेंट गलत साबित हो जाती है। इसलिए परियों के पास रॉब को आजाद करने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था।

गुलाबी डॉल्फिन

डॉल्फिन को इंसान की दोस्त माना जाता है। इसे बच्चों के साथ खेलना बेहद पसंद है। पृथ्वी पर इंसान के बाद डॉल्फिन ही सबसे ज्यादा बुद्धिमान प्राणी मानी जाती है। दुनियाभर में इसकी 40 प्रजातियां पाई जाती हैं। इसका आकार चार फुट से 30 फुट और वजन 40 किलोग्राम से 10 टन तक हो सकता है।

डॉल्फिन एक ही समय पर तैर भी सकती हैं और सो भी सकती हैं। डॉल्फिन को पानी में जंप करना बहुत पसंद है। दक्षिण एशिया में डॉल्फिन की एक ऐसी प्रजाति पाई जाती है, जो जन्म के समय कुदरती तौर पर अंधी होती है। इन डॉल्फिन का सोनर सिस्टम बहुत संवेदनशील होता है और ये अपने शरीर के एक ओर ही तैरती हैं। अमेज़न नदी में रहने वाली डॉल्फिन का रंग गुलाबी है। इसका गुलाबी रंग नदी के पानी और इसके भोजन के कारण है। ये रोजाना काफी ज्यादा भोजन खाती हैं। इन्हें अकेले खाना पसंद नहीं है। जब भी इन्हें मछलियों का झुंड दिखाई देता है, ये ऊंची आवाज में अपनी साथी डॉल्फिंस को बुला लेती हैं।

गुलाबी डॉल्फिन लगभग ग्रे डॉल्फिन की ही तरह होती है, पर इनमें कुछ भिन्नता भी है। इसकी लंबाई 2.5 से 3 मीटर और वजन 90 किलोग्राम तक होता है। इसकी पीठ और माथे पर कूबड़ होता है और इसकी पूंछ और गर्दन भी ग्रे डॉल्फिन के मुकाबले थोड़ी-सी लंबी होती है। छोटी आंखों वाली गुलाबी डॉल्फिन अपना सिर 180

डिग्री पर घुमा सकती है। इनका शरीर फ्लैक्सीबल होता है, इसलिए ये 20 मील प्रति घंटे की दर से पानी में तैर सकती हैं। यह 15 मिनट तक पानी के नीचे रह सकती है, फिर इसे सांस लेने के लिए इन्हें पानी के ऊपर आना पड़ता है।

समुद्र के बीच ख़ूबसूरत आर्टिफिशियल आईलेंड पर बने एयरपोर्ट से उड़ान भरना बहुत ही रोमांचक है। जापान में आप भी इस उड़ान का लुत्फ उठा सकते हैं...

गेटवे ऑफ जापान

जापान में पांच ऐसे एयरपोर्ट हैं, जो पूरी तरह समुद्र में बने हुए हैं। ये हैं- नागासाकी एयरपोर्ट, कंसाई इंटरनैशनल एयरपोर्ट, चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट, कोबे एयरपोर्ट और किता यूशू एयरपोर्ट। चुबु सेंट्रेयर इंटरनैशनल एयरपोर्ट जापान का तीसरा ऐसा एयरपोर्ट है, जो पूरी तरह से आर्टिफिशियल आईलैंड पर बना हुआ है। यह नागोया शहर से 35 किलोमीटर दक्षिण में आइस बे ऑफ चिता पेनिन्सुला में स्थित है। 17 फरवरी 2005 से यहां से हवाई सेवाएं शुरू की गईं। 24 घंटे सेवाएं देने वाला यह एयरपोर्ट देश के बीच स्थित होने के कारण जापान का गेटवे भी कहलाता है। इसे ह्रश्वयार से 'टोयोटा एयरपोर्ट' भी कहते हैं।

अगस्त 2000 में इसका निर्माण कार्य शुरू किया गया। अनुमान लगाया गया था कि इसके निर्माण की लागत 768 बिलियन जापानी येन आएगी, लेकिन सफल प्रबंधन के चलते इसमें लगभग 100 बिलियन जापानी येन कम खर्च हुए।

इसका निर्माण पर्यावरण की सुरक्षा का ध्यान रखकर

किया गया। इस एयरपोर्ट के लिए आर्टिफिशियल आईलैंड अंग्रेजी के अक्षर 'डी' के आकार में बनाया गया, ताकि खाड़ी के भीतर समुद्र की लहरें आजादी से बह सकें।

टेकऑफ एंड लैंडिंग- 580 हैक्टेयर में फैले सेंट्रेयर एयरपोर्ट में चार मंजिलें हैं। रनवे 3,500 मीटर लंबा है, जबकि रनवे स्ट्रिप 300 मीटर चौड़ी है। यात्री विमान अपनी सुविधानुसार दिन या रात में किसी भी समय उड़ान भर सकते हैं या उतर सकते हैं, जबकि मालवाहक जहाज रात में टेकऑफ और लैंड करते हैं।

ढेर सारी सुविधाएं- एयरपोर्ट की इमारत इस तरह से बनाई गई है कि उस पर व्हीलचेयर आसानी से जा-आ सके। दूसरे तल पर क्लिनिक और तीसरी मंज़िल पर कॉन्फ्रैंस-हॉल है। यहां पोस्ट- ऑफिस, बैंक, करेंसी एक्सचेंज और कोबैन के अलावा बच्चों के मनोरंजन के लिए भी बहुत-सी सुविधाएं हैं।

हम बताएं, आप बनाएं

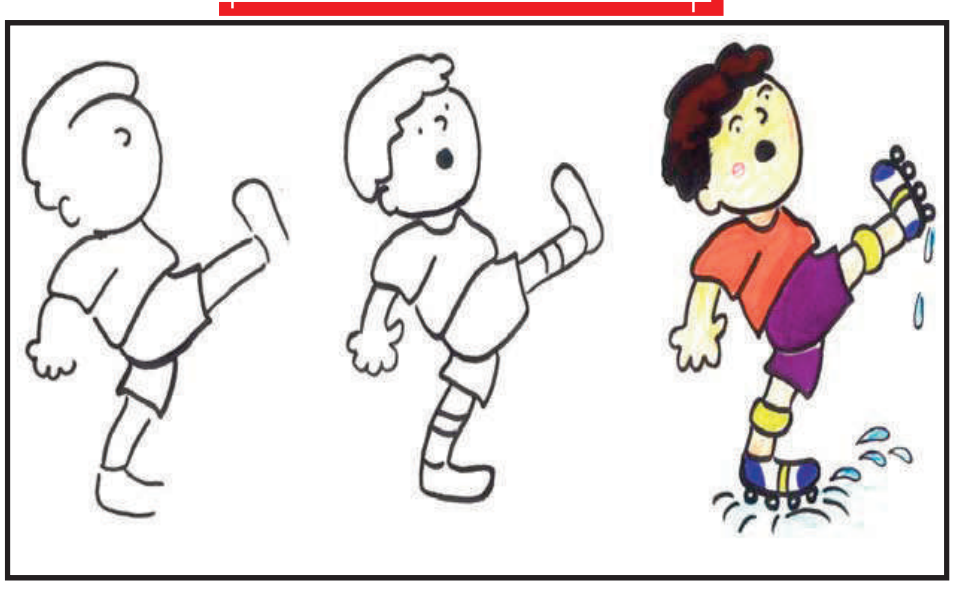

केआईबीजी 2026 में सफलता के बाद एशियन बीच वालीबाल चैंपियनशिप पर नजरें टिकाए भरत और राजेश

दीव,10 जनवरी (एजेंसियां) ।

तमिलनाडु की बीच वालीबाल जोड़ी भरत और राजेश सिर्फ खेल में ही नहीं, बल्कि जीवन के सफर में भी एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। खेल में अपेक्षाकृत देर से पहचान बनाने वाले इस जोड़ीदार की दोस्ती कालेज के दिनों में मजबूत हुई, जहां समान परिस्थितियों और संघर्षों ने उन्हें एक-दूसरे के और करीब ला दिया।

भरत के पिता दिहाड़ी पर प्लंबर का काम करते हैं, जबकि राजेश के पिता चेन्नई में बस कंडक्टर हैं। आर्थिक स्थिरता जहां हमेशा परिवारों की पहली प्राथमिकता रही, वहां वालीबाल को करियर के रूप में चुनना आसान फैसला नहीं था। बावजूद इसके, तमाम चुनौतियों को पार करते हुए भरत और राजेश ने दीव के घोघला बीच पर आयोजित *खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026* में लगातार दूसरी बार बीच वालीबाल में रजत पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

टीम के कप्तान भरत ने कहा, मेरे पिता दिहाड़ी पर प्लंबर हैं और राजेश के पिता बस कंडक्टर। हमारे आसपास कोई खास खेल माहौल नहीं था लेकिन कभी-कभी जुनून देर से जागता है। हमारे लिए यह कालेज के शुरुआती दिनों में हुआ।

लायला कालेज, चेन्नई से वाणिज्य स्नातक भरत और राजेश ने अपने परिवारों को इस सफर का सबसे बड़ा सहारा बताया। उन्होंने कहा कि सीमित आर्थिक सुरक्षा और अनिश्चित भविष्य के बावजूद उनके परिवारों ने हमेशा उनके खेल करियर का समर्थन किया।

भरत ने कहा, हम दोनों अभी शुरुआती 20 की उम्र में हैं और अच्छी बात यह है कि हमारे परिवारों ने हमें तुरंत नौकरी ढूंढने का दबाव नहीं दिया। अधिकांश भरतीय परिवारों में 23 साल की उम्र में भी खेल जारी रखना आसान नहीं होता। हमारी आय सीमित है लेकिन परिवार का पूरा समर्थन हमारे साथ है। उम्मीद है कि हमारे प्रदर्शन को पहचान मिलेगी। अनुभव और जोश का संतुलन इस जोड़ी की सबसे बड़ी ताकत है। भरत 2025 के केआईबीजी में तमिलनाडु की रजत पदक विजेता टीम का हिस्सा रह चुके हैं, जबकि राजेश अपनी युवा ऊर्जा और रणनीतिक समझ से टीम को मजबूती देते हैं। यह जोड़ी तात्कालिक नतीजों से ज्यादा निरंतरता, तालमेल और दीर्घकालिक प्रगति पर ध्यान दे रही है।

भरत ने कहा, मैं 2024 में दीव में हुए खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा था और पिछले साल उद्घाटन खेलो इंडिया बीच गेम्स में रजत पदक जीता। इस साल भी लय बनाए रखने से खुशी है।

चयन ट्रायल में स्वर्ण पदक जीतकर अप्रैल में चीन में होने वाली एशियन बीच वालीबाल चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुकी यह जोड़ी अब अगले महीने होने वाले राष्ट्रीय शिविर की तैयारी में जुटी है।

तमिलनाडु की इस जोड़ी के लिए केआईबीजी 2026 एक विस्तारित तैयारी चरण की तरह है, जहां वे तकनीकी सुधार, परिस्थितियों के अनुरूप ढलने और मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं, ताकि आने वाले चुनौतीपूर्ण सत्र के लिए पूरी तरह तैयार हो सकें।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय शूटिंग टीम के ट्रायल के लिए मुरादाबाद की निशानेबाज श्रद्धा रस्तोगी ने किया क्वालीफाई

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले की होनहार निशानेबाज श्रद्धा रस्तोगी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए 10 मीटर एयर राइफल शूटिंग में भारतीय निशानेबाजी टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई कर लिया है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी सुनील कुमार ने यह जानकारी शनिवार को दी। उन्होंने बताया कि भोपाल में आयोजित 68वीं नेशनल शूटिंग चैपियनशिप में 618.1 का प्रभावशाली स्कोर कर श्रद्धा भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में भी शामिल हो गई हैं। मोहल्ला मंडी चौक में रहने वाली और स्नातक की छात्रा श्रद्धा ने इससे पहले भी कई उपलब्धियां बटोरी हैं। एक साल पूर्व शूटिंग रेंज में कदम रखने वाली श्रद्धा ने बताया कि उन्होंने हाल ही में देहरादून में खेली गई 44वीं नार्थ जोन शूटिंग चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीता था। इसके अलावा उन्होंने यूपी स्टेट, प्री-स्टेट, प्री-नेशनल और इंडिया ओपन जैसी प्रतियोगिताओं में मेडल जीते हैं। 34वीं आल इंडिया जीवी मावलंकर (प्री-नेशनल) में दो सिल्वर और 48वीं यूपी स्टेट में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। श्रद्धा ने बताया कि दिल्ली और मुरादाबाद की विभिन्न शूटिंग रेंज में नियमित रूप से तीन से चार घंटे तक अभ्यास करती हैं। वह ट्रायल में बेहतरीन प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही हैं ताकि उनका चयन भारतीय शूटिंग टीम में हो। उनका सपना भारत के लिए मेडल जीतने का है।

पूजा वस्त्राकर हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण दो हफ्ते के लिए क्रिकेट से हुईं दूर

नवी मुंबई। रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की तेज गेंदबाज आलराउंडर पूजा वस्त्राकर हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते अगले दो हफ्तों तक क्रिकेट से दूर रहेंगी। इसकी पुष्टि आरसीबी के हेड कोच मालोलन रंगराजन ने शुक्रवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के उद्घाटन मुकाबले के बाद की। मालोलन रंगराजन ने कहा, पूजा वस्त्राकर मुंबई इंडियंस के खिलाफ चयन के लिए उपलब्ध नहीं थीं। सेंटर आफ एक्सीलेंस (सीओई), बेंगलुरु से रिलीज़ होने से करीब दो हफ्ते पहले दुर्भाग्यवश उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया। हमारे पास जो जानकारी है, उसके मुताबिक उन्हें अभी दो हफ्ते और लगेंगे। इससे पहले वह कंधे की समस्या के कारण सीओई में थीं और अब हैमस्ट्रिंग की परेशानी है। यह पूरी तरह सप्ताह-दर-सप्ताह की प्रक्रिया है, इसलिए हम उनकी स्थिति पर नज़र रखेंगे। इस बीच, आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। टीम ने मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर तीन विकेट से हराया। इस जीत में नाडीन डी क्लर्क की नाबाद 63 रन (44 गेंद) की शानदार पारी निर्णायक साबित हुई। वहीं, मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस को भी झटका लगा जब आलराउंडर हेले मैथ्यूज़ कंधे की चोट के कारण मैदान पर नहीं उतर सकीं। मुंबई इंडियंस की हेड कोच लिसा कीटली ने बताया, दुर्भाग्यवश उनका कंधा अभी पूरी तरह ठीक नहीं है। ट्रेनिंग के दौरान हल्का खिंचाव आ गया था। वह खेलने के काफी करीब हैं, और अगर फिट रहीं तो अगले मैच में उपलब्ध होंगी। टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में करीबी हार झेलने के बाद, डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई इंडियंस शनिवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम, नवी मुंबई में दिल्ली कैपिटल्स से भिड़ेंगी ।

वर्ल्ड कप विवाद के मानसिक दबाव पर नजमुल का खुलासा, कहा-हम सब ठीक होने का अभिनय कर रहे हैं

ढाका। बांग्लादेश टेस्ट टीम के कप्तान नजमुल हुसैन ने शुक्रवार को कहा कि आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को लेकर चल रहे विवाद का खिलाड़ियों पर गहरा मानसिक असर पड़ रहा है और टीम के खिलाड़ी यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि सब कुछ ठीक है , जबकि हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। भारत में प्रस्तावित टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने संकेत दिया है कि यदि उनके मैच भारत से बाहर नहीं कराए गए तो टीम टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती। इस स्थिति के चलते खिलाड़ी मानसिक रूप से बेहद थक चुके हैं और कई खिलाड़ियों की रातों की नींद उड़ गई है। नजमुल ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा, अगर आप हमारे वर्ल्ड कप के प्रदर्शन को देखें तो हम कभी लगातार अच्छा क्रिकेट नहीं खेल पाए हैं। पिछले साल हमने अच्छा किया था, लेकिन उससे बेहतर मौके भी थे, जिनका हम फायदा नहीं उठा सके। मेरे तीन वर्ल्ड कप के अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि हर वर्ल्ड कप से पहले कुछ न कुछ जरूर होता है और इसका असर जरूर पड़ता है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, हम यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि हमें किसी बात से फर्क नहीं पड़ता और हम पूरी तरह पेशेवर क्रिकेटर हैं।

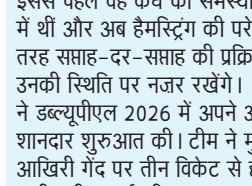

टी20 विश्व कप से बाहर किए जाने पर शुभमन गिल ने कहा— चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूं

वडोदरा,10 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट टीम के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने आगामी टी20 विश्व कप 2026 की टीम से बाहर किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को होने वाले पहले वनडे मुकाबले से पहले गिल ने कहा कि वह चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करते हैं और टीम को टूर्नामेंट के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

गिल ने प्री मैच प्रेस कांन्फ्रेंस में कहा, मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूं। टी20 विश्व कप के लिए टीम को मेरी तरफ से शुभकामनाएं। उन्होंने आगे कहा, मैं जहां हूं, वहीं होना मेरे लिए लिखा है। जो मेरी किस्मत में है, उसे कोई नहीं छीन सकता। एक खिलाड़ी हमेशा देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता है और चयनकर्ताओं ने अपना फैसला लिया है। हाल के दिनों में टी20 प्रारूप में गिल का प्रदर्शन खास नहीं रहा था, जिसके चलते टीम प्रबंधन ने टीम काम्बिनेशन को ध्यान में रखते हुए उन्हें विश्व कप टीम से बाहर रखने का फैसला किया। उनकी जगह आलराउंडर अक्षर पटेल को टी20 उपकप्तान नियुक्त किया गया है। इस बीच, वनडे सीरीज में विराट कोहली और रोहित शर्मा का शानदार फार्म भारत की बड़ी ताकत माना जा रहा है। टी20 विश्व कप से एक महीने से भी कम समय पहले होने वाली इस तीन मैचों की वनडे सीरीज में दोनों दिग्गज खिलाड़ियों पर खास नजर रहेगी। विजय हजारे ट्राफी में खेलते हुए कोहली और रोहित ने बड़े रन बनाए थे, जिससे साफ है कि वे अब भी शीर्ष स्तर पर हैं। हालांकि, टी20 टीम से बाहर होने के बाद गिल का वनडे सीरीज में प्रदर्शन भी चर्चा में रहेगा। चोटों के कारण वह पिछले साल दक्षिण अफ्रीका दौरे में अधिकतर मुकाबले नहीं खेल पाए थे। गिल की वापसी से यशस्वी जायसवाल का टाप आर्डर में स्थान खतरे में पड़ सकता है, जबकि श्रेसय अय्यर की वापसी से बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता आने की उम्मीद है। केएल राहुल का निचले क्रम में बल्लेबाज और विकेटकीपर के रूप में स्थान तय माना जा रहा है, जिससे ऋषभ पंत को एक बार फिर वनडे टीम में बाहर बैठना पड़ सकता है। वहीं, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या को टी20 जिम्मेदारियों के मद्देनजर वनडे सीरीज से आराम दिया गया है। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा संभालेंगे, जबकि स्पिन विभाग में कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा अहम भूमिका निभाएंगे। यह मुकाबला कोटांबी स्थित नए बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा, जहां पहली बार पुरुषों का अंतरराष्ट्रीय मैच आयोजित हो रहा है। न्यूजीलैंड के लिए यह सीरीज नए और युवा खिलाड़ियों को परखने का मौका होगी, हालांकि कई सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी के बावजूद कीवी टीम मजबूत चुनौती पेश करने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

जय शाह ने रोहित को कहा हमारे कप्तान, मंच पर गूंजा सम्मान और मुस्कान

नई दिल्ली। रिलायंस फाउंडेशन के हालिया एक इवेंट में भारतीय खेल जगत की कई नामचीन हस्तियां एक मंच पर नजर आईं। इसी कार्यक्रम में बीसीसीआई के पूर्व सचिव और मौजूदा आईसीसी चेयरमैन जय शाह की मौजूदगी खास रही। इवेंट के दौरान जय शाह ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी खिलाड़ी रोहित शर्मा को मंच से कप्तान कहकर संबोधित किया, जिससे माहौल भावनात्मक और यादगार बन गया। जय शाह के इस बयान ने न सिर्फ रोहित, बल्कि वहां मौजूद सभी मेहमानों का ध्यान खींचा। जय शाह ने अपने संबोधन में कहा कि वह रोहित शर्मा को कप्तान ही कहेंगे, क्योंकि उन्होंने भारतीय टीम को दो-दो आईसीसी ट्राफी दिलाई हैं। उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप का भी जिक्र किया, जहां टीम इंडिया ने लगातार 10 मैच जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, हालांकि खिताब जीतने से चूक गई। जय शाह ने यह भी याद दिलाया कि फरवरी 2024 में राजकोट में उन्होंने कहा था कि अगला वर्ल्ड कप भारत दिल भी जीतेगा और कप भी। यह बात सुनते ही रोहित शर्मा अपनी मुस्कान नहीं रोक पाए, वहीं उनकी पत्नी रितिका सजदेह की प्रतिक्रिया भी देखने लायक थी। पूरे हाल में हल्की हंसी और तालियों की गूंज सुनाई दी। इस इवेंट ने एक बार फिर रोहित शर्मा के नेतृत्व और योगदान को केंद्र में ला दिया। हालांकि मौजूदा समय में रोहित भारतीय टीम के कप्तान नहीं हैं। उन्होंने 2024 टी20 विश्व कप के बाद टी20 फार्मेट से संन्यास ले लिया था, जिसके बाद सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम की कमान सौंपी गई। इसके बाद रोहित ने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया और इस फार्मेट में शुभमन गिल को कप्तानी की जिम्मेदारी दी गई। वनडे क्रिकेट में रोहित अब भी सक्रिय हैं, लेकिन कप्तानी उनसे लेकर शुभमन गिल को सौंपी जा चुकी है।

केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने युवाओं से विकसित भारत के निर्माण का किया आह्वान

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां) ।

केंद्रीय युवा कार्य एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग के उद्घाटन समारोह में देश के युवाओं को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की जिम्मेदारी संभालने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि देश के 140 करोड़ नागरिक मिलकर विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करें, जिसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम होगी। उन्होंने कहा, आप देश का भविष्य हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत के निर्माण की जिम्मेदारी युवाओं को सौंपी है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से उन्होंने स्पष्ट कहा था कि विकसित भारत का निर्माण केवल सरकार नहीं, बल्कि देश के सभी 140 करोड़ नागरिक मिलकर करेंगे और इसमें युवा मशाल वाहक होंगे।

मांडविया ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने और अपने कौशल, ऊर्जा व नवाचार के माध्यम से देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, आप जैसे युवा देश का भविष्य हैं। हमें विकसित भारत का राही अपने देश के युवाओं को बनाना है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने भी युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत की स्वतंत्रता भारी बलिदानों की कीमत पर मिली है। उन्होंने युवाओं से इतिहास से प्रेरणा लेकर देश के पुनर्निर्माण और एक सशक्त, महान भारत के निर्माण के लिए कार्य करने का आह्वान किया।

डोभाल ने कहा, आज का स्वतंत्र भारत हमेशा ऐसा नहीं था। हमारे पूर्वजों ने स्वतंत्रता के लिए अपार कष्ट सहे, अपमान झेला और असहायता के दौर देखे। गांव जलाए गए, सभ्यता को नुकसान पहुंचाया गया और मंदिरों को लूटा गया। यह इतिहास आज के युवाओं के लिए एक चुनौती है, जो उन्हें देश को फिर से उसके गौरवशाली स्थान पर पहुंचाने की प्रेरणा देता है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग 2.0 शनिवार से शुरू होकर 12 जनवरी तक भारत मंडपम में होगा। इसका पहला संस्करण जनवरी 2025 में आयोजित हुआ था।

न्यूजीलैंड सीरीज से पहले मस्ती और मेहनत का संगम, विराट ने लिए अर्शदीप के मजे

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से पहले भारतीय टीम वडोदरा में जमकर पसीना बहा रही है। इस कड़ी ट्रेनिंग के बीच टीम इंडिया का माहौल काफी हल्का और सकारात्मक नजर आया, जहां सीनियर खिलाड़ी विराट कोहली अपने मजेदार अंदाज में दिखाई दिए। प्रैक्टिस सेशन के दौरान विराट कोहली ने युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के साथ हल्की-फुल्की मस्ती की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में पूर्व भारतीय कप्तान अर्शदीप की दौड़ने की स्टाइल की नकल करते नजर आ रहे हैं, जिसे देखकर खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ भी हंसते दिखाई दिए। इस मस्ती के साथ-साथ भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी भी पूरी गंभीरता के साथ जारी है। विराट कोहली और रोहित शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले ट्रेनिंग सत्र में शानदार फार्म का प्रदर्शन किया। दोनों दिग्गज बल्लेबाजों ने करीब डेढ़ घंटे तक नेट्स में जमकर अभ्यास किया और तेज गेंदबाजों, स्पिनरों के साथ-साथ थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट्स की गेंदों का सामना किया। ट्रेनिंग के दौरान उनकी टाइमिंग और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।

मलेशिया ओपन: सेमीफाइनल में वांग से हारीं सिंधु, भारत का अभियान समाप्त

कुआलालंपुर,09 जनवरी (एजेंसियां) ।

भारत की स्टार शटलर पी. वी. सिंधु का शानदार सफर शनिवार को मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल सेमीफाइनल में खत्म हो गया। सीजन के पहले टूर्नामेंट में सिंधु को चीन की वर्ल्ड नंबर दो खिलाड़ी वांग झीयी के खिलाफ सीधे गेम में 16-21, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु दबाव को बरकरार नहीं रख सकीं और मुकाबले के दौरान उनसे कई अनफोर्स्ड एरर हो गए। यह मुकाबला उनके लिए खास इसलिए भी था क्योंकि वह अक्टूबर पिछले साल के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रही थीं। पैर की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहीं सिंधु दूसरे गेम में 11-6 की बढ़त भी गंवा बैठीं। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारत का अभियान भी समाप्त हो गया।

मुकाबले की शुरुआत में सिंधु ने ऊंची रैंक वाली प्रतिद्वंद्वी को कड़ी टक्कर दी। उन्होंने दमदार स्मैश लगाए और अपने लंबे कद का फायदा उठाते हुए 5-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, वांग की सटीक नेट प्ले और बेहतर टच ने उन्हें बराबरी पर ला दिया।

वांग की कुछ चूकों का फायदा उठाकर सिंधु 9-7 से आगे हुईं, लेकिन इंटरवल तक पहुंचते-पहुंचते चीनी खिलाड़ी ने वापसी करते हुए एक अंक की बढ़त बना ली। इस दौरान सिंधु नेट पर लड़खड़ाती नजर आईं।

ब्रेक के बाद दोनों खिलाड़ियों को शाट्स की लेंथ साधने में दिक्कत हुई और स्कोर 13-13 पर बराबर रहा। इसके बाद 15-14 से आगे चल रहीं वांग ने लगातार आक्रामक शाट्स खेले, जिससे सिंधु दबाव में आ गईं। वांग ने सटीक लिफ्ट्स के साथ स्कोर 18-14 कर लिया और अंततः पहला गेम अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम की शुरुआत में सिंधु ने दो अनफोर्स्ड एरर किए और 1-3 से पीछे हो गईं, लेकिन उन्होंने जल्दी ही वापसी की और बेहतरीन रैलियों के दम पर 6-3 की बढ़त बना ली। वांग ने अंतर कम किया, लेकिन सिंधु ने तेज एंगल्स के साथ कोर्ट के कोनों में शाट्स खेलते हुए ब्रेक तक 11-6 की बढ़त हासिल की।

ब्रेक के बाद वांग ने आक्रामक अंदाज अपनाया। हालांकि सिंधु ने शानदार नेट शाट्स से 13-9 तक बढ़त बनाए रखी। इसके बाद एक बार फिर सिंधु से लगातार गलतियां हुईं और वांग ने 13-13 से मुकाबला बराबर कर बढ़त हासिल कर ली।

नेट पर एक शानदार एक्सचेंज के बाद वांग 16-13 से आगे निकल गईं। इसके बाद सिंधु ने दो बार बैकलाइन के बाहर शाट मारे और एक बैकहैंड नेट एरर के चलते वांग को पांच मैच प्वाइंट मिल गए। आखिरकार सिंधु का एक और शाट बाहर चला गया और वांग ने मुकाबला जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

केआईबीजी 2026: प्रसन्ना बेंद्रे ने पेंचक सिलाट में बरकरार रखी बादशाहत, सिर्फ 20 दिनों में नए वजन वर्ग में रचा इतिहास

दीव,10 जनवरी (एजेंसियां) ।

दादरा और नागर हवेली तथा दमन और दीव के स्टार पेंचक सिलाट खिलाड़ी प्रसन्ना बेंद्रे ने एक बार फिर अपने जज़्बे और मेहनत से सभी को प्रभावित किया। खेलो इंडिया बीच गेम्स (केआईबीजी) 2026 में उन्होंने टांडिंग स्पर्धा में लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की, वह भी ऐसे हालात में जब उन्हें महज 20 दिनों में अपना वजन वर्ग बदलना पड़ा।

प्रसन्ना अपने घरेलू मैदान पर 40-45 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक का बचाव करना चाहते थे, लेकिन प्रतियोगिता से ठीक पहले वजन वर्गों में बदलाव कर दिया गया। केआईबीजी 2026 में टांडिंग स्पर्धा में उनका नियमित वजन वर्ग शामिल नहीं था, जिसके चलते उन्हें या तो 50-55 किग्रा वर्ग में उतरना था या फिर प्रतियोगिता से बाहर होना था।

23 वर्षीय प्रसन्ना ने हार मानने के बजाय चुनौती को स्वीकार किया। सिर्फ 20 दिनों में उन्हें न केवल वजन बढ़ाना था, बल्कि खुद से ज्यादा ताकतवर खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबला करने के लिए मानसिक और तकनीकी रूप से भी तैयार होना था। उन्होंने फाइनल में मणिपुर के रोहित मैतेई को हराकर घोघला बीच, दीव में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

प्रसन्ना ने बताया, साई मीडिया के हवाले से कहा, इन खेलों से पहले मैं श्रीनगर में राष्ट्रीय कैंप में था। लौटने पर पता चला कि मेरा 40-45 किग्रा वर्ग केआईबीजी 2026 में नहीं होगा और खेलों में सिर्फ 20 दिन बचे थे। मेरे पास वजन वर्ग बदलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। चुनौती यह थी कि मेरे प्रतिद्वंद्वी पहले से ही उस वजन में ज्यादा मजबूत थे।

उन्होंने कहा, मैंने खजूर, केला, अंजीर और अन्य चीजों को मिलाकर शेक बनाना शुरू किया, जिसे दिन में दो बार पीता था। इतने कम समय में वजन बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन किसी तरह मैं 50-51 किलो तक पहुंच सका।

इससे पहले प्रसन्ना पुरुष सीनियर तुंगगल स्पर्धा में रजत पदक भी जीत चुके थे। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच एलेक्जेंडर और फिलिया थामस को दिया, जिन्होंने नए वजन वर्ग में भी उन्हें अपनी तकनीक पर भरोसा रखने के लिए प्रेरित किया।

प्रसन्ना का पेंचक सिलाट से जुड़ाव भी रोचक रहा। उन्होंने बताया, मैं कक्षा 8 में ट्यूशन के लिए उनके घर जाता था, वहीं उनके मार्शल आर्ट्स बैकग्राउंड के बारे में पता चला। उसी समय वे दमन आए थे और अकादमी शुरू करने की योजना बना रहे थे। मैं सही समय पर सही जगह था और आनर अकादमी का पहला छात्र बना।

प्रसन्ना 2024 में अबू धाबी में हुई विश्व चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में जगह बना चुके हैं।

हालांकि, उनकी सफलता की राह आसान नहीं रही। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए उन्हें गंभीर आर्थिक संघर्षों का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा, अबू धाबी जाने के लिए मेरे पिता, जो एक निजी कंपनी में काम करते हैं, उन्हें लगभग एक लाख रुपये का कर्ज लेना पड़ा। बाकी रकम दमन की मराठी कम्युनिटी से फंडरेज़र के जरिए जुटाई गई। वह कर्ज भी चुकाया जा रहा है।

ऐसा ही संघर्ष 2023 एशियन चैंपियनशिप (दुबई) के दौरान भी रहा, जहां उन्होंने 40-45 किग्रा टांडिंग में कांस्य पदक जीता था। वहीं 2022 में कश्मीर में हुई एशियन चैंपियनशिप में उन्होंने रजत पदक हासिल किया था। राजस्थान के माधव विश्वविद्यालय से मनोविज्ञान में मास्टर्स कर चुके प्रसन्ना को 2025 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप परीक्षा के कारण छोड़नी पड़ी थी। अब पढ़ाई पूरी होने और एक और खेलो इंडिया स्वर्ण पदक जीतने के बाद उनका फोकस खेल और परिवार की जिम्मेदारियों पर है। आनर अकादमी में सहायक कोच की भूमिका निभा रहे प्रसन्ना बेंद्रे ने कहा, मेरे पिता अगले साल रिटायर हो रहे हैं, इसलिए परिवार की जिम्मेदारी मुझे उठानी होगी। इसके लिए नौकरी तलाशना मेरी प्राथमिकता है।

भारतीय शेयर बाजार में तीन महीने की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट

विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने भी बाजार की कमजोरी को और गहरा किया

मुंबई,10 जनवरी (एजेंसियां)।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार ने तीन महीने में अपनी सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दर्ज की, जिससे निवेशकों के बीच भारी निराशा और अनिश्चितता देखने को मिली। अमेरिकी टैरिफ बढ़ाने की संभावित चेतावनी, घरेलू और वैश्विक आर्थिक दबाव, तथा प्रमुख ब्लू-चिप शेयरों में बिकवाली ने बाजार पर लगातार दबाव बनाए रखा। विदेशी निधियों की लगातार निकासी ने भी बाजार की कमजोरी को और गहरा किया। इस दबाव के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में क्रमश: 1.84 फीसदी और 1.71 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को लाल निशान के साथ हुई, जब बीएसई सेंसेक्स 125.96 अंक गिरकर 85,636.05 पर खुला और अंतत: 322.39 अंक की गिरावट के साथ 85,439.62 पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी भी 30.95 अंक गिरकर 26,297.60 पर खुला और सप्ताह की शुरुआत में 84.50 अंक की गिरावट के साथ 26,250.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को बाजार में गिरावट और तेज़ हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे प्रमुख शेयरों में बिकवाली के चलते सेंसेक्स 431.95 अंक गिरकर 85,007.67 पर खुला और 376.28 अंक की गिरावट के साथ 85,063.34 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 105.6 अंक की गिरावट के साथ 26,144.70 पर खुला और अंतत: 71.60 अंक घटकर 26,178.70 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को भी गिरावट का क्रम जारी रहा। गुरुवार को सेंसेक्स 780.18 अंक की गिरावट के साथ 84,180.96 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सप्ताह का समापन भी लाल निशान के साथ हुआ, सेंसेक्स 604.72 अंक गिरकर 83,576.24 पर और निफ्टी 193.55 अंक गिरकर 25,683.30 पर बंद हुआ। बाजार के जानकारों का कहना है कि सप्ताह भर का प्रदर्शन यह संकेत देता है कि विदेशी निवेशकों की निकासी, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं और अमेरिका के संभावित टैरिफ वृद्धि की आशंका ने बाजार को दबाव में रखा।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र सरकार ग्रोक पर कानूनी कार्रवाई पर कर रही विचार, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय कर रहा समीक्षा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ईलॉन मस्क के स्वामित्व वाले एआई चैटबॉट ग्रोक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है। यह कदम ग्रोक द्वारा महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक तस्वीरें बनाने के मामलों के कारण उठाया जा सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ग्रोक अन्य सोशल मीडिया अकाउंट की तरह सामग्री तैयार करता है, और अगर यह गैरकानूनी है तो इसके खिलाफ भी वही कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि ग्रोक का तस्वीर बनाने का फीचर अब केवल भुगतान करने वाले प्रीमियम उपयोगकर्ताओं तक सीमित है, सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधिकारी कहते हैं कि जब तक एक्स (पूर्व में ट्विटर) इसे भारत की आधिकारिक नीति के रूप में नहीं अपनाता, तब तक कार्रवाई की संभावना बनी रहती है। मंत्रालय ने एक्स को नोटिस भेजकर पूछा था कि ग्रोक ने महिलाओं और बच्चों की आपत्तिजनक सामग्री बनाने की अनुमति कैसे दी। इस नोटिस के जवाब में एक्स ने जो विवरण भेजा, वह अधिकारियों को संतोषजनक नहीं लगा। उन्होंने कहा कि इसमें उन कदमों का उल्लेख नहीं था जो प्लेटफॉर्म ने आपत्तिजनक सामग्री बनाने वाले उपयोगकर्ताओं के खिलाफ उठाए। सूचना और प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने एक्स को पत्र लिखा कि समयसीमा के भीतर गैरकानूनी सामग्री को तुरंत हटाया जाए और साक्ष्यों को प्रभावित न किया जाए। इसके एक दिन बाद ईलॉन मस्क ने चेतावनी दी कि ग्रोक का उपयोग करके गैरकानूनी सामग्री बनाने वालों को उसी तरह के परिणाम भुगतने होंगे जैसे अवैध सामग्री अपलोड करने वालों को भुगतने पड़ते हैं।

आईआईएएस ने ग्रो की मूल कंपनी के प्रस्तावों का विरोध किया, सभी पांच प्रस्तावों के खिलाफ वोट की सिफारिश

नई दिल्ली। प्रॉक्सी सलाहकार फर्म इंस्टिट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज (आईआईएएस) ने ग्रो की मूल कंपनी बिलियनब्रेन्स गैराज वेंचर्स लिमिटेड के सभी पांच प्रस्तावों के खिलाफ वोट करने की सिफारिश की है। फर्म ने कहा कि ये प्रस्ताव कॉरपोरेट गवर्नेंस और पारदर्शिता के मानकों के अनुरूप नहीं हैं। आईआईएएस ने कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना (ईएसओपी) 2024 के तहत 33.15 करोड़ शेयर ऑप्शंस जारी करने के प्रस्ताव का विरोध किया। फर्म ने कहा कि ऑप्शन के मूल्य निर्धारण में स्पष्टता नहीं है और यह नामांकन और पारिश्रमिक समिति द्वारा तय किया जाएगा। इसके अलावा, ऑप्शन की प्रयोग अवधि असामान्य रूप से लंबी है, वेस्टिंग के बाद 20 साल तक और लिस्टिंग के बाद 10 साल तक। कंपनी ने आर्टिकल आफ एसोसिएशन में संशोधन कर संस्थापकों को बोर्ड में निदेशक नामित करने का अधिकार देने का प्रस्ताव रखा। आईआइएएस ने बिना न्यूनतम शेयरधारिता सीमा के ऐसे अधिकारों का विरोध किया, जबकि पीक एक्सवी पार्टनर को हिस्सेदारी की शर्त पर यह अधिकार देने का समर्थन किया।

नए साल के पहले हफ्ते में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर हुए महंगे, घरेलू गैस स्थिर

नई दिल्ली। नए साल के पहले हफ्ते में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि घरेलू गैस के दाम अधिकांश शहरों में स्थिर बने हुए हैं। तेल कंपनियों ने 14.2 किग्रा के घरेलू सिलेंडर के ताजा रेट जारी किए हैं। दिल्ली में यह 853, मुंबई 852.50 और कोलकाता 879 रुपए पर बने हुए हैं। वहीं 19 किग्रा के वाणिज्यिक सिलेंडर में 110-111 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। चेन्नई, गुरुग्राम, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे बड़े शहरों में भी कीमतों में हल्की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। राजधानी रायपुर में घरेलू गैस 924 रुपए पर स्थिर है, जबकि वाणिज्यिक सिलेंडर 1,892.50 रुपए पर पहुंच गया। 5 किग्रा के घरेलू सिलेंडर की कीमत 342.50 रुपए और 47.5 किग्रा वाणिज्यिक सिलेंडर 4,726.50 रुपए पर उपलब्ध हैं। छत्तीसगढ़ के अन्य शहरों में बालोद में घरेलू सिलेंडर 11 रुपए बढ़ा, जबकि गौरेला-पेंड्रा-मरवाही में 1 रुपए की कमी हुई। वाणिज्यिक सिलेंडर के दाम सभी शहरों में 110-126 रुपए तक बढ़ गए हैं। तेल कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमत और डॉलर-रुपया विनिमय दर के आधार पर दाम तय किए हैं।

टोयोटा की कारों की कीमतों में बढ़ोतरी भारतीय ग्राहकों पर भी पड़ेगा असर

फॉर्च्यूनर के वेरिएंट की कीमतें 51,000 से लेकर 74,000 तक बढ़ी

मुंबई,10 जनवरी (एजेंसियां)।

भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में हाल ही में टोयोटा ने अपनी प्रमुख कारों- फॉर्च्यूनर और इनोवा की कीमतों में वृद्धि की है। फॉर्च्यूनर के वेरिएंट की कीमतों में 51,000 रुपये से लेकर 74,000 रुपये तक का इज़ाफ़ा देखा गया है। बेस 4 गुणित 2 एमटी पेट्रोल वेरिएंट अब 34.16 लाख रुपये में उपलब्ध है, जबकि पहले यह 33.65 लाख रुपये थी। 4 गुणित 4 लाइनअप की कीमत 38.68 लाख रुपये से शुरू होती है, जो पहले 38.11 लाख रुपये थी।

4 गुणित 2 एटी लीजेंडर वेरिएंट में 63,000 रुपये की बढ़ोतरी हुई है और अब यह 42.17 लाख रुपये में उपलब्ध है। फॉर्च्यूनर नियो ड्राइव 4 गुणित 4 एटी वेरिएंट की कीमत 42.37 लाख रुपये हो गई है, वहीं 4 गुणित 4 एमटी लीजेंडर अब 44.30 लाख रुपये में उपलब्ध है। टॉप-स्पेक जीआरएस वेरिएंट अब 49.59 लाख रुपये का हो गया है। टोयोटा ने इस लाइनअप में कुछ सीमित संस्करण जैसे लीडर वेरिएंट को भी बंद कर दिया है। टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस के बेस जीएक्स 7 सीटर और 8 सीटर वेरिएंट को बंद कर दिया गया है। नया बेस जीएक्स 7 सीटर अब 19.15 लाख रुपये में उपलब्ध है, जो पहले 18.86 लाख रुपये था। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वीएक्स वेरिएंट की कीमत में 40,000 रुपये की वृद्धि हुई है। टॉप वेरिएंट जीएक्स 7 सीटर अब 46,000 रुपये महंगा हो गया है, जबकि जेड एक्स (ओ) एलई 7 सीटर की कीमत 32.38 लाख रुपये तक बढ़ गई है। ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों के अनुसार, उत्पादन लागत में वृद्धि और बढ़ती मांग के कारण यह कीमतों का सामान्य रुझान है। आने वाले समय में बाजार में और बदलाव की संभावना बनी हुई है। इस वृद्धि के बाद भारतीय कार प्रेमियों को इन लोकप्रिय मॉडलों के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।

महिंद्रा की पॉपुलर एक्सयूवी 7एक्सओ एसयूवी लॉन्च

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत महिंद्रा कंपनी अपनी पॉपुलर एक्सयूवी 7एक्सओ एसयूवी लॉन्च कर दी है। नई एक्सयूवी 7एक्सओ में डिजाइन, एक्सटीरियर और इंटीरियर सभी को अपडेट किया गया है, जिससे यह पुराने मॉडल की तुलना में ज्यादा मॉडर्न और स्टाइलिश दिखती है। यह नई एक्सयूवी 70ओ को रिप्लेस करती है और कंपनी की प्रीमियम एसयूवी लाइनअप का अहम हिस्सा बन चुकी है। इस एसयूवी की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 13.66 लाख रुपए रखी गई है। बेस वैरिएंट एएक्स की बात करें तो इसे 6 और 7-सीट कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध कराया गया है। यह पेट्रोल और डीजल दोनों पावरट्रेन के साथ लॉन्च हुआ है, लेकिन केवल मैनुअल गियरबॉक्स विकल्प के साथ। पुराने एक्सयूवी 700 की तुलना में एएक्स वैरिएंट में फीचर्स का स्तर बेहतर किया गया है। एक्सयूवी 7एक्सओ एएक्स वैरिएंट में स्टैंडर्ड तौर पर ट्रिपल-स्क्रीन डैशबोर्ड, 6 स्पीकर, वायरलेस एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले, टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट, क्रूज कंट्रोल और थर्ड रो में एसी वेंट दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए ईएससी और 6 एयरबैग शामिल हैं। इसके अलावा एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और टेल-लैंप, इलेक्ट्रिकली एडजस्टेबल ओआरवीएम, ड्राइव मोड, ट्रैक्शन कंट्रोल, हिल-होल्ड और हिल-डिसेंट कंट्रोल, साथ ही पुश स्टार्ट-स्टॉप बटन जैसे फीचर्स भी इसमें मिलते हैं। 13.66 लाख रुपए की कीमत के साथ यह बेस एएक्स वैरिएंट उन ग्राहकों के लिए एक अच्छा वैल्यू पैकेज पेश करता है, जो महिंद्रा ब्रांड में कम कीमत पर एंट्री करना चाहते हैं।

होम लोन इंश्योरेंस में ऑनलाइन विकल्प से बढ़ सकती है सुरक्षा और बचत

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)।

भारत में होम लोन अब केवल एक अल्पकालिक वित्तीय जरूरत नहीं रह गया है, बल्कि यह एक लंबी अवधि की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बन चुका है। बढ़ती प्रॉपर्टी कीमतों के कारण लोन की राशि और अवधि दोनों बढ़ गई हैं, जिसके चलते होम लोन इंश्योरेंस की आवश्यकता भी पहले से कहीं ज्यादा महसूस हो रही है। इस इंश्योरेंस का मुख्य उद्देश्य उधारकर्ता की असमय मृत्यु या अन्य अप्रत्याशित स्थितियों में परिवार को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना है।

आजकल ऑनलाइन होम लोन इंश्योरेंस तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। डिजिटल माध्यम से ली जाने वाली पॉलिसियों में प्रीमियम कम होता है और ग्राहकों को शर्तों, कवरेज और लागत की स्पष्ट जानकारी मिलती है। इससे ग्राहक अपनी जरूरतों के अनुसार पॉलिसी का सही चुनाव कर सकते हैं। वहीं बैंक और अन्य लेंडर्स द्वारा ऑफलाइन पॉलिसी की पेशकश की जाती है, जो अक्सर उच्च प्रीमियम, कमीशन और प्रशासनिक खर्चों के साथ होती है। इसके अलावा, ऑफलाइन पॉलिसी में लचीलापन की कमी और क्लेम की राशि का सीधे बैंक को मिलना जैसे मुद्दे भी सामने आते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि होम लोन इंश्योरेंस का चुनाव करते समय केवल सुविधा और बैंक की पेशकश पर ध्यान न देकर, लागत, पारदर्शिता और लचीलापन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सही पॉलिसी परिवार की वित्तीय सुरक्षा को मजबूती देती है और खर्च कम करने में मदद करती है।

अपनी जरूरतों के अनुसार कर सकते हैं पॉलिसी का सही चुनाव

आरबीआई डिप्टी गवर्नर ने बैंकिंग में पारदर्शिता व विश्वास पर जोर दिया

मुंबई। डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर ने कहा कि बैंकिंग उत्पादों और सेवाओं की कीमत और शर्तें ग्राहकों के लिए स्पष्ट और पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने चेताया कि अगर मूल्य निर्धारण में पारदर्शिता नहीं होगी, तो ग्राहक अन्य विकल्पों की ओर रुख कर सकते हैं। शंकर ने बैंकिंग उद्योग से आग्रह किया कि वह ऐसा वातावरण तैयार करे जहां कोई धोखाधड़ी न हो ताकि ग्राहकों का भरोसा बना रहे। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का भरोसा ही उन्हें बैंकिंग प्रणाली के प्रति वफादार बनाए रखने की कुंजी है। प्रभावी मूल्य निर्धारण और पारदर्शिता से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि ग्राहक जो मूल्य चुका रहे हैं, वह उचित और सही है। भारतीय बैंकिंग प्रणाली मजबूत है, लेकिन ग्राहकों का विश्वास बढ़ाने के लिए कुछ मूलभूत सिद्धांतों को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

सीजन की शुरुआत में ही औंधे मुंह गिरे आलू के दाम, किसान बेहाल

मंडियों में भारी आवक से कीमतों पर दबाव

नई दिल्ली,10 जनवरी (एजेंसियां)।

सीजन की शुरुआत होते ही देशभर की मंडियों में आलू के दाम तेजी से गिर गए हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि कई स्थानों पर किसानों को अपनी लागत भी नहीं मिल पा रही है। कीमतों में भारी गिरावट से परेशान किसान मजबूरी में अपनी उपज सड़कों पर फेंकने को विवश हैं। थोक बाजार के साथ-साथ खुदरा बाजार में भी आलू सस्ता हो गया है। जानकारों के मुताबिक आलू के दाम गिरने की सबसे बड़ी वजह पिछले साल का भारी स्टॉक है, जो अब भी बड़ी मात्रा में कोल्ड स्टोरेज में भरा पड़ा है। इसके अलावा अनुकूल मौसम के चलते इस साल भी आलू की बंपर पैदावार की उम्मीद है। पुराना आलू खराब होने के डर से बाजार में उतारा जा रहा है, वहीं नए आलू की आवक भी लगातार बढ़ रही है। इससे मंडियों में सप्लाई मांग से कहीं अधिक हो गई है। उत्तर प्रदेश की प्रमुख मंडी आगरा में आलू के थोक भाव एक महीने में 900-1,250 रुपये प्रति क्विंटल से घटकर 500-650 रुपये रह गए हैं। पश्चिम बंगाल की कोलकाता मंडी में भाव 1,500-1,550 रुपये से गिरकर 1,100-1,200 रुपये प्रति क्विंटल हो गए हैं। इसी तरह मध्य प्रदेश की इंदौर मंडी और दिल्ली की मंडियों में भी भाव 300-900 रुपये प्रति क्विंटल तक लुढ़क गए हैं। मंडियों में कीमतें गिरने का असर खुदरा बाजार पर भी पड़ा है। पिछले महीने जहां आलू 20 से 25 रुपये प्रति किलो बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत 13 से 20 रुपये प्रति किलो रह गई है। मंडियों में साधारण आलू 5-6 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा है। कारोबारियों का कहना है कि इस महीने आलू के दाम दबाव में बने रह सकते हैं, लेकिन जैसे-जैसे आवक घटेगी, अगले महीने से कीमतों में कुछ सुधार की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

फ्लाईओवरों का...

पर असंतोष जताया है। पहले जून 2025 तक का समय दिया गया था, फिर उसे आगे बढ़ाकर जून 2026 कर दिया गया है।मेडचल, कोमपल्ली और सुचित्रा से सैकड़ों यात्री एनएच-44 का इस्तेमाल सिकंदराबाद कैंटोनमेंट, बालानगर, कुकटपल्ली आदि इलाकों तक पहुँचने के लिए करते हैं। हालांकि मिट्टी खोदाई और पिलर निर्माण के दौरान हाईवे के दोनों किनारों को अवरुद्ध कर दिया गया है। खुदाई की मिट्टी ढेर बन गई है और बारिश में यह सड़क पर बहकर आती है, जिससे भारी जाम लगता है।कॉन्फ़ेडरेशन ऑफ रेज़िडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (सीओआरडब्ल्यूए) के राष्ट्रीय महासचिव बी.टी. श्रीनिवासन ने बताया, सिकंदराबाद-मेडचल एक महत्वपूर्ण सडक धमनी है, जिसका दैनिक इस्तेमाल ऑफिस जाने वाले, छात्र, मालवाहक और दूरदराज़ के यात्री करते हैं। मौजूदा सड़क की खराब सतह, बैरिकेडिंग, डायवर्जन और अधूरे ढाँचों के कारण सामान्य तौर पर 1 घंटे का सफर पीक आवर्स में 2 घंटे या उससे भी ज़्यादा का हो गया है।

चलो...

बांटा जाएगा, जिनमें से एक सिकंदराबाद के लिए होगा। साथ ही सिकंदराबाद के लिए एक अलग जिला कांग्रेस कमेटी भी बनाई जाएगी।

सिकंदराबाद जिले की मांग फिर उभरी

नगर निगम की माँग के अलावा, विभिन्न समूहों ने एक अलग सिकंदराबाद जिले की माँग भी फिर से उठाई है, खासकर जब सरकार जिलों के पुनर्गठन पर विचार कर रही है। लश्कर जिला साधना समिति जैसे समूहों ने मंत्रियों और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की है। सिकंदराबाद ऐतिहासिक रूप से ङ्गलश्करफ के नाम से जाना जाता है। नागुलूरी कृष्णा कुमार ने पहले ही ङ्गजय सिकंदराबाद जिला आकांक्षा समितिफ का गठन किया था।लश्कर जिला साधना समिति के अध्यक्ष गुर्रम पवन कुमार ने कहा कि सरकार को सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र के सात विधानसभा क्षेत्रों को एक नए निगम और जिले के रूप में घोषित करना चाहिए। उन्होंने कहा, ऋक्षच्यउ सीमाओं में सिकंदराबाद क्षेत्र में 40 नगर प्रभाग हैं, जिन्हें अब प्रस्तावित मलकाजगिरी निगम सीमाओं में बढ़ाकर 67 कर दिया गया है।सिकंदराबाद क्षेत्र सात विधानसभा क्षेत्रों सिकंदराबाद, सनतनगर, मुशीराबाद, अंबरपेट, नामपल्ली, जुबली हिल्स और खैरताबाद तक फैला हुआ है, जो लगभग 250 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में आता है। नेताओं का कहना है कि सिकंदराबाद कैंटोनमेंट बोर्ड क्षेत्र को भी मिलाकर एक अलग निगम और जिला बनाने से प्रशासनिक सुगमता बढ़ेगी और इस ऐतिहासिक शहर की पहचान बची रहेगी, न कि इसे और टुकड़ों में बांटा जाए।

घर माई...

इसके लिए आत्मनिर्भर भारत, स्वदेशी उत्पादन और शिक्षा में प्रगति बेहद जरूरी है।शाह ने युवाओं और समाज के सभी लोगों से कहा कि दुनिया में आगे बढ़ने के लिए जितनी भाषाएं सीखनी हों सीखें, लेकिन अपने घर और बच्चों में अपनी मातृभाषा और संस्कृति को सिखाना प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि माहेश्वरी समाज ने हमेशा देश और समाज के लिए योगदान दिया है और आने वाले समय में भी यह परंपरा जारी रहेगी।अमित शाह ने माहेश्वरी समाज की सेवा, योगदान और संगठन क्षमता की सराहना करते हुए सभी को प्रेरित किया कि वे अपने व्यवसाय, उत्पादन और समाज सेवा में निरंतर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज का योगदान केवल अपने समाज तक सीमित नहीं, बल्कि पूरे भारत और देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाता है।

मोदी कैबिनेट में ...

अंबरनाथ नगर परिषद में सहयोगी दल शिवसेना और बीजेपी के बीच मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर टिप्पणी करते हुए वडेट्टीवार ने इसे ङ्गदिखावटी लड़ाईफ करार दिया। उन्होंने कहा, आज वे आपस में झगड़ रहे हैं, लेकिन क्या कल सत्ता से बाहर हो जाएंगे? यह सब अस्थायी है। बाद में वे सत्ता का आनंद लेने के लिए फिर से एक साथ आ जाएंगे।वडेट्टीवार के इस बयान के बाद महाराष्ट्र की राजनीति में नई अटकलें तेज हो गई हैं, खासकर सुप्रिया सुले की संभावित केंद्रीय भूमिका को लेकर।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 11 जनवरी, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

श्री खेमदास मठ में नव-निर्मित मंदिरों की प्राण प्रतिष्ठा हेतु आमंत्रण

मंत्री कोंडा सुरेखा को अतिथि के रूप में दिया गया निमंत्रण

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री खेमदास मठ में नव-निर्मित मंदिरों पंडित गणेश नारायणजी, महासर माता, भगवान श्री अग्रसेनजी, सिद्धि श्री हरिपुरुषजी महाराज, बाबा श्री खेमदासजी महाराज एवं बाबा श्री बालकदासजी महाराज की भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह के आयोजन को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

इसी क्रम में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना सरकार की कैबिनेट मंत्री (फॉरेस्ट एंड एनवायरमेंट एवं एंडोमेंट) श्रीमती कोंडा सुरेखा को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया। यह आमंत्रण महंत डॉ. मनुदास स्वामी के सान्निध्य में प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विनोद अग्रवाल, शशिकांत अग्रवाल, राजकुमार अग्रवाल, विकास मोदी, दिनेश कुमार अग्रवाल एवं चेतनदास स्वामी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

खेमदास मठ में आयोजित होने वाला यह प्राण प्रतिष्ठा समारोह धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जा रहा है।

चारमीनार क्षेत्र में साइबर अपराध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। चारमीनार क्षेत्र स्थित सेडमल हॉल, अग्रवाल शिक्षा समिति में एक साइबर क्राइम अवेयरनेस प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों एवं आम नागरिकों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा उनसे बचाव के प्रभावी उपायों की जानकारी प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खरे किरण प्रभाकर, डीसीपी, चारमीनार ज़ोन उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में साइबर ठगी, ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, ओटीपी एवं संदिग्ध लिंक के माध्यम से होने वाले अपराधों पर विस्तार से जानकारी दी तथा उनसे बचने के व्यावहारिक उपायों को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे सशक्त माध्यम है।

इस अवसर पर एम. सुनील कुमार (सचिव), अचल गुप्ता (संयुक्त सचिव), दि हैदराबाद होलसेल कट पीस क्लॉथ मार्केट एसोसिएशन तथा दि हैदराबाद होलसेल आर्ट सिल्क क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष पुरुषोत्तम अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित व्यापारियों एवं सदस्यों ने साइबर सुरक्षा से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका समाधान डीसीपी महोदय द्वारा सहज एवं स्पष्ट रूप से किया गया। आयोजकों ने भविष्य में भी इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया, ताकि समाज को साइबर अपराधों से सुरक्षित रखा जा सके।

डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा जन्म शताब्दी महोत्सव का भव्य आयोजन 15 फरवरी को

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। प.पू. डोंग्रेजी महाराज गौशाला द्वारा आगामी 15 फरवरी को संत शिरोमणी पूज्य रामचंद्र डोंग्रेजी महाराज के जन्म शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में एक विशाल एवं भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इस ऐतिहासिक आयोजन में देश-प्रदेश के अनेक संतों, समाजसेवियों एवं विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति अपेक्षित है।

इसी क्रम में कार्यक्रम में पधारने हेतु स्वामी नारायण गुरूकुल के साधु सुखवल्लभदास स्वामी, देवनार स्कूल फॉर ब्लाइंड के संस्थापक पद्मश्री डॉ. साईबाबा गौड, अभिनेत्री लक्ष्य नाडु, अभिनेता हरी, डॉ. दिव्या, डॉ. हरीकुमार, लायन सुरेश जगनानी, लायन मोहनदास, सुरेन्द्र मोहन, गुंती दामोदर सहित अनेक गणमान्य अतिथियों को औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया।

आयोजक मंडल की सक्रिय भूमिका

अतिथियों को यह निमंत्रण संयोजक जसमत पटेल के नेतृत्व में वसंत पटेल, प्रभु पटेल, घनश्याम पटेल, अशोक पटेल, मनसुख पटेल, जयंती पटेल, ललित पटेल, अनिल पटेल एवं अन्य सहयोगियों द्वारा प्रदान किया गया।

धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश

आयोजकों ने बताया कि यह जन्म शताब्दी महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और सद्भाव का संदेश देने वाला प्रेरणादायी कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं समाजबंधुओं की सहभागिता की अपील की गई है।

आग्रमंजुषा कमेटी की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की पत्रिका ङ्कआग्रमंजुषाफ कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यालय में किया गया। कमेटी के चेयरमैन अशोक आर. डाणी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वर्तमान सत्र की पत्रिका का प्रथम प्रकाशन इसी माह के अंत तक प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि पत्रिका का प्रकाशन डिजिटल फ्लिपबुक के माध्यम से किया जाएगा। इसके अंतर्गत केंद्रीय समिति एवं विभिन्न शाखाओं की संपूर्ण गतिविधियों के साथ-साथ सदस्यों द्वारा भेजे गए लेखों को भी प्रकाशित किया जाएगा, जिससे समाज की गतिविधियों का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके।

सभी शाखाओं के अध्यक्षों से अनुरोध किया गया कि वे अपनी-अपनी शाखाओं द्वारा जुलाई 2025 से दिसंबर 2025 के बीच की गई गतिविधियों का विवरण फोटो सहित केंद्रीय कार्यालय के व्हाट्सएप या ईमेल पर अतिशीघ्र प्रेषित करें, ताकि उन्हें पत्रिका में सम्मिलित किया जा सके।

इस अवसर पर कमेटी के चेयरमैन अशोक आर. डाणी, वाइस चेयरमैन एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल एवं पवन डोकानिया उपस्थित रहे। सभा सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास ने 38वीं भगवान अय्यप्पा स्वामी महापडिपूजा के पावन अवसर पर श्रीमती और श्रीअम्मानबोलू अमरनाथ तथा शारदा को विशेष सम्मान से अलंकृत किया। इस दौरान उन्होंने स्वामी आय्यप्पा के दर्शन कर आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इस अवसर पर श्रीराम कुमार जोशी, राष्ट्रीय अध्यक्ष, गौ रक्षा विंग, राष्ट्रीय वानरसेना सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जैसलमेर, सांवरियां सेठ चितौड़गढ़, भवाल माताजी मेड़ता, उज्जैन महाकाल, बालोतरा, नाकोड़ा भैरूजी में विभिन्न धार्मिक स्थानों के दर्शन कर उपस्थित सीरवी समाज बालाजी नगर वडेर अध्यक्ष जयराम पंवार, घेवरचन्द्र चोयल, बाबूलाल मुलैवा, गेनाराम काग, रुघाराम सोलंकी, हेमाराम बर्फा व अन्य।

हिंदी के प्रचार प्रसार में आगे आए राज्य सरकार : महेश अग्रवाल

विश्व हिंदी दिवस पर हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बैठक आयोजित

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा आज काचीगुड़ा स्थित कार्यालय में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए संस्था की मासिक पत्रिका के प्रधान संपादक श्री महेश अग्रवाल ने सभी पत्रकारों से तेलंगाना में हिंदी के प्रचार0प्रसार के लिए अधिक सक्रिय प्रयास करने का आह्वान किया।

श्री अग्रवाल ने जानकारी दी कि निकट भविष्य में संस्था का एक प्रतिनिधिमंडल राज्य के मुख्यमंत्री श्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात करेगा। इस दौरान सभी स्थानीय बसों पर हिंदी में बोर्ड लगाने, राज्य सरकार के कार्यालयों में हिंदी में सूचना पट्ट, सड़कों के नाम हिंदी में लिखने तथा हिंदी के प्रचार0प्रसार हेतु आवश्यक आर्थिक निधि के आवंटन का निवेदन किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद महानगर में हिंदी भाषियों की संख्या दिन-प्रतिदिन लाखों में बढ़ रही है, लेकिन अधिकांश बोर्ड केवल अंग्रेज़ी, तेलुगु और उर्दू में होने के कारण हिंदी भाषियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि आज राज्य सरकार को सबसे अधिक टैक्स हिंदी भाषियों से प्राप्त हो रहा है, वहीं हैदराबाद के पर्यटन क्षेत्र में आने वाले पर्यटकों में भी अधिकांश हिंदी भाषी हैं। ऐसे में सरकार को हिंदी के लिए तत्काल और ठोस कदम उठाने चाहिए।

इस वर्ष की थीम और हिंदी का वैश्विक महत्व

संस्था के उपाध्यक्ष आकाश तलवार ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में बताया कि प्रति वर्ष विश्व हिंदी दिवस की एक विशेष थीम होती है, जो इस वर्ष हिंदी: पारंपरिक ज्ञान से कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक पर केंद्रित है।

वहीं मानद मंत्री कृष्ण कुमार गुप्ता ने कहा कि विश्व हिंदी दिवस उस ऐतिहासिक दिन की याद दिलाता है जब 1949 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में पहली बार हिंदी बोली गई थी। इस दिवस का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, इसके उपयोग को प्रोत्साहित करना तथा वैश्विक स्तर पर हिंदी के विद्वानों और लेखकों के योगदान को सम्मान देना है।

इस अवसर पर परामर्शदाता भक्त राम, कोषाध्यक्ष रिद्धीश जागीरदार एवं प्रदीप जाजू ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए और हैदराबाद एवं सिकंदराबाद में हिंदी के प्रचार0प्रसार को तेज करने पर बल दिया।

बैठक के दौरान पंकज कुमार अग्रवाल को संस्था का नया सदस्य बनाए जाने की भी घोषणा की गई।

सनातन0जागरण राष्ट्र कल्याण यज्ञ रथ यात्रा रामेश्वरम के लिए रवाना

14 जनवरी से 26 फरवरी तक रामेश्वरम से श्रीनगर तक होगी ऐतिहासिक यात्रा

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनातन-जागरण राष्ट्र कल्याण यज्ञरथ यात्रा का शुभारंभ वेद गुरूकुल अग्निपुरम् से करते हुए यज्ञरथ को रामेश्वरम के लिए रवाना किया गया। यह राष्ट्रव्यापी यात्रा 14 जनवरी को रामेश्वरम से प्रारंभ होकर 26 फरवरी को श्रीनगर में संपन्न होगी। यात्रा के दौरान देश के 16 राज्यों के लगभग 100 से अधिक स्थानों पर बहिरंग सनातन यज्ञ प्रचार, गो-प्रचार एवं वेद प्रचार किया जाएगा।

वेद गुरूकुल के पूज्यश्री आचार्य नरेंद्र जी के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन में दो यज्ञ रथों का निर्माण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आज दिनांक 10 जनवरी को आचार्य तेजस जी एवं आचार्य कृष्णारेड्डी जी के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञरथ का विधिवत शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर संडे फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत भाई पटेल जी तथा प्रसिद्ध समाजसेवी सतीश अग्रवाल द्वारा यज्ञ रथ का उद्घाटन किया गया।

कार्यक्रम में समाजसेवी सत्य कुमार त्यागी, सुनील अग्रवाल, कीर्ति भाई सुराणी, नारायण तिवारी, श्रीहरि, विक्रम सिंह, सतेन्द्र सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और सभी ने यात्रा की सफलता एवं राष्ट्र कल्याण की कामना की।

14 जनवरी को रामेश्वरम से प्रारंभ होने वाली यह यज्ञ रथ यात्रा 24 जनवरी को तेलंगाना में प्रवेश करेगी।

यात्रा का क्रम- 24 जनवरी: महबूब नगर, 25 जनवरी: कोडंगल, परगी होते हुए वेद गुरूकुल (रात्रि विश्राम) और 26 जनवरी: वेद गुरूकुल अग्निपुरम्, रामायणपेट, कामारेड्डी, निजामाबाद होते हुए महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी।

यह सनातन0जागरण राष्ट्र कल्याण यात्रा देशभर में आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक एकता और गो0वेद संरक्षण का संदेश प्रसारित करेगी।

सिखवाल समाज हैदराबाद द्वारा गरिमामय अभिनंदन समारोह आयोजित

ऋषि श्रृंग भवन में समाज के विशिष्ट अतिथियों का शॉल व माला से सम्मान

हैदराबा, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सिखवाल समाज लातूर के अध्यक्ष एवं राजस्थान समाज के प्रमुख श्री सुधीर तिवाड़ी के नगरागमन तथा सिखवाल समाज हैदराबाद के सुप्रसिद्ध कारागीर एवं सेवाभाव में अग्रणी श्री मंगलचंद तिवाड़ी के सम्मान में सिखवाल समाज की ओर से एक गरिमामय अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम हैदराबाद स्थित ऋषि श्रृंग भवन में सम्पन्न हुआ।

समारोह के दौरान समाज के गणमान्य सदस्यों ने दोनों विशिष्ट अतिथियों का शॉल एवं माला पहनाकर अभिनंदन व सम्मान किया। उपस्थितजनों ने उनके सामाजिक योगदान, सेवाभाव और समाज के प्रति समर्पण की सराहना की।इस अवसर पर रामदेव नागला, सूर्यप्रकाश उपाध्याय, पुसाराम नागला, रामेश्वरलाल उपाध्याय, राजेश व्यास अंकल, सीताराम उपाध्याय, गोपाल नागला, शैलेंद्र तिवारी, विनोद नागला, दिनेश नागला, श्रीनिवास तिवारी, सज्जन उपाध्याय सहित समाज के अनेक वरिष्ठजन एवं सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के माध्यम से समाज में आपसी एकता, सहयोग और सेवा भावना को और अधिक सशक्त करने का संदेश दिया गया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज के युवाओं को प्रेरणा मिलती है और संगठनात्मक मजबूती बढ़ती है। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

राजेंद्रनगर में दो कारों की आमने सामने टक्कर, दो लोग घायल

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राजेंद्रनगर क्षेत्र के उप्पारापल्ली पीवी एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार को एक सड़क दुर्घटना में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार शमशाबाद से मैदीपटनम जा रही दो कारों की रंगारेड्डी जिले में आमने-सामने टक्कर हो गई।

हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद यात्रियों ने यातायात पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही यातायात पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।

पुलिस ने मौके पर मौजूद यात्रियों से दुर्घटना के संबंध में जानकारी एकत्र कर मामला दर्ज कर लिया है। प्रारंभिक जांच के आधार पर हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दुर्घटना के चलते कुछ समय के लिए यातायात बाधित रहा, जिसे बाद में सामान्य कर दिया गया।

मानव सेवा ही माधव सेवा है : डॉ. अजय अग्रवाल

एशियन थैलेसीमिया कॉन्क्लेव 2026 के दौरान थैलेसीमिया एंड सिकल सोसाइटी को एक लाख रुपये की सहायता

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
डॉ. अजय कुमार अग्रवाल, नेशनल प्रेसिडेंट – इंटरनेशनल चैंबर्स ऑफ़ पब्लिक रिलेशंस एवं ब्रिटिश पार्लियामेंट, लंदन में भारत गौरव अवॉर्ड से सम्मानित, ने हैदराबाद में आयोजित दो दिवसीय एशियन थैलेसीमिया कॉन्क्लेव 2026 के अवसर पर समाजसेवा का एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने तेलंगाना थैलेसीमिया एंड सिकल सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल को 1,00,000/- (एक लाख रुपये) का चेक प्रदान किया।

डॉ. अजय अग्रवाल ने डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल के नेतृत्व में थैलेसीमिया एंड सिकल सोसाइटी द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यही इंसानियत की असली सेवा है। उन्होंने कहा, मानव सेवा ही माधव सेवा है, और यही भाव समाज को आगे बढ़ाता है। उन्होंने यह भी कहा कि वे समाज के गरीब और कमजोर वर्ग की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

इस अवसर पर डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने बताया कि उनकी संस्था समाज के उन गरीब एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा कर रही है, जो थैलेसीमिया जैसी गंभीर और खतरनाक बीमारी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि इस बीमारी की समय रहते पहचान हो जाए, तो इसका पूर्ण रूप से निदान एवं नियंत्रण संभव है। डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने समाज के दबे-कुचले और वंचित वर्गों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग के लिए डॉ. अजय अग्रवाल का हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों ने भी इस सहयोग को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया।

संतोषी माता मंदिर, सिप्लीगंज में नर्सिंग वामन, रामावतार एवं कृष्णावतार के पावन प्रसंगों पर आधारित श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन किया गया। कथा का वाचन कथा व्यास आचार्य कौशलेंद्र शास्त्री, मां शारदा धाम (मध्य प्रदेश) द्वारा किया गया। कथा के दौरान आचार्य श्री ने भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों के माध्यम से धर्म, भक्ति और मानव कल्याण के गूढ़ रहस्यों को सरल एवं भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

जन सेवा संघ की संयुक्त बैठक संपन्न, संगठनात्मक मजबूती पर हुआ मंथन

नई केंद्रीय कमेटी, समितियों की भूमिका और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जन सेवा संघ के चुनाव प्रभारी श्रीकांत पांडेय की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में नई एवं पुरानी केंद्रीय कमेटी, संरक्षक समिति, संचालन समिति तथा विभागीय संयोजकों को संयुक्त रूप से आमंत्रित किया गया था।

बैठक के दौरान चुनाव प्रभारी श्रीकांत पांडेय ने सभी उपस्थित पदाधिकारियों से अपने-अपने विभाग की प्रगति रिपोर्ट एवं आगामी कार्ययोजना प्रस्तुत करने का आग्रह किया। संस्था के प्रेरणास्रोत माननीय वी.के. सिंह साहब ने स्पष्ट किया कि नई केंद्रीय कमेटी में केवल नए और सक्रिय सदस्य ही शामिल होंगे, पुरानी केंद्रीय कमेटी का कोई भी सदस्य इसमें नहीं रहेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि ऐसे प्रभावी लोगों को क्षेत्रीय अध्यक्ष बनाया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर 2,000 से 5,000 लोगों को तुरंत संगठित किया जा सके।

उन्होंने यह भी कहा कि समस्या निवारण समिति में 25 प्रभावशाली लोगों को जोड़ा जाए, निष्क्रिय सदस्यों को विश्राम दिया जाए, प्रत्येक माह प्रेस कॉन्फ्रेंस या प्रेस विज्ञप्ति जारी की जाए तथा एक प्रवक्ता नियुक्त किया जाए जो मीडिया से निरंतर संपर्क में रहे।

आईटी सेल की जिम्मेदारी बिनीत सिंह एवं श्री राजेश शर्मा को सौंपी गई। साथ ही प्रवासी आयोग एवं मुख्यमंत्री राहत कोष से संबंधित पूरी जानकारी एकत्र कर जरूरतमंद सदस्यों की सहायता करने पर भी बल दिया गया।

संस्था के वर्तमान अध्यक्ष आर.पी. सिंह ने बताया कि वे निरंतर हैदराबाद महानगरपालिका एवं संबंधित अधिकारियों से संपर्क में हैं और नेकलेस रोड पर पक्का घाट निर्माण को लेकर प्रयासरत हैं।

संचालन समिति के संयोजक डी.डी. तिवारी ने कहा कि संचालन समिति सभी समितियों पर नजर रखेगी और प्रत्येक माह समीक्षा की जाएगी।

नए अध्यक्ष बिश्वजीत सिंह ने कहा कि हर महीने 2 से 3 क्षेत्रों का दौरा कर संगठन को मजबूत किया जाएगा। नए महासचिव प्रकाश चौधरी ने वरिष्ठ सदस्यों के मार्गदर्शन में संस्था को आगे बढ़ाने की बात कही।

समस्या निवारण समिति के संयोजक परमानंद शर्मा ने समिति को प्रभावी बनाने तथा अध्यक्ष पद के लिए समाज के प्रतिष्ठित बुद्धिजीवियों से संवाद की बात कही।

अनुशासन समिति के संयोजक पी.पी. पांडेय ने अनुशासनहीनता पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया।

संरक्षक समिति के संयोजक वी.डी. चौबे ने अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने की बात कही।

मेदक जिला प्रभारी श्री सुरेश पंडित ने जिले में संगठन विस्तार और शीघ्र स्थानीय शाखा गठन की घोषणा की। वरिष्ठ सदस्य एल.एम. चौधरी ने हैदराबाद क्लब समिति गठन के बाद तुरंत कार्य आरंभ करने की बात कही। के.डी. चौबे ने स्वतंत्रता के साथ निरंतर निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया।

वरिष्ठ सदस्य मोहम्मद मुनव्वर ने नई केंद्रीय समिति को शुभकामनाएं देते हुए स्वयं अपना नाम वापस लेने का आग्रह किया तथा भ्रष्टाचार मुक्त भारत, बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं के समर्थन में रैली तथा भिखारियों के पुनर्वास के लिए आश्रम स्थापित करने का सुझाव दिया।

बैठक में माननीय वी.के. सिंह, आर.पी. सिंह, गोविंद तिवारी, राजीव चौबे, बिनीत सिंह, बिश्वजीत सिंह, प्रकाश चौधरी, सुशील श्रीवास्तव, श्रीकांत पांडेय, पी.पी. पांडेय, वी.डी. चौबे, डी.डी. तिवारी, श्री एल.एम. चौधरी, के.डी. चौबे, सीताराम ठाकुर, सुरेश पंडित, परमानंद शर्मा, मदन लाल रावल, मोहम्मद मुनव्वर, कॉपीराज सिंह, नवीन बिहारी, दिनेश चौबे, अशोक कुमार, राजेश शर्मा, सुबोध कुमार सिंह सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था : शिक्षा और राष्ट्रीय सेवा की सदी पुरानी विरासत

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था की स्थापना सन् 1907 में शिक्षा एवं राष्ट्रीय सेवा की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से की गई थी। आज जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में संस्था के महासचिव श्री आदित्य गोडसे ने बताया कि जामबाग, कोठी, हैदराबाद स्थित विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था दक्षिण भारत के सबसे सम्मानित शैक्षणिक संस्थानों में से एक है। यह संस्था अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा सामाजिक उत्थान के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए जानी जाती है।

उन्होंने कहा कि एक सदी से भी अधिक समय से यह संस्था मूल्य-आधारित और जिम्मेदार नागरिकों की पीढ़ियों को तैयार कर राष्ट्र निर्माण में निरंतर योगदान दे रही है। महात्मा गांधी जी के साथ संस्था के घनिष्ठ जुड़ाव के कारण इसका इतिहास में विशेष स्थान है। महात्मा गांधी जी ने खादी उद्यम को बढ़ावा देने के लिए संस्था का दौरा किया था, जिससे आत्मनिर्भरता, सादगी और स्वदेशी के सिद्धांत और अधिक सशक्त हुएइ सिद्धांत आज भी संस्था की कार्यसंस्कृति का मार्गदर्शन करते हैं।

शैक्षिक उत्कृष्टता और नवाचार की पहचान

पिछले कुछ वर्षों में विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था एक मजबूत शैक्षिक नेटवर्क के रूप में विकसित हुई है, जो विभिन्न विषयों में अनेक संस्थानों एवं उत्कृष्टता केंद्रों का सफलतापूर्वक संचालन कर रही है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को इसके शताब्दी समारोह के दौरान विशेष मान्यता मिली, जिसमें भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनकी यात्रा संस्था के लिए प्रेरणास्रोत बनी और शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में इसकी भूमिका को और पुष्ट किया।

विवेक वर्धिनी क्रिएटिव माइंड्स स्कूल की स्थापना

इस गौरवशाली यात्रा को आगे बढ़ाते हुए विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था ने विवेक वर्धिनी क्रिएटिव माइंड्स स्कूलफ की स्थापना की है, जो उइडए पाठ्यक्रम प्रदान करता है। यह विद्यालय मजबूत मूलभूत मूल्यों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों के साथ एकीकृत करता है और समग्र विकास, रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच तथा समावेशिता पर विशेष ध्यान देता है।

राष्ट्रीय शैक्षिक सुधारों के अनुरूप, संस्था का उद्देश्य छात्रों को केवल शैक्षणिक सफलता तक सीमित न रखकर उन्हें जागरूक, जिम्मेदार और वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करना है।

विश्वास, उत्कृष्टता और सेवा का प्रतीक

अपनी गहरी जड़ों वाली विरासत और दूरदर्शी दृष्टिकोण के साथ विवेक वर्धिनी शिक्षण संस्था आज भी विश्वास, उत्कृष्टता और सेवा का प्रतीक बनी हुई है। यह संस्था अपने गौरवशाली अतीत का सम्मान करते हुए आत्मविश्वास के साथ शिक्षा के भविष्य को आकार देने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

वैश्विक पटल पर हिंदी की गूंज : डॉ. जैन

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।
हिंदी भाषा की वैश्विक उपस्थिति एवं अंतरराष्ट्रीय पहचान को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद में 10 जनवरी 2026 को विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. पी. के. जैन, एसोसिएट डायरेक्टर एवं वैज्ञानिक, एडवांस रिसर्च सेंटर, हैदराबाद, मुख्य अतिथि एवं विशेष वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एवं महाप्रबंधक द्वारा दीप प्रज्वलन तथा कु. सुमना दत्ता की सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात एस. आर. वाजपे, महाप्रबंधक ने मुख्य अतिथि डॉ. पी. के. जैन का शाल एवं स्मृतिचिह्न भेंट कर स्वागत किया।

मेहुल राठौड़, प्रबंधक (मा.सं.) एवं राजभाषा प्रभारी ने स्वागत भाषण देते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के बढ़ते प्रभाव पर प्रकाश डाला तथा हिंदी को वैश्विक भाषा बनाने के लिए निरंतर प्रयासशील रहने की अपील की।

विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर कार्यालय के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए सामूहिक हिंदी ग्रुप परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा के विषय एक राष्ट्र–एक भाषा तथा पारंपरिक ज्ञान से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (जो इस वर्ष की थीम भी है) रखे गए।

इस परिचर्चा में कार्यालय के अधिकांश कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने विचार व्यक्त किए। प्रतियोगिता में विजेता प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय नकद पुरस्कार मुख्य

अपने प्रेरक उद्बोधन में डॉ. पी. के. जैन ने हिंदी भाषा के भौतिक, बौद्धिक एवं भावनात्मक विकास का वैज्ञानिक विवेचन किया। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी भाषा का

विकास किसी विशेष बौद्धिक श्रेष्ठता से नहीं जुड़ा है। ब्रिटिश शासन से पहले भारत में फारसी और उससे भी पहले संस्कृत व्यवहार एवं व्यापार की भाषा रही है। ब्रिटिश काल में अंग्रेजी को रोजगार से जोड़कर भारतीय भाषाओं और संस्कृति को कमजोर करने का प्रयास किया गया।उन्होंने कहा कि आज भी अनेक विकसित देश ऐसे हैं, जहां अंग्रेजी का व्यापक उपयोग नहीं है, लेकिन भारतीय मानसिकता में यह धारणा बनी हुई है कि अंग्रेजी जानने वाला व्यक्ति ही अधिक ज्ञानी और संभ्रांत होता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी भाषा को सीखने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन सलाह दी कि मातृभाषा को बाईं आंख, हिंदी को दाईं आंख और अंग्रेजी को आवश्यकता अनुसार चश्मे की तरह प्रयोग करना चाहिए। डॉ. जैन ने यह भी कहा कि विश्व की लगभग पांचवां हिस्सा आबादी भारत में निवास करती है और इस विशाल बाजार पर पूरी दुनिया की नजर है। अंतरराष्ट्रीय कंपनियां जानती हैं कि हिंदी ही उनके उत्पादों को भारत में पहचान दिला सकती है। आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की भाषा, कला, संस्कृति, दर्शन और योग की खुलकर चर्चा हो रही है। इसी कारण विश्व के 175 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी अध्ययन एवं शोध की सुविधाएं उपलब्ध हैं। हिंदी का वर्चस्व और इसकी गूंज निरंतर बढ़ रही है।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में महाप्रबंधक एस. आर. वाजपे ने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर अनेक देशों को हिंदी का महत्व समझ में आने लगा है। पहले जहां निर्यातक अपने ब्रोशर केवल अंग्रेजी, जर्मन या फ्रेंच जैसी भाषाओं में भेजते थे, वहीं अब वे हिंदी में भी सामग्री भेजने लगे हैं। इससे स्पष्ट होता है कि हिंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुखर हो रही है और आने वाले समय में इसे उसका उचित स्थान अवश्य प्राप्त होगा।

कार्यक्रम का समापन डॉ. कमलेश शर्मा द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन एवं राष्ट्रीय गीत के साथ हुआ। यह आयोजन हिंदी भाषा के प्रति कर्मचारियों में नई चेतना, गर्व और उत्साह का संचार करने वाला सिद्ध हुआ।

चैतन्य महाप्रभु लीला, कथा विश्राम आज

श्री श्रृंग ऋषि भवन, बेगमबाजार (श्री राधाकृष्ण धाम) में गोलोकवासी श्री जेठमलजी एवं श्रीमती रामकंवरी देवी तिवारी की पावन स्मृति में मोतीलाल विष्णु गोपाल तिवारी परिवार द्वारा जारी श्रीमद् भागवत् कथा के अंतर्गत शनिवार, 10 जनवरी को गोपी उद्धव लीला व रूक्मणि विवाह प्रसंग पर अद्भुत झांकियाँ प्रस्तुत की गई। रविवार को कथा मध्याह्न 12:00 बजे शुरू होगी। अंतिम दिवस चैतन्य महाप्रभु लीला के साथ कथा का समापन होगा।

जोधपुर में चल रहे माहेश्वरी महाकुंभ में भाग लेने पहुंचे महेश बैंक, हैदराबाद के नवनिर्वाचित चेयरमैन मुरली मनोहर पलोड़ एवं पूर्व प्रोफेशनल निदेशक रमाकान्त इन्नानी का महेश बैंक पुणे के पदाधिकारियों द्वारा स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

बेटी की जन्म जयंती पर भाव विभोर हुई माँ

बेटी की आत्मा को शांति मिलेगी : ईशिता संघई

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो-अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क में आयोजित नियमित सेवा कार्यक्रम के दौरान एक अत्यंत भावुक दृश्य देखने को मिला। इस अवसर पर स्वर्गीय 15 वर्षीय बेटी हितांशी संघई की जन्म जयंती मनाई गई, जिसने उपस्थित सभी लोगों की आँखें नम कर दीं।अपनी बेटी की पुण्य स्मृति में सेवा करते हुए ईशिता संघई ने कहा कि सेवा और करुणा के माध्यम से ही उनकी बेटी की आत्मा को सच्ची शांति प्राप्त होगी। बेटी के जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाकर उन्होंने समाज को यह प्रेरक संदेश दिया कि दुःख को भी मानव सेवा में बदला जा सकता है।जरूरतमंदों के बीच सेवा करते हुए उन्होंने राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बेटी भले ही हमारे बीच नहीं है, लेकिन यदि दूसरों के चेहरे पर मुस्कान आ सके तो वही उसकी सच्ची श्रद्धांजलि है। आज की यह सेवा मुरलीधर रमेश कुमार संघई परिवार की ओर से की गई।इस अवसर पर रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, अनीता नथानी, राजेश नथानी, जयप्रकाश सारडा, कीर्ति संघई, ईशिता संघई, ई-जगन सहित राधे-राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा भव्य पोटलक पार्टी का सफल आयोजन

महिला शाखाओं की सहभागिता से सौहार्द, संस्कृति और सहयोग का सशक्त संदेश

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना के तत्वावधान में समाज की केंद्रीय समिति की संयुक्त सचिव डॉ. सीमा जैन की अध्यक्षता में महिला शाखाओं द्वारा एक भव्य पोटलक पार्टी का सफलतापूर्वक आयोजन समाज के राघव रत्ना टावर्स स्थित मीटिंग हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक मंच पर लाकर आपसी सहयोग, सौहार्द एवं सांस्कृतिक समरसता को और अधिक मजबूत करना रहा।

अनेक महिला शाखाओं की सक्रिय भागीदारी

इस आयोजन में शिव शक्ति महिला शाखा, रानी सती दादी महिला शाखा, अग्र अध्या नारी संगठन महिला पैराडाइज शाखा, सत्य शक्ति महिला शाखा (टी.वी. टावर), उत्तरांचल नारी शक्ति, कृष्णा सखियां नाचराम मल्लापुर महिला शाखा, भू देवी सिटी कॉलेज महिला शाखा, ज्ञान बाग कॉलोनी महिला शाखा, सोमजीगुड़ा1बेगमपेट शाखा, कोमपल्ली शाखा, मालकपेट महिला शाखा एवं अष्ट सखियां चेक कॉलोनी महिला शाखा सहित समाज की अनेक महिला शाखाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।कार्यक्रम में सभी शाखाओं की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। पोटलक पार्टी के अंतर्गत सभी ने अपने-अपने घरों से स्वादिष्ट एवं पारंपरिक व्यंजन लाकर साझा किए, जिससे आपसी प्रेम और सहयोग की भावना और अधिक प्रबल हुई। आयोजन स्थल पर हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

मनोरंजक गतिविधियों ने बांधा समां

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न मनोरंजक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें नृत्य (डांस) कार्यक्रम और तम्बोला खेल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। सभी महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। विशेष रूप से मोती नगर शाखा के डांस ग्रुप की प्रस्तुति को सभी ने खूब सराहा।

विजेताओं को किया गया सम्मानित

तम्बोला एवं डांस प्रतियोगिताओं में विजेता प्रतिभागियों को मानद मंत्री श्री विकास कुमार केशान एवं संयुक्त मंत्री डॉ. सीमा जैन के कर-कमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए।पुरस्कार प्राप्त करने वालों में- दीपा भालोठिया, सीमा अग्रवाल, प्रीति अग्रवाल, बबीता अग्रवाल, सुमन अग्रवाल एवं अनीशा अग्रवाल शामिल रहीं।

एकता और महिला सशक्तिकरण का संदेश

कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में एकता, आपसी भाईचारे और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं। सभी ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प लिया। अंत में आयोजक मंडल द्वारा सभी महिला शाखाओं, पदाधिकारियों एवं सहयोगियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया गया, जिनके सहयोग से यह भव्य पोटलक पार्टी सफलतापूर्वक और यादगार रूप में संपन्न हो सकी।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, Army No.JC 735052F Sub PAL ARVIND KUMAR JANGI SINGH of 2 Trg Bn, C/o.56 APO, Secunderabad hereby declare that my mother name and DOB is to be changed from MISRANI DEVI, DOB:15-02-1954 to MISHRANI DEVI, DOB:01-01-1952.

CHANGE OF NAME
I, ARCHANA DEVI Spouse of Army No.6945203X Hav SURENDRA NATH MISHRA of 54 Inf DoU, C/o.56 APO, Secunderabad have changed my name from ARCHANA DEVI to ARCHANA MISHRA vide Affidavit dated:10-01-2026 before G.Ramchander, Advocate and Notary, Secunderabad

CHANGE OF NAME&DOB
I, Service No-JC-781801L, Rank-Nb Sub Name-Jayanta Gupta. R/o VTC-Auria, PO-Auria,Distt-Bardhaman, State-West Bengal, PIN-713143, I have changed my Mother name from CHHABIRANI GUPTA to CHABIRANI GUPTA and also DOB changed from 01/07/1947 to 05/07/1952 add in my service documents vide affidavit date 10 Jan 2026 before Notary Mohd Hameed Khan Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, No:8431393N Rank: Ex-Nk Name: Mohmad Basha, R/o H. No.1-109, Ex-Servicemen Colony, R No.2, Jawaharnagar, JJ Nagar, Medchal Malkajgiri-(D), T.G-500087, have changed my name from MOHMAD BASHA to MOHAMMAD BASHA vide affidavit Dt.10-1-2026.

CHANGE OF NAME & DOB
I, VENKTAMMA Mother of Service No. JC 284177A Sub (GNR) KAKARLA ALLURAIAH, Resident of Vill:Kothakota, P.O:Giddalur, Dist:Prakasam, Andhra Pradesh have changed my name and DOB from VENKTAMMA, DOB:01-07-1951 to KAKARLA VENKATAMMA, DOB:01-01-1956 vide affidavit dt:09-01-2026 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कार्डियोलॉजिस्टों से सरकार से जुड़कर हृदय स्वास्थ्य पर काम करने की अपील की

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शनिवार को कार्डियोलॉजिस्टों से अपील की कि वे हृदय रोगों की रोकथाम और टाले जा सकने वाली मौतों को कम करने के लिए जागरूकता, शीघ्र हस्तक्षेप और समुदाय की भागीदारी के माध्यम से सरकार से हाथ मिलाएं। उन्होंने कहा कि रोकथाम चिकित्सा को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, और नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली और आपातकालीन प्रतिक्रिया तकनीकों के बारे में शिक्षित करना जीवित रहने की दर और समग्र सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुधार सकता है।

रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि कार्डियोलॉजिस्ट स्कूल के छात्रों को कार्डियोपल्मनरी रिससिटेशन प्रशिक्षण देने के लिए स्वेच्छा से आगे आ सकते हैं। उन्होंने हैदराबाद के एचआईसीसी में आयोजित फेलो इंडिया 2026 सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि डॉक्टरों, सरकार और समाज के संयुक्त प्रयास की आवश्यकता है ताकि हृदय रोगों से होने वाली मौतों को बचाया जा सके, जो आज भी बड़ी संख्या में लोगों की जान ले रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने दोहराया कि स्वास्थ्य सेवा तेलंगाना सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है और उन्होंने चिकित्सा समुदाय को आश्वासन दिया कि प्रशासन जनहित में बेहतर नीतियां बनाने के लिए डॉक्टरों के साथ सहयोग करने को तैयार है। उन्होंने कार्डियोलॉजिस्टों से अपील की कि वे स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए अपने सुझाव और प्रतिक्रिया साझा करें।

रेवंत रेड्डी ने कहा कि क्वांटम कम्प्यूटिंग और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चिकित्सा विज्ञान को अत्यधिक प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्र में बदल रहे हैं। उन्होंने डॉक्टरों से आग्रह किया कि वे नवीनतम नवाचारों के साथ अपडेट रहें, लेकिन साथ ही उन्हें यह याद दिलाया कि मानवीय स्पर्श - जो करुणापूर्ण स्वास्थ्य सेवा की नींव है - कभी कमजोर नहीं पड़ना चाहिए।

उन्होंने चिकित्सा समुदाय से अपील की कि वे स्वास्थ्य सेवा की गुणवत्ता में लगातार सुधार करें और तेलंगाना को चिकित्सा उत्कृष्टता का वैश्विक मापदंड बनाने की आकांक्षा रखें। उन्होंने कहा कि हर डॉक्टर को अपने पेशे में सर्वश्रेष्ठ बनने और सेवा के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नोट किया कि भारत और पड़ोसी दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से 500 से अधिक कार्डियोलॉजिस्ट इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं और उन्होंने पेशेवर सफलता के बाद भी निरंतर सीखने की उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की।

तेलंगाना में पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के नाम पर जिला..?

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना में पिछली सरकार द्वारा की गई जिलों की पुनर्व्यवस्था अवैज्ञानिक थी और इसे पुनर्गठित किया जाएगा - राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी की विधानसभा में की गई इस घोषणा ने अब एक नई बहस को जन्म दे दिया है। विशेष रूप से करीमनगर जिले के हुजूराबाद क्षेत्र के लोग अपने क्षेत्र को एक अलग जिला घोषित करने की माँग को लेकर आंदोलन की राह पकड़ चुके हैं। राज्य में मंडलों से लेकर जिलों तक विभाजन प्रक्रिया जन सुविधा से ज्यादा राजनीतिक लाभ के लिए की गई थी, ऐसा आरोप मंत्री ने लगाया।

हुजूराबाद में जिले की मांग को लेकर रैली

मंत्री की टिप्पणी के बाद, हुजूराबाद शहर को केंद्र बनाकर एक नया जिला बनाने की माँग को लेकर स्थानीय नेताओं और लोगों ने एक बड़ी रैली का आयोजन किया। पूर्व प्रधानमंत्री और दिवंगत नेता पी.वी. नरसिम्हा राव इसी भूमि के पुत्र थे, इसलिए लोगों की माँग है कि इस जिले का नाम पी.वी. नरसिम्हा राव जिलाफ रखा जाए। सरकारी उच्च पाठशाला के मैदान से अंबेडकर चौराहा तक निकाली गई इस रैली में लोगों ने स्वेच्छा से भाग लिया। सैदापुर चौराहे पर स्थापित पी.वी. की प्रतिमा पर फूलमाला अर्पित कर अपना विरोध दर्ज करवाया।

प्रशासनिक सुविधा और पहचान की लड़ाई

हुजूराबाद निर्वाचन क्षेत्र के आसपास के मंडलों के लिए यह एक प्रमुख व्यापारिक केंद्र है। स्थानीय लोगों की माँग है कि जिला मुख्यालय करीमनगर जाने की जरूरत न पड़े, बल्कि यहीं पर सभी सरकारी सेवाएं उपलब्ध हों। फिलहाल तेलंगाना में 33 जिले हैं। लोगों की माँग के अनुसार नए जिले बनाने के लिए सरकार को भौगोलिक सीमाएं, जनसंख्या आधार और अन्य पहलुओं पर विचार करना होगा। हुजूराबाद जैसे क्षेत्रों में जिला कार्यालयों के लिए जमीन, भवन और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता की भी समीक्षा करनी होगी। नए जिलों के गठन से कलेक्टरेट, एसपी कार्यालय जैसी सुविधाओं के लिए भारी निवेश की आवश्यकता होगी। मंत्री पोंगुलेटी के अनुसार, कैबिनेट में चर्चा कर सभी पार्टियों की राय लेने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना का अभिभावक मिलन सम्मेलन आज

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना द्वारा संचालित अग्रवाल मैरिज डेटा कमेटी के तत्वावधान में विवाह संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से अग्रवाल समाज की एकमात्र अधिकृत समिति द्वारा 11 जनवरी 2026, रविवार को प्रातः 9:30 बजे से 1:00 बजे तक अभिभावक मिलन सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।इस सम्मेलन में समाज में उपलब्ध बायोडाटा के आधार पर विवाह योग्य युवक-युवतियों के अभिभावकगण को आमंत्रित किया गया है। सभी अभिभावकों से अपने-अपने बायोडाटा की प्रति साथ लाने का विनम्र अनुरोध किया गया है।इस सभा का मुख्य उद्देश्य अभिभावकगण एवं अग्रवाल समाज मैरिज डेटा कमेटी के बीच परस्पर समन्वय स्थापित करना, बायोडाटा की पुष्टि एवं अद्यतन जानकारी साझा करना है, ताकि समाज में उपयुक्त वैवाहिक संबंधों को सुगमता से आगे बढ़ाया जा सके। प्रातः 9:30 से 10:30 बजे तक अल्पाहार की व्यवस्था रहेगी। अधिक जानकारी के लिए - सुनील मित्तल: 9860960649, गोविंद राम: 9849382063, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल: 9246295973 से संपर्क कर सकते हैं। कमेटी के चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल एवं संयोजक सतीश अग्रवाल ने अग्रवाल समाज के विवाह योग्य युवाओं के अभिभावकगण से आग्रह किया है कि वे अवश्य रूप से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर चेयरमैन अजय कुमार अग्रवाल, संयोजक सतीश अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुनील मित्तल, गोविंद राम अग्रवाल, लक्ष्मी नारायण स्नेही तथा अशोक जिंदल की उपस्थिति रहेगी।

निस्वार्थ सेवा और मानवता की मिसाल बन चुका है राधे-राधे ग्रुप : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर-1265अ के पास नियमित अनुदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को भोजन एवं आवश्यक सामग्री वितरित की गई। पूरे वातावरण में सेवा, करुणा और अपनत्व की भावना देखने को मिली।

इस अवसर पर समाजसेविका श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि राधे-राधे ग्रुप आज निस्वार्थ सेवा और मानवता का पर्याय बन चुका है। उन्होंने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हम इस पुनीत सेवा अभियान से प्रारंभ से जुड़े हुए हैं। यह ग्रुप बिना किसी जाति, धर्म या भेदभाव के सभी जरूरतमंदों की सेवा कर रहा है, जो समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक है।

सुनीता अग्रवाल ने आगे कहा कि आज के स्वार्थी युग में इस प्रकार का सेवा भाव दुर्लभ है, लेकिन राधे-राधे ग्रुप के सदस्य पूरी निष्ठा, समर्पण और प्रेम के साथ जरूरतमंदों की सहायता कर रहे हैं। यह संगठन वास्तव में समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, राजेश नाथानी, अनीता नाथानी, कैलाश केड़िया, निर्मला केड़िया, भगतराम गोयल, जयप्रकाश सरड़ा, मनीष अग्रवाल, रवि शर्मा, नंद गोपाल बनावत, प्रभाकर रामपे, एलाकुर्ती जगन सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे।

श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई सेवा का फल अवश्य मिलता है : अर्चना शास्त्री

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम के अंतर्गत बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए अर्चना शास्त्री ने कहा कि श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई सेवा का फल अवश्य मिलता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहा है,

जो समाज के लिए प्रेरणादायी है।

इस अवसर पर उन्होंने ने कहा कि श्रद्धा और विश्वास के साथ, निष्काम भाव से की गई सेवा का फल ईश्वर अवश्य प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि सेवा केवल सहायता का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि और समाज के प्रति उत्तरदायित्व निभाने का श्रेष्ठ मार्ग है। जब सेवा सच्चे मन और सकारात्मक भाव से की जाती है, तो वह न केवल जरूरतमंदों के जीवन में बदलाव लाती है, बल्कि सेवा करने वाले के जीवन को भी सार्थक बनाती है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अरुण विजयवर्गी, अनिल भाई, गोविंद राम जी, राजेश सर (योगा), लता गोयल, नीलम विजयवर्गी, मीना अग्रवाल, अर्चना शास्त्री एवं रेणुका शास्त्री सहित राधे-राधे ग्रुप आदि उपस्थित थे।

चाइनीज नायलॉन ग्लास-कोटेड पतंग मांजा पर प्रतिबंध लगाने की मुहिम तेज, पोस्टर लगाकर दी चेतावनी

हैदराबाद, 10 जनवरी (शुभ लाभ ब्यूरो)।

लक्ष्मीराम हरन अपार्टमेंट के निवासी चाइनीज सिंथेटिक नायलॉन ग्लास-कोटेड पतंग मांजा (चाइनीज मांजा) पर पहले से लागू राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध को सख्ती से लागू कराने के लिए आगे आए हैं। उन्होंने अपने परिसर और आस-पास के क्षेत्रों में पोस्टर लगाकर लोगों को जागरूक करना शुरू कर दिया है। इन पोस्टरों पर स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि चाइनीज मांजा को ना कहें – यह पक्षियों को मारता है, गला काटता है और पहले से ही प्रतिबंधित है।

पोस्टरों पर दुपहिया वाहन चालकों के घायल होने और पक्षियों के उलझने की भयावह तस्वीरें दिखाई गई हैं, साथ ही हैदराबाद पुलिस की शिकायत हेतु टोल-फ्री नंबर भी दिया गया है। निवासियों का कहना है कि मकर संक्रांति और गणतंत्र दिवस के आसपास पतंगबाजी का सीजन चरम पर होता है, और इस दौरान सड़क किनारे स्ट्रीट-वेंडर्स चुपचाप इस चमकदार, सस्ते धागे की बिक्री करते हैं, जो नायलॉन और ग्लास पाउडर से बना होता है। यह धागा पेड़ों और सड़कों पर महीनों तक नहीं सड़ता और दुपहिया चालकों तथा पक्षियों के लिए अदृश्य काटने वाला ब्लेड बन जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.